RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 110
नई दिल्ली, शुक्रवार, 25 फरवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अपने लिए भी कुछ समय चाहता था
स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

रूस ने यूक्रेन पर किया हमला

● पुतिन ने अमेरिका नाटो को चेताया, दुनिया भर में संघर्ष की प्रतिध्वनि

एपी। कीव

रूसी सैनिकों ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन पर व्यापक स्तर पर हमला किया जिसमें हवाई हमले एवं गोलाबारी में उसके शहरों और अड्डों को निशाना बनाया गया। रूसी सेना ने दावा किया है कि उसने कुछ ही घंटे में यूक्रेन की पूरी वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि सेना ने घातक हथियारों का इस्तेमाल यूक्रेन के वायुसेना अड्डे, वायु रक्षा परिसम्पत्तियों एवं अन्य सैन्य आधारभूत ढांचे को निशाना बनाने के लिए किया है। उसने दावा किया कि नागरिक आबादी को कोई खतरा नहीं है।

रूस द्वारा पूरी ताकत से यूक्रेन पर हमला करने की स्थिति में काफी संख्या में जानमाल का नुकसान हो सकता है और इसके परिणामस्वरूप यूक्रेन की निर्वाचित सरकार अपदस्थ हो सकती है। रूसी हमले के परिणामस्वरूप लोग ट्रेनों एवं कारों से इलाके को छोड़ने के लिए प्रयासरत दिखे। यूक्रेन की सरकार ने कहा कि रूसी टैंक और सैनिक सीमापार करके उसके इलाके में घुस आए और मास्को पर पूर्ण युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया जो भौगोलिक व्यवस्था को फिर से लिखने का प्रयास है तथा जिसका प्रभाव पूरी दुनिया पर दिखने लगा है। यूक्रेन के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा करते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा एवं प्रतिबंधों को नजरंदाज कर दिया और अपने देश के परमाणु हथियारों के संदर्भ में अन्य देशों को चेतावनी दी कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे। रूसी हमले के बीच यूक्रेन की (शेष पेज 9)

रूस के हमले में ध्वस्त यूक्रेन के रडार व अन्य सैन्य साजो सामान

नाटो ने बुलाई आपात बैठक, सुरक्षा बलों की तैनाती को और मजबूत करने पर सहमति जताई

एपी। ब्रसेल्स

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में सैन्य हमले का आदेश दिए जाने के बाद नाटो ने यूक्रेन और रूस के पास स्थित अपने पूर्वी किनारे में अपनी जमीनी, समुद्री बलों और वायुसेना की तैनाती को मजबूत करने पर एक आपातकालीन बैठक में सहमति जताई। नाटो के दूतों ने आपातकालीन वार्ता के बाद जारी एक बयान में कहा, हम गठबंधन के पूर्वी हिस्से में अतिरिक्त रक्षात्मक जमीनी और वायुसेना, साथ ही अतिरिक्त समुद्री परिसंपत्ति तैनात कर रहे हैं। बयान में कहा गया, हमने सभी तरह की आकस्मिक स्थिति का जवाब देने के लिए अपने बलों की तैयारी बढ़ा दी है। संघर्ष के निकटतम देशों-एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया और पोलैंड – ने नाटो की स्थापना संधि के अनुच्छेद 4 के तहत दुर्लभ परामर्श शुरू करने का अनुरोध किया। ऐसी वार्ता तब की जा सकती है जब (नाटो सदस्यों में से किसी की) क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता (शेष पेज 9)

रूस-यूक्रेन संकट से शेयर बाजार धड़ाम, रुपया फिसला, सोने में तेजी

भाषा। नई दिल्ली

रूस के यूक्रेन पर सैन्य हमले से शेयर बाजार और रुपए पर बृहस्पतिवार को प्रतिकूल असर पड़ा। एक तरफ शेयर बाजार में भारी गिरावट आई, वहीं अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 99 पैसे नीचे आ गई। वैश्विक स्तर पर तनाव को देखते हुए निवेशकों ने सुरक्षित विकल्प वाली संपत्तियों में निवेश को तरजीह दी। सोने के साथ कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती रही। कच्चा तेल 105 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया।

एशिया और यूरोप के बाजारों में भी भारी गिरावट रही। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,702.15 अंक यानी 4.72 प्रतिशत का गोता लगाकर 54,529.91 अंक पर बंद हुआ। यह 23 मार्च, 2020 के बाद एक दिन का सबसे बड़ा नुकसान है जबकि अबतक की चौथी सबसे बड़ी गिरावट है। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 815.30 अंक यानी 4.78 प्रतिशत टूटकर 16,247.95 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों को 13.44 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 75.02 पर खुला लेकिन बाद में टूटकर 75.75 पर आ गया।

अंत में घरेलू मुद्रा 99 पैसे टूटकर 76.60 प्रति डॉलर पर बंद हुई। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 8.68 प्रतिशत उछलकर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। दूसरी तरफ, रूस-यूक्रेन संकट गहराने से सुरक्षित निवेश के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाने वाले सोने की कीमत दिल्ली में 1,656 रुपए के जोरदार उछाल के साथ 51,627 प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, रुपए के मूल्य में गिरावट के बीच न्यूयॉर्क स्थित जिंस (शेष पेज 9)

फंसे नागरिकों को निकालने के लिए मिशन मोड में केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने के कारण उत्पन्न स्थिति के बीच भारत, यूक्रेन से अपने नागरिकों को निकालने के लिए आकस्मिक योजना को अंतिम रूप देने में जुटा है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बीच यूरोपीय संघ ने इस गंभीर स्थिति के समाधान में योगदान देने के लिए भारत की ओर रुख किया है। यूक्रेन में करीब 20 हजार भारतीयों के फंसे होने के बीच सामरिक मामलों को देखने वाले सरकार के शीर्ष स्तर पर कई उच्च स्तरीय बैठकें हुई जिसमें भारतीयों की मदद के लिए आकस्मिक योजना को लेकर चर्चा हुई।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में सैन्य अभियान का आदेश देने के बाद रूसी सेना ने मध्य एवं पूर्वी यूक्रेन में कई क्षेत्रों में हमले किए। इसकी अमेरिका एवं सहयोगी देशों ने कड़ी निंदा की। वहीं, नागरिक विमानों के लिए यूक्रेन का वायु क्षेत्र बंद होने के मद्देनजर भारतीयों को खासकर छात्रों को वापस लाने के वैकल्पिक मार्गों को सक्रिय किया जा रहा है। यूक्रेन में भारत के राजदूत पार्थ सत्पथी ने यूक्रेन में भारतीयों के लिए जारी एक संदेश में कहा कि स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण और बहुत अनिश्चित है और यह बहुत चिंता का कारण बन रही है।

● सामरिक मामलों को देखने वाले सरकार के शीर्ष स्तर पर कई उच्च स्तरीय बैठकें हुई

● छात्रों को वापस लाने के लिए वैकल्पिक मार्गों को किया जा रहा सक्रिय

उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय और दूतावास इस कठिन परिस्थिति का समाधान खोजने के लिए मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं कीव से आपसे सम्पर्क कर रहा हूं। राजदूत ने कहा, हवाई क्षेत्र बंद है, रेलवे की समयसारिणी अनिश्चित है और सड़कों पर भीड़भाड़ है।

मैं सभी से शांत रहने और स्थिति का सामना धैर्य के साथ करने का अनुरोध करता हूं। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मामलों एवं सुरक्षा नीति के उच्च प्रतिनिधि जोसेप बोरेल के साथ यूक्रेन में गंभीर स्थिति के बारे में चर्चा की। वहीं, यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने अपने ताजा परामर्श में वहां रहने वाले भारतीयों से कहा है कि यूक्रेन में मार्शल लॉ लगे होने के चलते मौजूदा समय में (शेष पेज 9)

पीएम मोदी ने की पुतिन से बात तत्काल हिंसा रोकने की अपील

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुई स्थिति के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। इस दौरान पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेन से संबंधित हालिया घटनाक्रम से अवगत कराया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान दोहराया कि रूस और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) समूह के बीच मतभेदों को सिर्फ ईमानदार और गंभीर वार्ता से ही सुलझाया जा सकता है।

पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री ने तत्काल हिंसा रोकने की अपील की तथा सभी पक्षों से कूटनीतिक बातचीत और संवाद की राह पर लौटने के ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान पुतिन को यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों, खासकर छात्रों की सुरक्षा से जुड़ी भारत की चिंताओं से भी अवगत कराया। इसके (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री को मजबूत नेता बताकर यूक्रेन ने लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली। युद्ध छिड़ने के बाद संकट ग्रस्त यूक्रेन ने भारत से मदद की गुहार लगाई है। नई दिल्ली में यूक्रेन के राजदूत इगोर पोलिखा ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस के साथ भारत के विशेष संबंध हैं और स्थिति को सामान्य बनाने के लिए वह अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन कुछ गिने-चुने नेताओं में शामिल हैं, जिनकी बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सुनते हैं तथा नई दिल्ली, मास्को के साथ इस निकटता का उपयोग स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कर सकता है। यूक्रेनियन राजदूत ने यह भी कहा कि संकट को लेकर भारत के रुख को यूक्रेन देख रहा है और वह इससे काफी असंतुष्ट है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही रूसी मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और उसने वैश्विक मामलों में स्वतंत्र एवं संतुलित रुख अख्तियार किया है।

समय रहते भारतीयों को यूक्रेन से लाने में नाकाम रहा केंद्रः विपक्ष

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि सरकार युद्धग्रस्त देश से समय रहते अपने नागरिकों को सुरक्षित नहीं निकाल पायी। यह सरकार की रणनीतिक चूक है। सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूक्रेन में फंसी एक भारतीय छात्रा का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया कि यूक्रेन में फंसे 20 हजार से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार को उन्हें वापस लाने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर कहा कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षा हम सबके लिए सर्वोपरि है। मेरा सरकार से निवेदन है कि भारतीय लोगों को वापस लाने के प्रयासों को गति दी जाए और उन्हें शीघ्र व सुरक्षित वापस लाया जाए। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता

● युद्धग्रस्त देश से अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी की रणनीति पर विपक्षी दलों ने उठाए सवाल

रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि संकट के समय मुंह फेर लेना केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की आदत बन गई है। ट्वीट कर उन्होंने कहा कि सरकार अभी चुनाव लड़ने में व्यस्त है और यूक्रेन में फंसे लोगों से कह रही है कि जहां हैं, वहीं रहें।

वहां फंसे लोग भय, आशंका और जीवन पर खतरे की स्थिति से जूझने को मजबूर हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि समय रहते अपने नागरिकों को सकुशल लाने का इंतजाम क्यों नहीं किया गया? क्या यही आत्मनिर्भर मिशन है? यूक्रेन से भारत आने वाले भारतीय नागरिकों से एयर इंडिया द्वारा कथित तौर अधिक किराया वसूले (शेष पेज 9)

यूक्रेन में छात्र बेचैन, मांग रहे मदद

● राज्य सरकारों ने केंद्र से अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी की मांग की उठाई

तसलीम अहमद। नई दिल्ली

सर, मैं यूक्रेन में चौथे वर्ष का मेडिकल छात्र हूं। भारत वापसी का टिकट एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस दे रही हैं, लेकिन इसके लिए रकम वसूल रही हैं। हम मध्यम वर्ग से आते हैं, इतना वहन नहीं कर सकते, हमें फौरन मदद की जरूरत है। युद्धग्रस्त देश में बढ़ते संकट के साथ ट्वीटर ऐसी गुहार लगाती ट्वीट से पट गया। वहां फंसे लोग फोन पर भी अपनों-परिचितों को आपबीती सुना रहे हैं, लेकिन फिलहाल कोई रास्ता नहीं है।

विशेष उड़ान के तहत नागरिकों को लेने जा रहा दूसरा जहाज जब बृहस्पतिवार को बीच रास्ते से वापस लौट आया तो भारत में परिजन और यूक्रेन में छात्र और बेचैन हो उठे। युद्धग्रस्त देश में भारत के लगभग 20,000 छात्र हैं। यूक्रेन में फंसे एक भारतीय विद्यार्थी ने इंदौर में रहने वाले अपने परिजनों को बृहस्पतिवार को आंखों देखा हाल सुनाते हुए बताया कि डर और अफरा-तफरी के माहौल के बीच वहां दुकानों में राशन और एटीएम में नकदी खत्म हो गई है। यूक्रेन के जापोरीज्ज्या चिकित्सा विश्वविद्यालय में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे आशीष चंद्रा (22) ने वीडियो कॉल पर बातचीत के दौरान अपने माता-पिता को यह जानकारी दी। विद्यार्थी (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में यूक्रेन दूतावास में अपने परिजनों के बारे में पूछताछ करने पहुंचे लोग

हरियाणा सरकार ने खोला नियंत्रण कक्ष

मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने बृहस्पतिवार को कहा कि अधिकतर विद्यार्थियों समेत हरियाणा से करीब 2000 लोग यूक्रेन में फंसे हैं और वह इस मुद्दे पर विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं। खट्टर ने यह भी कहा कि विदेश मंत्रालय के अलावा राज्य सरकार ने भी चंडीगढ़ में एक नियंत्रण कक्ष (शेष पेज 9)

छात्रों की आपबीती सुन परिजन परेशान

इंदौर के एक छात्र चंद्रा ने फोन कर अपने परिजनों को बताया कि दुकानों में राशन का स्टॉक खत्म हो गया है। मेरे खाते में रकम है, लेकिन एटीएम में नकदी नहीं बची है और दुकानदार कार्ड से भुगतान स्वीकार नहीं कर रहे हैं। चंद्रा के पिता अमरेश (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	54,529	↓ 2702
निफ्टी	16,247	↓ 815
सोना	51,627	↑ 1656/10g
चांदी	66,267	↑ 2350 /kg

क्विक न्यूज

गंगूबाई काठियावाड़ी की रिलीज का रास्ता साफ

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बॉलीवुड फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए बृहस्पतिवार को उसे खारिज कर दिया। फिल्मकार संजय लीला भंसाली के भंसाली प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज होने वाली है, जिसमें अभिनेत्री आलिया भट्ट अहम भूमिका में नजर आएंगी। न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी की पीठ ने बाबूजी रावजी शाह नामक व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी। बाबूजी रावजी खुद को गंगूबाई का दत्तक पुत्र होने का दावा करता है। उसने फिल्म की रिलीज पर अंतरिम रोक लगाने के लिए बंबई उच्च न्यायालय में भी याचिका दायर की थी, जिसके खारिज होने के बाद उसने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था।

परिवारवादियों ने देश का बहुत नुकसान किया : प्रधानमंत्री

● नेहरू-गांधी परिवार पर प्रधानमंत्री ने साधा निशाना, सपा को भी लपेटा

पायनियर समाचार सेवा। अमेठी, प्रयागराज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिवारवाद की राजनीति पर कड़ा प्रहार करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि घोर परिवारवादियों की सरकार में उनके खानदान के लोग ही मंत्रियों से ऊपर सुपर मिनिस्टर होते हैं और उनकी मर्जी के बगैर एक पत्ता तक नहीं हिलता है।

मोदी ने कभी नेहरू-गांधी परिवार के गढ़ कहे जाने वाले अमेठी में आयोजित चुनावी रैली में वोट बैंक और परिवारवाद की राजनीति पर हमला करते हुए कहा कि दोनों ही तरह की राजनीति ने देश का बहुत नुकसान किया है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर आरोप लगाया, परिवारवाद की राजनीति में पार्टी का अध्यक्ष परिवार का होता है। पार्टी के सभी महत्वपूर्ण पदों पर भी परिवार के लोग ही जमे होते हैं। इन पार्टियों में जो परिवार को समर्पित होता है, उसी को वहां कुछ अवसर मिलता है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि ऐसी पार्टियों के लिए संविधान सर्वोच्च नहीं होता, बल्कि परिवार का सुप्रीमो ही सुप्रीम होता है। उन्होंने कहा, घोर परिवारवादियों ने सरकार चलाने का भी फॉर्मूला (शेष पेज 9)

प्रयागराज में आयोजित जनसभा में लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कोरोना पाबंदियों के दौरान 16.35% बढ़े अपराध

● दिल्ली पुलिस की वार्षिक प्रेस कांफ्रेंस

● वर्ष 2020 में अपराध के 2,38,642 तो 2021 में 2,77,664 केस दर्ज

● पहली बार अपराध करने वालों की संख्या में भी 91 फीसद का इजाफा

अपराध	2019	2020	2021
जघन्य अपराध (आईपीसी)	5,185	5,413	5,740
अन्य अपराध	2,95,900	2,44,911	2,87,563
आईपीसी के कुल अपराध	3,01,085	2,50,324	2,93,303
लोकल व स्पेशल कानून	15,176	15,746	13,086
कुल केस	3,16,261	2,66,070	3,06,389

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना महामारी में लागू हुई पाबंदियों के दौरान पिछले साल राजधानी दिल्ली में अपराध खासी वृद्धि हुई है। इसमें भी पहली बार अपराध करने वालों की संख्या बढ़ी है। पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने गुरुवार को वार्षिक प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश में वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में आपराधिक घटनाओं में 16.35 फीसदी का इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि अपराध दर अधिक दिखने की वजह महामारी के दौरान ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करने की आसान सुविधा देना है।

पुलिस आयुक्त ने अपराध आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2020 में अपराध के 2,38,642 मामले दर्ज किए गए थे जबकि 2021 में 2,77,664 मामले दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक 2021 में जघन्य अपराधों के 5,740 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2020 में ऐसे मामलों की संख्या 5,413 थी। अपराधा आंकड़ों के अनुसार पिछले साल भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं (चोरी, डकैती एवं सेंधमारी) के तहत 2,87,563 मामले, जघन्य अपराध एवं चोरी के 2,93,303 तथा स्थानीय एवं विशेष कानून (हथियार संबंधी अपराध, एनडीपीएस) के तहत 13,086 मामले दर्ज किए गए थे। पुलिस ने कहा कि 2021 में लगभग 70 फीसदी मामले सेंधमारी, डकैती एवं चोरी के थे। वर्ष 2020 में झपटमारी के 7,965 तथा 2021 में 9,383 मामले सामने आए थे, यानी झपटमारी के मामलों में 15 फीसदी का इजाफा हुआ।

झपटमारी के मामलों में गिरफ्तारी भी 13 फीसदी बढ़ी। पुलिस ने कहा कि 2021 में वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध अपराध में नौ फीसदी का इजाफा हुआ और 2021 में 41,113 इस तरह के मामले दर्ज किए गए थे। पुलिस प्रमुख ने कहा कि दिल्ली के बाहरी जिलों में सक्रिय 21 प्रमुख गिरोहों की पुलिस टीमों ने पहचान की और (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 25 फरवरी 2022

800 टन मलबे से ग्रेनो में पहली बार बनेंगी टाइल्स

शहर को स्वच्छ बनाने के लिए प्राधिकरण सीईओ ने की खास तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

ग्रेटर नोएडा का पहला सी एंड डी वेस्ट प्लांट ईकोटेक थ्री में डेढ़ साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसे देखते हुए प्राधिकरण ने सेक्टरों से कंस्ट्रक्शन मलबा उठवाना शुरू करा दिया है। अब तक 35 से अधिक जगहों से निर्माण एवं विध्वंस सामग्री सी एंड डी वेस्ट को उठाकर इकोटेक थ्री में निर्माणाधीन प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचा दिया गया है। इस सी एंड डी वेस्ट प्लांट से मलबे को प्रोसेस कर टाइल्स आदि बनाई जाएगी, जिसका इस्तेमाल निर्माण कार्यों में हो सकेगा। ग्रेटर नोएडा में अभी तक सी एंड डी वेस्ट प्लांट नहीं बना था।

प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा का पहला सी एंड डी वेस्ट प्लांट सेक्टर ईकोटेक थ्री में बनवाने का निर्णय लिया। बीते दिसंबर माह से इस पर काम शुरू हो चुका है। यह लगभग 18 माह में बनकर तैयार हो जाएगा। यह पीपीपी मॉडल पर बन रहा है। इस प्लांट से निकलने वाले मलबे को यहां प्रोसेस किया जाएगा। इस वेस्ट से टाइल्स आदि बनेगी। इस मलबे से लोहे को अलग करके रीसाइकिल किया जाएगा, जबकि डस्ट का इस्तेमाल गड्ढों को भरने व रोड निर्माण में किया जाएगा। इस प्लांट की क्षमता 100 टन मलबा प्रतिदिन प्रोसेस करने का है। इस प्लांट को लगा रही कंपनी राइज इलेवन प्रति टन के हिसाब से 407 रुपये शुल्क लेगी। यह कंपनी दिल्ली के बुराड़ी में सी एंड डी वेस्ट प्लांट पहले से चला रही है।

वहीं, ग्रेटर नोएडा के अब तक 35 से अधिक सेक्टरों से 800 टन से अधिक मलबा उठाकर प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचाया जा चुका है। प्रोसेसिंग प्लांट बना रही कंपनी इस मलबे को उठा रही है। यह मलबा बहुत पहले से एकत्रित हो रखा है। छह माह में पूरे शहर के कंस्ट्रक्शन मलबे को प्रोसेसिंग प्लांट की साइट तक पहुंचाने का लक्ष्य है। अब तक प्रोसेसिंग प्लांट न होने की वजह से यह इधर-उधर फेंका जाता रहा है। सेक्टरों के आसपास एकत्रित मलबे के उठ जाने से वहां साफ-सफाई भी हो गई है। इससे ग्रेटर नोएडा और स्वच्छ हो रहा है। सी एंड डी वेस्ट को एकत्रित करने के लिए ग्रेटर नोएडा में 10 जगह कलेक्शन सेंटर बनने हैं। इनमें से सात जगहों पर कलेक्शन सेंटर बन गए हैं। इनमें सेक्टर 10, सेक्टर एक, सिग्मा टू, बीटा वन, डेल्टा थ्री, नॉलेज पार्क थ्री व इकोटेक 12 शामिल हैं। तीन कलेक्शन सेंटर और बनने हैं। ये तीन सेंटर सेक्टर दो, ओमीक्रॉन वन और अल्फा वन शामिल हैं।

नोएडावासियों से सहयोग की अपील

'ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने बताया कि तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा में सी एंड डी वेस्ट भी काफी मात्रा में निकल रहा है। प्लांट न होने से प्रोसेस नहीं हो पा रहा था। इसके लिए सी एंड डी वेस्ट प्लांट बनवाना जरूरी है। इस प्लांट के बन जाने से मलबे को प्रोसेस करके टाइल्स आदि बनाई जा सकेगी। इससे ग्रेटर नोएडा को भी और स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी। सीईओ ने ग्रेटर नोएडावासियों से शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग की अपील की है।'

रूस-यूक्रेन तनाव से नोएडा के उद्यमियों पर पड़ा गहरा असर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- कारोबारियों को 90 दिनों में हुआ 5 हजार करोड़ का नुकसान

रूस-यूक्रेन के बीच शुरू युद्ध के कारण अब नोएडा के कारोबारियों पर गहरा असर पड़ने लगा है। नोएडा के कारोबारियों का दावा है कि रूस और यूक्रेन के बीच तनाव का माहौल पैदा होने के कारण पिछले 3 महीनों में 5 हजार करोड़ से अधिक के निर्यात में कमी आई है। ऐसे में कारोबारियों को आर्थिक नुकसान में भारी क्षति होने की आशंका जाहिर हो रही है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कारोबारियों का रूस और यूक्रेन से सालाना करीब 40 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होता है। जिले में स्थित 12 हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयां रूस और यूक्रेन से माल आयात-निर्यात करती हैं, लेकिन पिछले 3 महीनों के दौरान औद्योगिक इकाइयों को काफी नुकसान हुआ है। काफी तेजी के साथ आयात-निर्यात में गिरावट आती जा रही है। ऐसे में कपड़ों का कारोबार करने वालों को ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। औद्योगिक संगठनों का दावा है कि एक साल के दौरान रूस में करीब 3 हजार करोड़ रुपए का कपड़ा निर्यात होता था, लेकिन जब से स्थिति सामान्य नहीं है तब से लगातार कारोबार में गिरावट आती जा रही है। इस समय रूस और यूक्रेन में सामान का निर्यात काफी कम हो गया है।

नोएडा के एक बड़े उद्योगपति ने बताया कि पिछले 3 महीने के दौरान रूस और यूक्रेन के अलावा यूरोप के अन्य देशों से भी माल के आर्डर काफी कम आने लगे हैं। इसके कारण आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। ऐसे में उद्योगपतियों को लगातार डर लग रहा है।

परंपरागत कोर्स की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू

गाजियाबाद। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की परंपरागत कोर्स की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू हो गई हैं। जनपद में विद्यार्थियों ने 14 केंद्रों पर विषम सेमेस्टर की परीक्षा दी। किसी भी केंद्र पर नकल की शिकायत नहीं मिली।

गुरुवार से शुरू हुई परीक्षाएं दो पालियों में हुई। पहली पाली के पेपर सुबह 10 से 11.30 बजे व दूसरी पाली के पेपर दोपहर 1 से 2.30 बजे के बीच हुए। सभी परीक्षा केंद्रों पर कोविड गाइडलाइन का पालन किया गया। जिले के स्कूलों में भी गुरुवार से वार्षिक परीक्षाओं का आगाज हुआ। फि लहाल कक्षा 9वीं और 11वीं की परीक्षा शुरू हुई है। छोटी कक्षाओं के पेपर 28 फरवरी से शुरू होंगे। बोर्ड परीक्षा से पहले सभी स्कूलों को गृह वार्षिक परीक्षा कराने को कहा गया है। इसके बाद स्कूलों ने अपने हिसाब से परीक्षा कार्यक्रम तैयार कर बच्चों की परीक्षा लेनी शुरू कर दी है।

पैसा नहीं देने पर बिल्डर का दफ्तर प्रशासन ने किया सील

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- अधिकारियों ने बैंक अकाउंट भी कराया सीज

फ्लैट खरीदारों का पैसा लेने के बाद उनको बिल्डरों ने ना तो फ्लैट दिया और ना ही उनकी रकम वापस लौटा रहे हैं। अब ऐसे बिल्डरों पर यूपी रेरा और गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को जिला प्रशासन ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित एक बिल्डर के दफ्तर को सीज कर दिया है। इस बिल्डर के ऊपर 1.68 करोड़ रुपए बकाया है। बिल्डर के खिलाफ आरसी जारी किया गया था, लेकिन उसके बावजूद भी बिल्डर ने पैसा जमा नहीं किया। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित एलिगेंट इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड बिल्डर के कार्यालय को सील किया गया है। इस बिल्डर पर 1.68 करोड़ रुपए बकाया थे। इसके लिए यूपी रेरा की तरफ से बिल्डर को आरसी भी जारी की गई थी, लेकिन उसके बावजूद भी पैसे जमा नहीं किया गया। जिला प्रशासन ने पैसा नहीं देने पर बिल्डर के तीन यूनिट को कुर्क कर लिया था, लेकिन अभी तक उनकी नीलामी नहीं हो सकी है।

एसडीएम ने बताया कि बिल्डर के 3 यूनिट कुर्क होने के बावजूद भी संपत्ति की नीलामी नहीं हो सकी, जिसके बाद बुधवार को जिला प्रशासन की टीम ने एलिगेंट इंफ्राकॉन बिल्डर के ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित कार्यालय को सील कर दिया है। इसके अलावा बिल्डर के एक बैंक अकाउंट को भी सीज कर दिया गया है। खाते में करीब 16 लाख रुपए जमा है। जिला प्रशासन द्वारा बिल्डर के बाकी खातों की भी जांच की जा रही है।

बिल्डर के कार्यालय से 40 लाख लेकर अकाउंटेंट फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर के सेक्टर-63 स्थित एक बिल्डर के कार्यालय से उसका अकाउंटेंट कथित तौर पर धोखाधड़ी करके 40 लाख रुपए लेकर फरार हो गया है। घटना की शिकायत पर मिलने पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि नोएडा सेक्टर-63 के जी- ब्लॉक में डीआर बिल्डर स्टेट प्राइवेट लिमिटेड है। उन्होंने बताया कि इसके मालिक देवेंद्र कुमार ने पुलिस से शिकायत की है कि उनका अकाउंटेंट राजेश कुमार एक सप्ताह पहले कंपनी से 40 लाख रुपया लेकर फरार हो गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी राजेश गाजियाबाद के लाल कुआं में रहता था। उन्होंने बताया कि जब पुलिस उसके घर पर पहुंची तो वह परिवार सहित लापता मिला। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वहीं, नोएडा सेक्टर-39 की सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति को इंस्टाग्राम पर आईफोन खरीदने का झांसा देकर कुछ अज्ञात बदमाशों ने उससे 3.34 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

कार में लगी आग की घटना के बाद मौके पर खड़ी लोगों की भीड़।

सड़क पर चलती गाड़ी बनी आग का गोला

नोएडा। शहर के सेक्टर-93 में सड़क पर चलती सेंट्रो कार में अचानक आग लग गई। बीच सड़क पर सेंट्रो गाड़ी आग का गोला बन गई। जिसके बाद वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

हादसे की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन दुर्घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी के पहुंचने से पहले ही सेंट्रो गाड़ी पूरी तरीके से जलकर राख हो गई थी। गनीमत यह रही ही इस हादसे में कोई भी जनहानि नहीं हुई। आपको बता दें कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में इन दिनों काफी ज्यादा संख्या में गाड़ियों में आग लगने के मामले बढ़ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों को मिलेगा निशुल्क इलाज

गाजियाबाद। विजय नगर स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में बुधवार को वर्ल्ड रोटरी डे धूमधाम से मनाया गया। रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन एंड आरएचएम रहम फाउंडेशन ने मेरा स्वास्थ्य मेरा हाथ स्लोगन नारे के साथ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके तहत कॉलेज परिसर में आरएचएम मेडिकल क्लीनिक बनाया गया। जिसमें स्कूल में पढ़ने वाली करीब तीन हजार से ज्यादा छात्राओं को स्कूल टाइम में निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी। यहां पर बच्चों को दवाई देने के लिए सप्ताह में एक दिन चिकित्सक अपनी सेवाएं देगा। बतौर मुख्य अतिथि अशोक अग्रवाल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2021-22 ने फीता काटकर आरएचएम मेडिकल क्लीनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने बेटियों के स्वास्थ्य को देखते हुए रोटरी क्लब व आरएचएम फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना हर नागरिक का दायित्व है। आरएचएम मेडिकल क्लीनिक की शुरुआत होने से कॉलेज परिसर में छात्रों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

जिले में आज मुख्य सचिव का दौरा

नोएडा। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र आज गौतमबुद्धनगर जिले के दौरे पर रहेंगे। वह दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे के बीच नोएडा और ग्रेनो के कई स्थानों पर पहुंचेंगे। वह जिम्स में आयोजित कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। माना जा रहा है कि मुख्य सचिव जिले के प्रशासनिक अधिकारियों और तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ भी बैठक कर, महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों को लेकर बैठक कर सकते हैं।

अपरैल पार्क में औद्योगिक इकाइयों के निर्माण का रास्ता साफ

अगले दो महीने में रजिस्ट्री के बाद शुरू होगा निर्माण कार्य, प्रोजेक्ट में 3 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना प्राधिकरण के अपैरल पार्क में 37 औद्योगिक इकाइयों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। प्राधिकरण ने इन भूखंडों का लीज प्लान जारी कर दिया। अगले दो महीने में रजिस्ट्री के बाद उनका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इससे यहां 3 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

यमुना प्राधिकरण सेक्टर 29 में अपैरल पार्क विकसित कर रहा है। इसमें करीब 100 भूखंड आवंटित किए गए हैं। यमुना प्राधिकरण ने मंगलवार को 29 भूखंडों का लीज प्लान जारी कर दिया। इसके पहले 8 भूखंडों का लीज प्लान जारी किया जा चुका है। अब आवंटी इन भूखंडों की रजिस्ट्री करा सकेंगे। रजिस्ट्री के बाद जैसे ही प्राधिकरण कब्जा देगा, वहां पर औद्योगिक इकाइयों का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बहुत संभव है कि अगले 2 महीनों में यहां औद्योगिक इकाइयों का निर्माण शुरू हो जाए।

यमुना प्राधिकरण में सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर के चेयरमैन ललित ठकराल को लीज प्लान का पत्र सौंप दिया। अपैरल पार्क में 4,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश का अनुमान है। यहां पर 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। शुरुआत में करीब 3 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें 70 प्रतिशत महिलाएं होंगी। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकेंगी। परिवार की भी आर्थिक स्थिति सुधार करने में सहयोग करेंगी।

नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर के चेयरमैन ललित ठकराल के मुताबिक, आसपास के गांव की महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वह अपैरल पार्क में नौकरी कर सकें। इसके अलावा महिलाओं को कार्यस्थल तक लाने और छोड़ने के लिए बसों का इंतजाम किया जाएगा ताकि उन्हें आने-जाने में दिक्कत ना हो।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुण सिंह ने बताया कि अपैरल पार्क के 37 भूखंडों का लीज प्लान जारी कर दिया गया है। रजिस्ट्री होने के बाद आवंटियों को कब्जा दे दिया जाएगा। अपैरल पार्क में सीवर लाइन का काम पूरा हो चुका है। स्ट्रीट लाइट लगाने का काम भी जल्द शुरू होगा। सेक्टर के सारे विकास कार्य जल्द पूरे कर लिए जाएंगे।

कोरोना वैक्सीन लगाने के नाम पर बुजुर्ग से ठगे एक लाख

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ठगों ने एक बुजुर्ग को कोरोना वैक्सीन लगवाने का झांसा देकर उनसे 99 हजार 682 रुपए ठग लिए। इस संबंध में पीड़ित ने सेक्टर 24 थाने में केस दर्ज कराया है।

सेक्टर 52 निवासी 75 वर्षीय अशोक मांगलिक ने बताया कि उन्होंने कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए इंटरनेट पर सर्च किया था। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी सर्च किया। इसके कुछ दिन बाद एक व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर कॉल की। आरोपी ने कहा कि वह उन्हें घर बैठे ही कोरोना की वैक्सीन लगवा देगा। आरोपी ने कहा कि वैक्सीन लगवाने के लिए उन्हें मोबाइल पर एक एप डाउनलोड करनी होगी।

आरोपी की बात सुनने के बाद पीड़ित उसके झांसे में आ गए। उन्होंने अपने मोबाइल पर आरोपी द्वारा बताई गई एप डाउनलोड कर ली। जैसे ही पीड़ित ने एप डाउनलोड की तो उनका मोबाइल हैक हो गया। इसी बीच ठगों ने उनके बैंक खाते से 99682 रुपये निकाल लिए।

चलती कार में घुस गई नीलगाय, मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

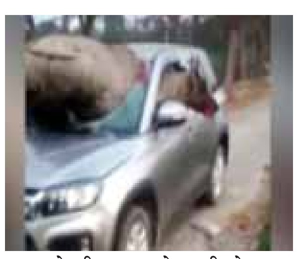

- सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

सोशल मीडिया पर नीलगाय का एक खौफनाक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में नीलगाय चलती गाड़ी पर चढ़कर शीशा तोड़ते हुए वाहन के भीतर घुस गई। कार में फंसने से यह जानवर लहूलुहान हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार चालक मामूली रूप से घायल हो गया।

इस पूरी घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से नीलगाय को गाड़ी से बाहर निकाला। यह पूरी घटना हापुड़ कोतवाली इलाके के झिंझाना गांव के पास की है।

दरअसल, बुधवार की देर शाम को मेरठ के असीलपुर गांव निवासी फुरकान अहमद अपनी गाड़ी से सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान झिंझाना गांव के पास फुरकान अहमद की गाड़ी में तेजी से एक नीलगाय ने टक्कर मार दी। नीलगाय गाड़ी में टक्कर मारते हुए आगे के शीशे से अंदर घुसी। नीलगाय बुरी तरीके से गाड़ी में फंस गई। इस हादसे में गाड़ी चालक को भी मामूली चोट आई है, लेकिन नीलगाय को काफी गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि नीलगाय की गति काफी तेज थी।

बीच सड़क सवारी उतारने पर कार्रवाई

नोएडा। शुक्रवार को यातायात पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर ऑटो चालकों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इसमें बीच सड़क पर वाहन रोककर सवारियों को बैठाने व उतारने वाले ऑटो चालकों के चालान कर जुर्माना वसूला गया।

बता दें कि आए दिन बीच सड़क पर वाहनों को रोककर ऑटो चालक सवारियों को इंतजार करते हैं साथ ही चालकों द्वारा कहीं भी वाहन रोककर उन्हें उतार दिया जाता है। इससे ट्रैफिक जाम तो होता ही है साथ ही चालकों के ऐसा करने से दुर्घटना होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

सेक्टर-62 फोर्टिस तिराहे पर बीच सड़क पर ऑटो से सवारी उतारने वाले चालक के खिलाफ कार्रवाई करते यातायात पुलिस के जवान।

कार ने दो लोगों को टक्कर मारी

नोएडा। जिले में एक कार की चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। फेज-तीन थाने के सहायक पुलिस आयुक्त अब्दुल कादिर ने बताया कि मंगलवार की देर रात दो युवक कार से ट्रांसपोर्ट नगर के गेट नंबर-3 के सामने वाली सड़क पर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि कार चालक ने गेट के पास खड़े दो ट्रक चालकों को टक्कर मार दी।

कादिर ने बताया कि इस घटना में सत्येंद्र और शैलेंद्र नामक दो ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोग उग्र हो गए और कार सवार आर्यन तिवारी और नागेश को जमकर पिटाई की।

एमएमजी अस्पताल में नहीं है दूरबीन से ऑपरेशन की सुविधा

छोटी सर्जरी के लिए कर रहे बड़ा ऑपरेशन, प्राइवेट हास्पिटल जाने को मरीज हैं मजबूर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल में आज भी पुरानी विधि से ऑपरेशन किए जा रहे हैं, क्योंकि अस्पताल में दूरबीन ही नहीं है। आलम यह है कि छोटी सर्जरी के लिए बड़ा ऑपरेशन किया जा रहा है। इससे मरीज को कई दिनों तक घाव सुखाने के लिए बेड पर रहना पड़ता है। अधिकांश लोग मजबूरी में प्राइवेट अस्पतालों में ऑपरेशन कराने के लिए जाते हैं जहां छोटे ऑपरेशन में भी लोगों को 25 से 30 हजार रुपये खर्च करने पड़ते हैं। एमएमजी अस्पताल में प्रतिदिन 8 से 10 ऑपरेशन किए जाते हैं।

66 साल से संचालित एमएमजी अस्पताल का भवन जर्जर हो चुका है, लेकिन आज तक अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए सुविधाएं पुराने जमाने वाली ही हैं। अगर किसी हादसे में घायल के हाथ या पैर की हड्डी में फ्रैक्चर होने पर इंप्लांट डलाने की जरूरत पड़ती है तो तीमारदारों को खरीदकर लाना पड़ता है। एमएमजी अस्पताल में सिर्फ सामान्य ऑपरेशन ही किए जाते हैं। इसमें पित्त की थैली में पथरी, पाइल्स, अपेंडिक्स, हार्निया और मोतियाबिंद के अलावा हड्डी के ऑपरेशन किए जाते हैं। अस्पताल में गुर्दे की पथरी का भी ऑपरेशन नहीं होता है, क्योंकि अस्पताल में नेफ्रोलॉजिस्ट नहीं हैं। ऑपरेशन भी दोपहर तक ही होते हैं। अगर किसी दुर्घटना में कोई घायल दोपहर दो बजे के बाद पहुंचता है तो उसका ऑपरेशन दूसरे या तीसरे दिन ही हो पाता है। अगर किसी मरीज को ऑपरेशन कराना हो तो उसे डायबिटीज, एचआईवी, हेपेटाइटिस, हृदय की धड़कन और कोरोना की आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट मिलने के बाद डॉक्टर ऑपरेशन की तारीख देते हैं।

आईएमए प्रवक्ता डॉ नवनीत वर्मा का कहना है कि दूरबीन विधि से ऑपरेशन कराने पर तीसरे दिन मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। इसमें बहुत पतली दूरबीन व बहुत ही महीन छेद के माध्यम से पथरी निकाली जाती है। सामान्य तरीके से ऑपरेशन करने पर बड़ा चीरा लगाया जाता है, पांच से सात टांके लगाने पड़ते हैं। इस कारण से मरीजों को छह से सात दिन तक अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। इसके अलावा दूरबीन विधि से ऑपरेशन कराने वाले मरीज जल्द ही स्वस्थ हो जाते हैं, वहीं सामान्य विधि से ऑपरेशन कराने पर 30 से 35 दिन तक एहतियात बरतना पड़ता है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ मुकेश चतुर्वेदी का कहना है कि अस्पताल में नेफ्रोलॉजिस्ट नहीं हैं, इसलिए गुर्दे की पथरी का ऑपरेशन नहीं हो पाता है। अस्पताल में दूरबीन विधि से ऑपरेशन शुरू कराने के लिए सीएमओ और शासन को पत्र लिखा गया है। वहीं सीएमओ डॉ भवतोष शंखधार का कहना है कि सीएमएस ने डिमांड लेटर मांगा गया था, जल्द ही अस्पताल को दूरबीन उपलब्ध कराई जाएगी, इसके बाद मरीजों को सुविधा मिलने लगेगी।

मासूम को कुचलने वाले कार चालक को पुलिस ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- प्रापर्टी डीलिंग का काम करता है आरोपी

कोतवाली क्षेत्र में बीते बृहस्पतिवार को ट्यूशन पढ़कर मां के साथ लौट रहे तीन साल के मासूम को एक्सयूवी सवार चालक कुचलकर फरार हो गया था। मासूम की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई थी।

इस मामले में बुधवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपित चालक को दबोच लिया। आरोपित चालक की पहचान दिल्ली निवासी अजय सिंह के रूप में हुई है। प्रापर्टी डीलिंग का काम करने वाला अजय घटना वाले दिन सेक्टर-20 में रहने वाली अपनी मौसी से मिलने जा रहा था। इसी दौरान मासूम कार की चपेट में आ गया। सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में मासूम के चाचा परमानंद ने बताया था कि कोतवाली क्षेत्र निवासी तीन वर्षीय आदित्य बृहस्पतिवार शाम को छह बजे के करीब ट्यूशन पढ़ने के बाद मां के साथ घर लौट रहा था।

इसी दौरान सी ब्लाक स्थित सर्विस रोड पर एक एक्सयूवी चालक ने आदित्य को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना। फोटो: रंजन डिमरी

आने वाली चुनौतियों से निपटने का रोड मैप तैयार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● कार्य योजना 2024 और दशकीय योजना 2030 पर जल्द शुरू होगा काम

आजादी के 75 साल पूरे होने पर अमृत महोत्सव के साथ दिल्ली पुलिस अपने स्थापना के प्लेटिनम जुबली का जश्न मना रही है। साथ ही भविष्य की चुनौति से निपटने के लिए रोड मैप भी तैयार किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर उसने सभी स्तरों पर गहन विचार-मंथन के बद कार्य योजना 2024 और दशकीय योजना 2030 को तैयार किया है। आने वाले दिनों में इस योजना को धरातल पर उतारा जाएगा।

पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने बताया कि जमीनी स्तर पर श्रमशक्ति की कमी को पूरा करने के लिए भर्ती प्रक्रिया लगातार जारी है। इस वर्ष सिपाही (कार्यकारी)पुरुष/महिला 4396, सिपाही (ड्राइवर) पुरुष 1411, प्रधान सिपाही पुरुष/महिला 809 प्रधान सिपाही (एडबल्यूओ/टीपीओ) पुलिस/महिला 857 और एमटीएस (सिविलियन)- 777 सहित 8475 पदों पर भर्ती के लिए एसएससी और दिल्ली पुलिस के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पीई-एमटी के दौरान 67740 उम्मीदवारों के लिए आरएफआईडी और वेबटूल डेटा सिस्टम का उपयोग पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

कर्मियों के स्थानांतरण और तैनाती संबंधी मुद्दों की सुनवाई के लिए जिलों और इकाइयों के पुलिस उपायुक्त द्वारा हर महीने ओपन हाउस आयोजित करने की एक व्यवस्था शुरू की गई थी। इसके साथ महिला पुलिस अधिकारियों को अवसर देते हुए दिल्ली पुलिस क इतिहास में पहली बार 11 महिला थाना प्रभारी को पुलिस थानों, महिला अपराध शाखा नानकपुरा, दरियागंज, बदरपुर, दिल्ली कैंट, आरके पुरम, हौजखास, डिफेंस कॉलोनी, विवेक विहार, ई-पुलिस स्टेशन क्राइम और विकास पुरी में तैनात किया गया है। छह महिला आईपीएस अधिकारी भी अब जिलों में पुलिस उपायुक्त और 10 महिला अधिकारी एसडीपीओ के रूप में कार्य कर रही हैं।

कानून व्यवस्था और जांच कार्य का पृथक्करण

पुलिस थाने के स्तर पर कानून और व्यवस्था तथा अपराधिम मामलों की जांच के लिए अलग-अलग अधिकारियों को तैनात किया गया है। पीसीआर को जिलों के साथ एकीकृत किया गया था और 5983 पुलिस कर्मियों को स्थानांतरित किया गया था तथा जांच को अलग करने के लिए थानों में पुलिस कर्मियों की क्षमता को बढ़ाया जाए।

2277 शिकायतों का निपटारा

आर्थिक अपराध शाखा वित्तीय धोखाधड़ी संबंधी जांच में दिल्ली पुलिस की प्रमुख इकाई के रूप में आर्थिक अपराधों के बढ़ते खतरे का मुकाबला करने के लिए रोकथाम और अपराधियों पर प्रभावी और शीघ्र मुकदमा चलाने में अपनी स्वयं की पेशेवर तैयारियों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2021 में दौरान ईओडब्ल्यू ने 2277 शिकायतों का निपटारा किया और 1189 मांमलों की जांच की। इनमें से 2457 शिकायतों का निपटारा किया गया। 295 मामलों को अंतिम रूप दिया गया। कुल 841 आरटीआई आवेदन और अपील प्राप्त हुई, जिनमें 794 का निपटारा कर दिया गया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान ईओडब्ल्यू ने विभिन्न सफेदपोश अपराधों में शामिल 246 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

2021 में जोड़ी गई नई सुविधाएं

नई दिल्ली। मोबाइल पेट्रोल वाहनों (पीसीआर) को अब आपराधिक खोज, चोरी के वाहन और एफआरएस (चेहरे की पहचान प्रणाली) जैसी सुविधाओं की ई-बीटबुक सुविधाओं के साथ मुहैया कराया गया है।

ईआरएसएस-112 ऐप। ई-बीटबुक में जोड़ा गया है और अब इसे संकटकालीन कॉलर को जवाब देने के लिए फील्ड इमरजेंसी रिस्पांस यूनिट के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। सहायक आयुक्त पुलिस, उपायुक्त पुलिस, संयुक्त आयुक्त पुलिस एंव विशेष आयुक्त पुलिस स्तर के कार्यों की निगरानी को और अधिक सार्थक बनाने के लिए डैशबोर्ड की शुरुआत की गई।

कॉल सेंटरों के मानचित्र के लिए नया प्रारूप मापांक शुरु किया गया बीट स्टाफ द्वारा अपने क्षेत्रों में अपराध के हॉट स्पॉट की निगरानी के लिए ई-बीटबुक के मानचित्र डैशबोर्ड का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है।

दिल्ली के लोगों में बढ़ रहा गुस्सा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

क्या दिल्ली वालों का सब्र और सहनशीलता घटने लगी है और गुस्सा बढ़ने लगा है। अब छोटी सी बात भी मरने मारने तक पहुंच जाती है, वर्षों की दोस्ती कब रंजिश में और साजिश में बदल जाए यह कहना थोड़ा मुश्किल है। इस बात की तस्दीक दिल्ली पुलिस द्वारा जारी वार्षिक अपराध आंकड़ों से होती है। वर्ष 2020 में अचानक गुस्से के चलते 21 फीसदी हत्याएं हुई थीं तो वहीं वर्ष 2021 में यह बढ़कर 30 फीसदी हो गईद्ध रंजिश के चलते होने वाली हत्याओं में बीते वर्ष कमी आई हैद्ध वर्ष 2020 में जहां रंजिश के चलते 44 फीसदी हत्याएं हुई थीं तो वहीं वर्ष 2021 में इस कारण से 36 फीसदी हत्याओं को अंजाम दिया गया है। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में हत्या के मामलों में मामूली कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2020 में जहां 447 हत्याएं हुई थीं तो वर्ष 2021 में हत्या की 435 वारदातों को अंजाम दिया गया। इनमें से 93 फीसदी मामलों को पुलिस ने सुलझाया है। तीन फीसदी मामले शव के अज्ञात रहने की वजह से नहीं सुलझाए जा सके। सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा अचानक गुस्से में की गई हत्या का है। वर्ष 2021 में दुश्मनी के चलते हत्या के मामलों में कमी आई है लेकिन अचानक गुस्से में आकर की गई हत्या के मामलों में नौ फीसदी का इजाफा हुआ है।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में इजाफा

वर्ष 2021 में रेप के 21.69 फीसदी, उत्पीड़न के 17.51 फीसदी और छेड़खानी के 2.43 फीसदी बढ़े

संजय राय। नई दिल्ली

महिलाओं की सुरक्षा दिल्ली पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शुमार है। महिलाओं को सुरक्षित माहौल मुहैया कराने के मकसद से रात्रि गश्त, मोबाइल महिला टीम, पीसीआर वैन में महिलाऔ की मौजूदगी और लड़कियों के स्कूल, कॉलेज के आसपास पुलिस कर्मियों की तैनाती जैसे उपाए गए हैं।

छेड़खानी करने वालों के खिलाफ अभियान भी चलाए जाते हैं। बावजूद इसके रेप, उत्पीड़न और छेड़खानी के मामले बढ़े हैं। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, सही और निष्पक्ष पंजीकरण के चलते बलात्कार के मामलों में 21.69 प्रतिशत, उत्पीड़न के केस में 17.51 फीसदी और छोड़खानी के मामलों में 2.43 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पुलिस का दावा है कि हर पुलिस थानों में अब संज्ञेय अपराधों का खुलासा करने वाली सभी शिकायतों में आपराधिक मामले दर्ज करता है। इस उद्देश्य से किया गया कोई भी अपराध, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ जरूर दर्ज किया जाता है।

पिछले साल रेप के करीब 98.78 फीसदी मामलों में आरोपी पीड़िता के परिचित थे। लगभग 1.22 फीसदी मामलों में अजनबी व्यक्ति शामिल थे। पुलिस का कहना है कि निजी और सरकारी एजेंसियों को शहर में अंधेरे स्थलों के बारे में जानकारी देने तथा बीपीओ को निर्देश देने से कि वे अपनी महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, जब वे अपने घर लौट रही हों। उनके खिलाफ अपराध रोकने में मदद मिली है। हर जिले द्वारा य ा ै न उत्पीड़न के मामलों में कथित अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर जोर देने के कारण बलात्कार के मामलों को सुलझाने की दर 95.48 प्रतिशत, छेड़छाड़ 90.98 फीसदी और उत्पीड़न के 85.75 प्रतिशत दर्ज किया गया। ऐसे मामलों में करीब 60 फीसदी आरोपी एक सप्ताह के भीतर ही गिरफ्तार हो जाते हैं।

झपटमारी

वर्ष 2020 में झपटमारी के 7503 मामलों की तुलना में वर्ष 2021 के दौरान 8844 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 4878 (55.16 प्रतिशत) केसों को 6993 व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ सुलझाया गया। कुल गिरफ्तार अपराधियों में से लगभग 89.06 प्रतिशत पहली बार वारदात करने वाले थे। उनमें से 40.64त्न निरक्षर या स्कूल छोड़ने वाले थे। झपटमारी के मामलों के हॉट स्पॉट की भी पहचान की गई है और उसके अनुसार पुलिस तैनाती की गई है।

वाहन चोरी की घटनाएं बढ़ी

वर्ष 2021 में कुल 36177 वाहन चोरी के मामले सामने आए थे जबकि 2020 में कुल 33128 मामले दर्ज किए गए थे। चोरी किए गए वाहनों में 26432 (73.06 प्रतिशत) दोपहिया, 6441 (17.80 प्रतिशत) कार और 3304 (9.13 प्रतिशत) अन्य वाहन थे। कुल 4431 (12.25 प्रतिशत) चोरी के वाहन बरामद किए गए और 5717 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया जबकि वर्ष 2020 में 3922 वाहन बरामद किए गए और 4888 वाहन चोरों को पकड़ा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार वाहन चोरी के मुख्य कारण इनकी बढ़ती संख्या, सड़कों के किनारे ऐसे ही खड़ा कर देना और अपर्याप्त पार्किंग की समस्या है। इसके अलावा वाहन मालिकों द्वारा अपने वाहनों में सुरक्षा उपकरणों को नहीं लगाना, हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट ना लगवाना प्रमुख कारणों में से एक है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 25 फरवरी, 2022

सरकार ने नई फिल्म नीति को दी मंजूरी

फिल्म प्रोडक्शन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मिलेगी सब्सिडी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने शहर को शूटिंग और अन्य प्रोडक्शन गतिविधियों के केंद्र के तौर पर बढ़ावा देने के लिए गुरूवार को दिल्ली फिल्म नीति, 2022 को मंजूरी दी है। इसके तहत तीन करोड़ रुपए तक की सब्सिडी देने और अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की मेजबानी करने की बात कही गई है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली में 20 एकड़ भूमि पर देश का पहला ई-कचरा प्रबंधन पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि नई फिल्म नीति पर्यटन क्षेत्र व अर्थव्यवस्था के विकास और रोजगार सृजन पर केंद्रित होगी। सिसोदिया ने कहा कि नीति के तहत, फिल्म निर्माण से संबंधित विभिन्न अनुमतियों के लिए 25 से अधिक एजेंसियों के लिए 15 दिन में एक सिंगल-विंडो ई-फिल्म मंजूरी पोर्टल तैयार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सब्सिडी के जरिए प्रोड्यूसर्स को सपोर्ट करने के लिए 50 करोड़ रुपए का फिल्म फंड भी बनाया जाएगा। साथ ही, दिल्ली फिल्म कार्ड जारी किए जाएंगे और इसके धारकों को अतिरिक्त लाभ व छूट मिलेगी।

सिसोदिया ने कहा, यह एक अत्यंत प्रगतिशील नीति है जिसका उद्देश्य न केवल फिल्म का प्रचार बल्कि समावेशी विकास और रोजगार सृजन भी होगा। उन्होंने कहा कि इस नीति के जरिए दिल्ली वालों को दिल्ली से जोड़ने, शूटिंग स्थल के तौर पर दिल्ली के प्रचार, फिल्म, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने व रोजगार सृजन की कोशिश की जाएगी। सिसोदिया ने कहा कि नीति विभिन्न पहलुओं के आधार पर तीन करोड़ रुपए की रियायत दी जाएगी।

हवाई अड्डे पर कारतूस बरामद, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने दिल्ली हवाई अड्डे पर एक यात्री को अपने सामान में रखकर दो कारतूस ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरूवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बुधवार की देर रात इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर सुरक्षा जांच के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका। उन्होंने बताया कि यात्री को मुंबई के लिए एक उड़ान में सवार होना था।

उन्होंने कहा कि क्योंकि यात्री 7.65 मिमी कैलिबर की गोलियां ले जाने के लिए कोई वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका, इसलिए उसे जांच के लिए दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया। दिल्ली हवाई अड्डे की सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ के पास है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंगनबाड़ी कर्मियों का वेतन बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- नया मानदेय क्रमशः 12720 और 6810 रुपए किया

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स के मानदेय में बढ़ोतरी की है। महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि आंगनवाड़ी वर्कर का मानदेय 9678 रुपए से बढ़ाकर 12720 रुपए और आंगनवाड़ी हेल्पर का मानदेय 4839 रुपए से बढ़ाकर 6810 रुपए किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली देश में सबसे ज्यादा मानदेय देने वाला राज्य बन गया है।

दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने गुरूवार को प्रेस वार्ता कहा कि कि बढ़ती महंगाई को मद्देनजर रखते दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स का मानदेय बढ़ाने का निर्णय किया है। मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम आगे कहा कि अब आंगनवाड़ी वर्कर को 11220 रुपए मानदेय और इसके साथ ही, 1500 रुपए कन्वेंस व कम्युनिकेशन भत्ता दिया जाएगा। इस तरह, आंगनवाड़ी वर्कर को 12720 रुपए मानदेय दिया जाएगा। इसी प्रकार, आंगनवाड़ी हेल्पर को 5610 रुपए मानदेय के साथ 1200 कन्वेंस व कम्युनिकेशन भत्ता दिया जाएगा। इस तरह, आंगनवाड़ी हेल्पर को 6810 रुपए मानदेय दिया जाएगा।

मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने यह भी बताया कि दो दिन पहले मेरी कुछ आंगनवाडी यूनियन से साथ बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने अपना मांग पत्र सौंपी थी। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने सभी मांगों पर गंभीरता के साथ गौर करके यह फैसला लिया है कि आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर का मानदेय बढ़ाया जाना चाहिए। हमने उनको आश्वासन दिया था कि हम एक सप्ताह के अंदर एक सकारात्मक सोच के साथ जल्द ही इस संदर्भ में फैसला लेंगे।

मुझे खुशी है कि हमने एक सप्ताह से पहले ही वर्कर और हेल्पर का मानदेय बढ़ाने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार एक संवेदनशील सरकार है और हम आपको भरोसा दिलाना चाहते हैं कि इन कठिन परिस्थितियों में हम आपके साथ खड़े हैं।

मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने यह भी बताया कि यह फैसला एक मार्च से लागू कर दिया जाएगा। कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। उन्होंने आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को अब अपनी ड्यूटी पर रिपोर्ट करने की अपील भी की, जिससे कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं को उनका निर्धारित पोषण आहार मिल पाए और देश कुपोषण की इस जंग में जीत पाए।

वर्ष 2017 में भी सरकार ने की थी बढ़ोतरी

उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने महंगाई को ध्यान में रखते हुए इससे पहले 2017 में भी आंगनवाड़ी वर्कर्स का वेतन 5000 रुपए से बढ़ाकर 9678 रुपए किया था और आंगनवाड़ी हेल्पर का वेतन 2,500 रुपए से बढ़ाकर 4,839 रुपए किया था।

एनपीएससी की स्कूलों को बिना शर्त खोलने की मांग

- 120 से अधिक निजी स्कूल हैं संगठन के सदस्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेशनल प्रोग्रेसिव स्कूल्स कान्फ्रेंस (एनपीएससी) ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर कहा है कि स्कूलों में हाइब्रिड शिक्षा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में एक बाधा है और जल्द से जल्द स्कूलों को बिना शर्त फिर से खोलने की मांग की।

दिल्ली में 120 से अधिक निजी स्कूल एनपीएससी के सदस्य हैं। एनपीएससी अध्यक्ष सुधा आचार्य ने पत्र में कहा, कोविड संक्रमण ने स्कूल बंद होने की लंबी अवधि के कारण छात्रों के कौशल और दक्षताओं को काफी प्रभावित किया है।

पढ़ना और लिखना सीखने के प्राथमिक वर्षों में मूलभूत कौशल हैं जिससे हमारे छात्र पिछले दो वर्षों से वंचित हैं जो कि दुख की बात है। आचार्य आईटीएल पब्लिक स्कूल, द्वारका की प्राचार्य भी हैं। उन्होंने कहा, अनुरोध करते हैं कि कृपया पूर्ण शिक्षा के लिए स्कूलों को बिना शर्त फिर से खोलने की व्यवस्था करें।

लोकायुक्त नियुक्ति की प्रक्रिया जारी: सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- हाईकोर्ट में आप सरकार ने दी जानकारी

दिल्ली सरकार ने गुरूवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के 2020 के चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे के मुताबिक लोकायुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है।

दिल्ली सरकार ने एक जनहित याचिका के जवाब में यह जानकारी दी। याचिका में पार्टी द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए वादे के अनुसार एक महीने में यहां की सरकार को लोकायुक्त नियुक्त करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने दिल्ली सरकार के वकील की दलील पर गौर करते हुए मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल तय की है। याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा था कि राजनीतिक दल ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बाद अस्तित्व में आया था, लेकिन दिसंबर 2020 से लोकायुक्त का पद खाली पड़ा है।

दिल्ली सरकार के स्थाई वकील संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि इस संबंध में एक बैठक बुलाई गई है और नियुक्ति के लिए एक नाम की सिफारिश की गई है और प्रक्रिया जारी है। याचिका में आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार रिश्वतखोरी, काला धन, बेनामी सम्पत्ति, कर चोरी, मुनाफाखोरी समेत अन्य आर्थिक अपराध को खत्म करने के लिए कदम नहीं उठा रही है, लिहाज़ा मौलिक अधिकारों के संरक्षक के नाते अदालत को लोकायुक्त की नियुक्त के मामले में दखल देना पड़ेगा।

याचिका में कहा गया कि, न्यायमूर्ति रेवा खेत्रपाल के दिल्ली लोकायुक्त के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद से सरकार ने आज तक इस पद पर नियुक्ति के लिए कुछ नहीं किया और भ्रष्टाचार से संबंधित सैकड़ों शिकायतें कार्यालय में लंबित हैं।

स्कूलों में हिजाब पर पाबंदी नहीं : सिसोदिया

- छात्रा को स्कूल में प्रवेश से रोके जाने के आरोपों पर उपमुख्यमंत्री ने किया स्पष्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में सरकारी स्कूल की एक छात्रा द्वारा हिजाब उतारने को कहे जाने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद गुरूवार को उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है और कुछ लोग इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

सिसोदिया ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार सभी परंपराओं का सम्मान करती है और उसके स्कूलों में सभी धर्मों और जातियों के छात्रों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाता है। गौरतलब है कि मुस्तफाबाद में स्थित दिल्ली सरकार के स्कूल की एक नाबालिग छात्रा ने आरोप लगाया था कि उसे स्कूल में एक शिक्षक द्वारा हिजाब हटाने के लिए कहा गया था।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में लड़की को यह आरोप लगाते सुना जा सकता है। सिसोदिया ने कहा कि मैंने यह भी पता लगाने की कोशिश की कि यह घटना कैसे हुई, लेकिन अभी तक मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या है। हमारी स्कूल व्यवस्था और शिक्षा विभाग ने इस संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

सूत्रों के अनुसार, स्कूल के अधिकारियों ने इस मामले पर छात्रा के माता-पिता से चर्चा की है और इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है।

त्रिलोकपुरी में तीन करोड़ में बना सामुदायिक भवन

नई दिल्ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने वार्ड संख्या 3-ई, त्रिलोकपुरी क्षेत्र में समुदाय भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लाइसेंस और स्थानीय पार्षद सरोज सिंह ने की।

इस मौके पर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। आदेश गुप्ता ने बताया कि निगम विषम आर्थिक परिस्थिति से गुजर रहा है लेकिन उसके बावजूद अपने उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए पूर्वी दिल्र की जनता को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। सरोज सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से इस समुदाय भवन का निर्माण किया गया है जिसे बनाने में लगभग एक साल का समय लगा है। इस समुदाय भवन को आरसीसी फ्रेम संरचना एवं भुकंपरोधी मानकों के अनुरूप बनाया गया है।

दस करोड़ की कोकीन जब्त, दो विदेशी पकड़े

- सूरीनाम स्थित संचालकों के निर्देश पर कोकीन को सप्लाई करने भारत आई थी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने दो विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान सूरीनाम निवासी मौरे एर्ना गंगाडियन (45) और युगांडा निवासी नमुबीरु जनत (35) के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) मनीषी चंद्रा ने बताया कि पुलिस ने करोल बाग के एक होटल में छापेमारी के बाद कोकीन बरामद की और गंगाडियन को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद जनत को पकड़ा गया और उसके पास भी कोकीन बरामद हुई। सीआई को 14 फरवरी को सूचना मिली थी कि एक विदेशी महिला कोकीन की खेप लेकर दिल्ली आई है। इस सूचना के आधार पर सीआई में तैनात इंस्पेक्टर विक्रम दहिया व संदीप डबास की टीम ने करोल बाग स्थित होटल में छापेमारी कर सूरीनाम की एक महिला मौरे एर्ना गंगाडियन को गिरफ्तार कर लिया। वह होटल में 11 फरवरी से रह रही थी। उसके कब्जे से उत्तम गुणवत्ता वाली एक किलो कोकीन बरामद की गई। उसने कोकीन को महिलाओं के पर्स में पैक किया हुआ था। आरोपी महिला ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह सूरीनाम स्थित संचालकों के निर्देश पर कोकीन को सप्लाई करने भारत आई थी। महिला ने ये भी खुलासा किया कि उसने नवी मुंबई में रहने वाली विदेशी महिला लिसा को भी कोकीन की खेप का एक हिस्सा दिया था।

फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिभावकों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। मथुरा रोड डीपीसी स्कूल के बाहर गुरुवार को कई बच्चों के माता-पिता स्कूल की तरफ से फीस बढ़ाए जाने के बाद एकत्रित हुए. अभिभावकों ने आरोप लगाया कि मनमाने ढंग से स्कूल के द्वारा फीस बढ़ाई गई है।

बच्चों के अभिभावकों ने प्रिंसिपल से मिलने की मांग रखी और अपना जवाब देना चाहा, लेकिन स्कूल प्रशासन ने गेट को बंद रखा। पुलिस भी मौके पर पहुंची। अभिभावकों का कहना था कि सरकारी दिशा निर्देश के अनुसार, हम लोग बच्चों का फीस भर रहे हैं, लेकिन मनमाने ढंग से स्कूल द्वारा फीस बढ़ाया गया है. उसको लेकर नोटिस भेजा गया है. इसमें बताया गया है कि फीस नहीं भरने पर बच्चों को टर्मिनेट किया जाएगा, जबकि बच्चों की परीक्षा होनी है।

दिल्ली दंगा: नफरती भाषण संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक याचिका की विचारनीयता को चुनौती देने वाले आवेदन पर गौर करने से इनकार कर दिया।

संबंधित याचिका में कथित रूप से नफरत भरे भाषण देने को लेकर कुछ नेताओं के विरूद्ध जांच की मांग की गई है जिससे नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरूद्ध प्रदर्शन के आलोक में फरवरी में हिंसा भड़की थी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनूप जयराम भमभानी की पीठ ने कहा, हम आपको अपना फैसला बता रहे हैं, यह खारिज किया जाता है। आप आवश्यक रूप से या उपयुक्त पक्ष नहीं है। कृपया इसे सर्कस नहीं बनाए। हम इसे लंबित नहीं रख रहे हैं। आपका मुवक्किल बिन बुलाया मेहमान है।

अदालत शेख मुजतबा फारूक की लंबित याचिका में एक वकील की ओर से दायर हस्तक्षेप आवदेन पर सुनवाई कर रही थी। फारूक ने भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर, कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा और अभय वर्मा के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करने एवं जांच की मांग की है। हस्तक्षेप आवेदन दायर करने वाले आवेदक के वकील पवन नारंग ने कहा कि याचिकाकर्ता फारूक का याचिका दायर करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है क्योंकि, उच्चतम न्यायालय के अनुसार जनहित याचिकाओं के सिलसिले , यदि याचिकाकर्ता पुलिस के पास नहीं गया है, तो उसकी याचिका पर सुनवाई नहीं होनी चाहिए।

वकील ने कहा कि यह जनहित याचिका नहीं बल्कि प्रचार पाने का वाद है। इस पर अदालत ने कहा , आप यह कहने वाले कौन हैं? आप संबंधित पक्ष नहीं हैं। यह याचिकाकर्ता के लिए प्रचार पाने का है या आपके लिए , हम नहीं जानते।

समस्याओं के समाधान के लिए हरदीप पुरी से मिले बिधूड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने दिल्ली की समस्याओं को हल कराने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने यह आश्वासन प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी को उस समय दिया जब वह उनसे मिलने के लिए गए। बिधूड़ी ने पुरी को दिल्ली के प्रति केंद्र सरकार के सकारात्मक रुख के लिए धन्यवाद दिया। बिधूड़ी ने हरदीप पुरी को धन्यवाद दिया कि बदरपुर में 885 एकड़ भूमि पर दिल्ली की लाइफ लाइन बनने जा रहे विश्व के सबसे बड़े इको पार्क का निर्माण चल रहा है। इसके अलावा एक दर्जन डायवरसिटी पार्क भी दिल्ली में बनाए जा रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के विकास कार्यों जैसे वसंत कुंज और नरेला में फ्लाई ओवर के निर्माण और अनेक कम्युनिटी सेंटर और पार्क बनाए जाने के लिए भी पुरी का आभार व्यक्त किया। यमुना की सुध लेकर उसके किनारों के सौंदर्यीकरण का निर्माण भी केंद्र सरकार ही करा रही है। कॉलोनियों के मालिकाना हक और 'जहां झुग्गी वहीं मकान' योजना में लाई गई तेजी के लिए भी शुक्रिया अदा किया।

केंन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी से मुलाकात करते नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधुड़ी।

95% तक शोधित होकर यमुना में जाएगा सीवेज

- दिल्ली जल बोर्ड ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

दिल्ली जल बोर्ड ने अनुमान जताया है कि प्रदेश में वर्ष 2022 के अंत तक अपशिष्ट जल शोधन की लगभग 95 फीसदी क्षमता हासिल कर ली जाएगी, जिससे यमुना नदी में प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में 20 स्थानों पर संचालित 34 अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) 597 एमजीडी तक अवजल शोधन कर सकते हैं और फिलहाल इनकी क्षमता का लगभग 90 प्रतिशत (514 एमजीडी) उपयोग किया जा रहा है। अनधिकृत कॉलोनियों और झुग्गी-झोपड़ी समूहों से अप्रयुक्त अपशिष्ट जल, और डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी से निकलने वाले शोधित अपशिष्ट जल की खराब गुणवत्ता नदी में प्रदूषण के उच्च स्तर का मुख्य कारण है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली जल बोर्ड ने दिसंबर, 2022 तक अपनी अवजल शोधन क्षमता को 130 एमजीडी तक बढ़ाने की योजना बनाई है।

कोंडली एसटीपी में उपचार क्षमता 20 एमजीडी, रिठाला एसटीपी में 40 एमजीडी, ओखला एसटीपी में 30 एमजीडी और कोरोनेशन पिलर एसटीपी में 40 एमजीडी बढ़ाई जाएगी। इस प्रकार, दिल्ली इस साल के अंत तक 707 एमजीडी (95 प्रतिशत) अपशिष्ट जल का प्रभावी ढंग से शोधन करने में सक्षम है।

उद्योगपति नया रखरखाव शुल्क जमा न करें: भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता एवं सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने आम आदमी पार्टी सरकार के डीएसआईआईडीसी विभागों द्वारा दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्रों में रखरखाव शुल्क लगाने के निर्णय की कड़ी भत्सना की है।

भाजपा नेताओं ने उद्योगपतियों से अपील की कि वह यह नया रखरखाव शुल्क जमा ना करें, भाजपा इसके विरूद्ध अभियान चलाएगी। पत्रकार सम्मेलन में दक्षिण दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर नरेन्द्र चावला, प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर एवं आदित्य झा भी उपस्थित थे। डीएसआईआईडीसी विभाग ने औद्योगिक क्षेत्रों मे हजारों नोटिस बांटे हैं जिन्हें लेकर औद्योगिक संगठनों मे भारी रोष है। सांसद वर्मा ने कहा है कि दिल्ली खासकर पश्चिम दिल्ली के मायापुरी जैसे औद्योगिक क्षेत्र 5-6 दशक पूर्व जब स्थापित हुए।

दयाल पार्क में दक्षिणी नगर निगम के प्राथमिक स्कूल में बनायी स्मार्ट क्लास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मेयर ने निर्माणाधीन स्कूल बिल्डिंग, पार्क और डिस्पेंसरी का किया निरीक्षण

महापौर मुकेश सुर्यान ने दयाल पार्क के प्राथमिक विद्यालय की निर्माणाधीन स्कूल बिल्डिंग का भी दौरा किया और बताया कि इस बिल्डिंग में बच्चों के स्मार्ट क्लासरूम व प्ले एरिया बनाया गया है। इसके अतिरिक्त स्कूल में टॉयलेट ब्लॉक का भी निर्माण किया गया है। साथ ही महापौर ने अधिकारियों के सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और निर्देश दिए कि छोटी गलियों व सड़कों की नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए।

महापौर मुकेश सुर्यान ने क्षेत्रीय उपायुक्त प्रदीप कुमार, नजफगढ़ जोन के अध्यक्ष सत्यपाल मलिक के साथ नजफगढ़ जोन के सागरपुर क्षेत्र का निरीक्षण किया। विशेष रूप से उन्होंने सागरपुर वार्ड में विकसित किये जा रहे पार्क, निर्माणाधीन स्कूल बिल्डिंग व डिस्पेंसरी का दौरा किया और कहा कि शीघ्र ही इन सुविधाओं का लोकार्पण किया जाएगा। महापौर ने बताया कि निगम द्वारा सागरपुर वार्ड़ के जे. ब्लॉक में अति सुन्दर व आकर्षक पार्क विकसित किया जा रहा है। इस स्थान पर पहले कूड़े व मलवे का ढ़ेर लगा हुआ था, उसे हटाकर यह पर एक हरा-भरा पार्क बनाया गया है। इस पार्क में ओपन जिम, गजीबो, वाकिंग ट्रैक, बच्चों के लिये झूले आदि बनाये गए है। इसके अतिरिक्त महापौर ने गांधी मार्किट सागरपुर में बनायी जा रही डिस्पेंसरी के निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया और कहा कि इस डिस्पेंसरी के बन जाने से क्षेत्र की जनता को उनके घर के समीप ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो पाएगी।

आरटीआई का जवाब न देने पर शिक्षा विभाग को नोटिस

कविता। फरीदाबाद

17 सवालों की आरटीआई का 18 दिसंबर 22 से नहीं दिया जवाब

अगली हैयरिंग में जबाब नहीं दिया तो देना पड़ेगा 25 हजार का जुर्माना

जिला शिक्षा विभाग में तैनात कुछ अधिकारी अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करके निजी स्कूलों को फायदा पहुंचा रहे हैं। जिसे देखते हुए गत 18 दिसंबर 2020 को आरटीआई के जरिये निजी स्कूलों की मान्यता के संबंध में 17 सवाल पूछे गए थे। लेकिन इस आरटीआई का जवाब विभाग ने नहीं दिया।

प्रथम और द्वितीय अपील में भी जवाब न मिलने पर मामला सूचना आयुक्त के पास पहुंचा, लेकिन अपीलकर्ता तो पेश हुए, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से कोई नहीं पहुंचा। जिस पर उन्होंने एसपीओ कम उप जिला शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यदि इसके बाद भी जबाव नहीं दिया तो विभाग पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी ने बताया कि यह मेरे समय का मामला नहीं है। इस विषय में वह एसपीओ से पूछताछ करेंगी।

आरटीआई में थे ये सवाल: आरटीआई कार्यकर्ता रविन्द्र चावला ने बताया कि कुछ स्कूलों ने आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस की मान्यता ली हुई है। यह मान्यता निजी विद्यालयों की फाइलें डीईओ दफ्तर से निर्देशालय को भेजी गई थीं। इसमें कितनी फाइलें गई थीं। फाइलों पर कमेटी सदस्यों के हस्ताक्षर हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो क्यों नहीं किए गए। कमेटी सदस्यों के हस्ताक्षर के बाद यह फाइलें क्यों नहीं भेजीं। डीईओ दफ्तर से फाइलें न भेजकर सीधा कैसे भेजते हैं, इसके क्या नियम हैं। निर्देशालय ऑनलाइन फाइल लेता है, तो सीधी फाइलें कितनी भेजी गई हैं। गत 7 दिसंबर 2020 के इंस्पेक्शन के मुताबिक सभी सदस्यों के हस्ताक्षर के बाद ही अपलोड की जाने वाली फाइलों की संख्या कितनी है। टीम में चेयरमैन और सदस्यों के नाम और पद क्या हैं। वर्ष 2018 से अब तक कितने क्लर्क हैं, उनके नाम क्या हैं और कितने क्लर्क फाइलें भेज चुके हैं। निजी शाखा में बिना रिकॉर्ड की फाइलें कितनी हैं। इसका जिम्मेदार कौन है। किन स्कूलों को फाइलों के जरिये मान्यता मिली। ऐसे कितने स्कूल हैं, जिन्हें मान्यता मिली है, लेकिन वह चल नहीं रहे हैं। एक मान्यता के नाम पर कितने स्कूल चल रहे हैं। यदि चलते हैं तो इसके लिए क्या नोटिफिकेशन है, उसकी कॉपी दी जाए, लेकिन इन सावलों के जबाव नहीं मिले। जिस पर मामला सूचना आयुक्त के पास पहुंचा तो उन्होंने 19 जनवरी 2022 को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया।

सीएम ने शहर के विकास के लिए 422.85 करोड़ रुपये किए जारी

मुख्यमंत्री घोषणाओं में जारी योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए जारी की गई धनराशि

कहा, जितना पैसा वर्तमान सरकार में मनोहर लाल ने फरीदाबाद को दिया उतना अब तक किसी में नहीं मिला

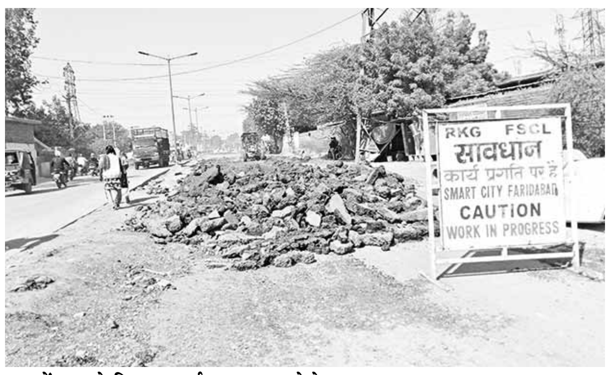

शहर में चल रहे विकास कार्य का फाइल फोटो।

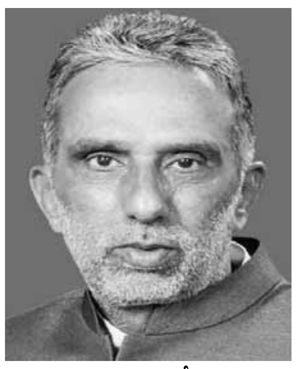

कृष्णपाल गुर्जर।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फरीदाबाद जिला में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत घोषित किए गए विकास कार्यों के लिए 422.85 करोड़ रुपये की राशि गुरुवार को रिलीज करने के आदेश जारी कर दिए। इसके साथ ही यह आदेश भी जारी किए हैं कि इन विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कर इनका यूसी जारी किए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा दी गई इस सौगात पर केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने धन्यवाद किया है।

केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अब तक हजारों करोड़ रुपये की राशि फरीदाबाद जिला के विकास के लिए दी है। जितनी राशि वर्तमान सरकार में यहां के विकास कार्यों के लिए आई है उतनी आज तक पहले किसी भी मुख्यमंत्री व सरकार द्वारा नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि शहर में करवाए गए विकास कार्यों और अब तक दी गई विकास राशि के लिए, वह जिला की जनता और जनप्रतिनिधियों की तरफ से धन्यवाद किया है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि गुरुवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री घोषणाओं के तहत जो विकास राशि रिलिज की है वह 422.85 करोड़ रुपये की है। उन्होंने बताया कि इन विकास कार्यों में एनआईटी (अर्बन)-86, बड़खल, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, ओल्ड फरीदाबाद, तिगांव विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आज फरीदाबाद क्षेत्र को स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत शामिल करके विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के विकास को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जितनी भी विकास योजनाओं के लिए यह राशि रिलिज की है उनके कार्य निर्धारित समय में पूरे कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में लगातार विकास कार्य कर रही है।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष हुए आप में हुए शामिल

भाजपा छोड़ कर आम आदमी पार्टी में शामिल होते भोपाल कश्यप।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा मंडल अध्यक्ष भोपाल कश्यप ने भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी ज्वॉइन की। वहीं कबड्डी प्लेयर साहिल चौधरी ने तिगांव विधानसभा क्षेत्र से आप पार्टी का दामन थामा।

इस मौके पर फरीदाबाद के सैंकड़ों कार्यकर्ता हरियाणा के सह प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुशील गुप्ता जी से दिल्ली स्थित उनके निवास पर मिलने पहुंचे। भोपाल कश्यप एवं साहिल चौधरी ने भाजपा छोड़ अरविंद केजरीवाल की नीतियों एवं उनकी कार्यशैली से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी का दामन थामा। उन्होंने कहा कि वह केजरीवाल द्वारा दिल्ली में कराए जा रहे कार्यों से बेहद प्रभावित हैं और चाहते हैं कि हरियाणा में भी दिल्ली की तर्ज पर विकास कार्य हो।

इस मौके पर फरीदाबाद आए कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए पार्टी के सह प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी का लगातार विस्तार हो रहा है। जिस प्रकार से पूरे हरियाणा में युवा, महिलाएं एवं सभी वर्ग के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं, उससे पार्टी को लगातार मजबूती मिल रही है। आने वाले पंचायत एवं निकाय चुनावों में पार्टी सिम्बल पर चुनाव लड़ेगी और बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि चुनकर आएंगे। श्री गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल साबित हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

पीएमओ ने जन्मदिन पर किया पौधारोपण

फरीदाबाद। शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने अपना जन्मदिन बृहस्पतिवार को पौधारोपण कर मनाया। पीएमओ डॉ. सविता यादव ने कहा कि जन्मदिन के मौके पर उन्होंने अस्पताल के पार्कों में पौधे लगाये और इसके साथ ही अस्पताल की सुंदरता बढ़ाने के लिए फूलों की बेल भी लगाई। ताकि फूलों की बेल अस्पताल परिसर में फैलकर यहां आने वाले मरीजों को खुशनुमां माहौल दे सके और अस्पताल की सुंदरता को चार चांद लगा सके। इस मौके पर पीएमओ डॉ. सविता यादव के संग समाजसेवी सतीश चौपड़ा, अस्पताल के एडमिनस्ट्रेशन से डॉ. राजेश धीमन, डॉ. हेमंत के अलावा स्टाफ, अन्य कर्मचारी सभी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

स्वामी दयानंद सरस्वती जन्मोत्सव पखवाड़ा जारी

फरीदाबाद। डीएवी शताब्दी महाविद्यालय फरीदाबाद में महाविद्यालय आर्य समाज इकाई एवं संस्कृत छात्र परिषद के संयुक्त तत्वावधान में मनाए जा रहे स्वामी दयानंद जन्मोत्सव पखवाड़े के आज तेरहवें दिन महाविद्यालय के बीटीटीएम एवं बीए (जेएमसी) विभाग के द्वारा यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीटीटीएम के विभागाध्यक्ष अमित कुमार एवं बीए (जेएमसी) विभाग से वीरेंद्र कुमार के साथ विद्यार्थियों ने यज्ञ में भाग लिया। संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं इस पखवाड़े के संयोजक डॉ अमित शर्मा ने यज्ञाचार्य का पद अलंकृत किया। अमित कुमार ने सभी को संबोधित करते हुए स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन से सभी को अवगत कराया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा के लिए अपनी शुभ कामनाएं दी। इस अवसर पर मंजीत कुमार एवं डॉ रेखा मैत्रा भी उपस्थित रहे।

मंझावली पुल की हर महीने रिपोर्ट लेंगे विधायक

फरीदाबाद। तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने आज मंझावली में यमुना पर बन रहे पुल का मौके पर जाकर मुआयना किया। इस दौरान उनके साथ पीडब्ल्यूडी अधिकारी एवं निर्माण कंपनी के मैनेजर भी मौजूद रहे। उन्होंने विधायक को कहा कि वह जून तक पुल बनाकर दे देंगे। मौके पर धीमी रफ्तार से हो रहे निर्माण कार्य से विधायक राजेश नागर ने नाखुशी जताई। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री मनोहर लाल विकास पुरुष हैं और वह हरियाणा समेत तिगांव में भी विकास के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने आज भी फरीदाबाद की नगर निकायों में विकास के लिए 320 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। ऐसा मुख्यमंत्री तिगांव ने पहले कभी नहीं देखा जो पूरे हरियाणा को एक कलम से बराबरी का अवसर प्रदान कर रहा है। इसलिए इस पुल को जल्द बनाकर दें। इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन प्रदीप संधू, एसडीओ प्रकाश लाल, निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप आदि मौजूद थे।

राजस्थान की तर्ज पर की पुरानी पेंशन बहाली की मांग

फरीदाबाद। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एशोसिएशन फरीदाबाद के जिला प्रधान संदीप चौहान ने राजस्थान सरकार द्वारा पुरानी पेंशन बहाल करने को साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने इसका स्वागत करते हुए कहा अब हरियाणा सरकार को भी पुरानी पेंशन बहाल कर देनी चाहिए। अपना पूरा जीवन सरकारी नौकरी में सेवा करने के पश्चात पेंशन सरकारी कर्मचारी का अधिकार है। राज्य के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने 2014 के चुनावों के दौरान इस विषय में आश्वासन भी दिया था। अब समय है की वो इस विषय में कर्मचारियों के हित में निर्णय लें। उल्लेखनीय है की हरियाणा सरकार ने एक जनवरी 2006 से पुरानी पेंशन योजना को समाप्त करके इसकी जगह एनपीएस यानी न्यू पेंशन स्कीम को लागू किया था। इसके विषय में अधिसूचना 18 अगस्त 2008 को जारी की गयी थी। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एशोसिएसन पुरानी पेंशन लागू करने की मांग लगातार उठाती रही है। हसला प्रधान फरीदाबाद संदीप चौहान ने बताया की हरियाणा राज्य में लगभग 27000 लेक्चरर कार्यरत हैं। जिनमें से लगभग 17000 एनपीएस के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना को बहुत ही आवश्यक बताया। कहा की जब तक हरियाणा सरकार पुरानी पेंशन योजना को लागू नहीं करेगी तब तक उनका संगठन तन मन धन से इस लागू करवाने के लिए संघर्ष करता रहेगा।

संगठन की मजबूती के लिए जिला भाजपा की बैठक

फरीदाबाद। भाजपा जिला कार्यालय सेक्टर-11 पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में भाजपा जिला फरीदाबाद की एक संगठनात्मक बैठक सपन्न हुई। बैठक में जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल व आरएन सिंह मुख्य तौर पर उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने जिला संगठन विस्तार एवं सुदृढीकरण को लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने फरीदाबाद की सभी विधानसभाओं में त्रिदेव सम्मलेन, संगठन विस्तार, संगठन की कार्य पद्धति आदि संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। गोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि दो विधानसभाओं में त्रिदेव सम्मलेन आयोजित किये जा चुके हैं। फरीदाबाद की बाकि चार विधानसभाओं में भी त्रिदेव सम्मलेन जल्दी ही आयोजित किये जायेंगे।

गांव अनंगपुर और अनखीर में कानूनी सहायता शिविर

गांव अनखीर में कानूनी सहायता शिविर में ग्रामीणों को जानकारी देते डालसा पैनल के एडवोकेट रविन्द्र गुप्ता।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिविर का मकसद है ग्रामीणों की समस्याओं को पहचानना और उनका समाधान

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फरीदाबाद को कानूनी प्रसार व जागरूकता के लिए निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में फरवरी, 2022 को स्कूल ऑफ लॉ, एमआरयू द्वारा 21 व 23 फरवरी, 2022 को गांव अनंगपुर व अंखीर में कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

मुद्दों से संबंधित 20 (बीस) प्रश्नों से युक्त एक प्रश्नावली डीएलएसए द्वारा साझा किया गया। जो कि कानूनी सहायता कोर-समिति के सदस्यों द्वारा तैयार किया गया था जिसमे प्रमुख विषय शिक्षा, स्वच्छता, जाति, असंगठित श्रम, स्वास्थ्य, परिवहन, लैंगिक असमानता, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, घरेलू हिंसा, यौन हमला, बाल शोषण और मानव तस्करी थे। डीएलएसए के सदस्यों ने गांव के लोगो को सर्वेक्षण के कारण और उन मुद्दों का परिचय दिया गया। ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के बाद छात्रों ने जाकर सर्वेक्षण किया। पूरे गांव में घर-घर जाकर छात्रों की टीमों ने सफलतापूर्वक 180 परिवारों का डेटा एकत्र किया। ग्रामीणों ने अधिक से अधिक मदद देने की कोशिश की व छात्रों को उनके द्वारा झेली गई समस्याओं के बारे में सूचित किया।

पांच दिवसीय दिव्यांग कल्याण शिविर का हुआ समापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-7 स्थित महेश्वरी भवन में आयोजित शिविर के समापन पर दिव्यांग को ट्राई साईकिल प्रदान करती बड़खल विधान सभा क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा व संस्था के पदाधिकारीगण।

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट फरीदाबाद द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी एवं जिला समाज कल्याण विभाग के साथ एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति दिल्ली के सहयोग एवं तत्वाधान में पांच दिवसीय पांचवां विशाल निःशुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर का सफल आयोजन 20 से 24 फरवरी तक माहेश्वरी सेवा सदन सेक्टर-7 में किया गया। जिसका वीरवार को विधिवत समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में माहेश्वरी संगठन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं ऑल इंडिया माहेश्वरी वैश्य फेडरल के मुख्य संरक्षक नीरज पल्लानी थे जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में बडखल क्षेत्र से विधायक सीमा त्रिखा व भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा रहे।

अतिथि नीरज पल्लानी, सीमा त्रिखा व गोपाल शर्मा ने इस पांच दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद व गरीब लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करने से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के इस सेवा कार्य से हजारों दिव्यांगों की जिंदगी में उम्मीद की नई किरण आई है और उनका जीवन काफी हद तक सुगम हो जाएगा।

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश गट्टानी ने शिविर की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में 1275 दिव्यांगों का पंजीकरण किया गया, जिनमें से 1025 दिव्यांगों को 1051 सहायक उपकरण (कृत्रिम हाथ व पैर, कैलीपर्स, वैसाखियां, व्हील चेयर, हाथ से चलने वाली ट्राईसाईकिल एवं श्रवण यंत्र) का जांच उपरांत साथ ही साथ वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस शिविर का शुभारंभ 20 फरवरी को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा अन्य गणमान्य अतिथियों पदमश्री विरेंद्रराज मेहता कार्यकारी अध्यक्ष भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति दिल्ली, डीआर शर्मा जनरल सेक्रेटरी हरियाणा रेडक्रॉस, श्रीमती सुषमा गुप्ता वाइस चेयरपर्सन हरियाणा रेडक्रॉस, उपायुक्त जितेंद्र यादव, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, राजेश नागर भी उपस्थित रहे। राज्यपाल दत्तात्रेय ने पूरे शिविर का दौरा किया एवं इस नेक सेवा कार्य हेतु माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट की भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष नारायण प्रसाद झंवर ने अतिथियों का माहेश्वरी समाज की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया।

तीन वाहन चोरों की गिरफ्तारी से वारदातों का खुलासा

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान के द्वारा अपराधियों की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच-56 प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश की टीम ने आरोपी तस्लीम और शौकीन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस रिमांड के खुलासा के बाद आरोपी हुसैन को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी हुसैन नूंह जिले के तावडू के गांव पढ़नी रहने वाला है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी शौकीन को पुलिस रिमांड पर लिया गया था। आरोपी ने एक अन्य थाना सेक्टर-31 की चोरी की घटना के बारे में खुलासा किया है जिसमें आरोपी हुसैन को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयोग स्विफ्ट कार बरामद की गई है। आरोपियो ने 16 फरवरी की रात को डबुआ मण्ड से बेचने की नियत से आईसर कैंटर चोरी किया था। आरोपी ने कैंटर को पहाड़ी राजस्थान में लेकर छुपा दिया। आरोपी कैंटर को बेचने की फांक में था। पुलिस टीम ने आरोपी को कैंटर बेचने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपियो ने थाना सेक्टर-31 के क्षेत्र से पिकअप गाड़ी को चोरी कियो था। जिसका मुकदमा पुलिस द्वार दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी।

थल सेनाध्यक्ष करेंगे कर्णावती विश्वविद्यालय के डिजाइन वीक का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अहमदाबाद डिजाइन वीक (एडीडब्ल्यू) का तीसरा संस्करण- विचारों और दृष्टिकोणों का लाजवाब मेल होगा। जो उवरसाड, गांधीनगर में स्थित कर्णावती विश्वविद्यालय द्वारा 26 फरवरी से विश्वविद्यालय के विशाल परिसर में आयोजित होने जा रहा है। अहमदाबाद डिजाइन वीक 26, 27 और 28 फरवरी, 2022 को आयोजित किया जाएगा।

कर्णावती विश्वविद्यालय राज्य का निजी विश्वविद्यालय है, जो शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए समर्पित है और अंतःविषय सीखने पर केंद्रित है। एडीडब्ल्यू 3.0 के लिए, इस वर्ष का विषय है-रक्षा और एयरोस्पेस में डिजाइन और नवाचार - रणनीतिक महत्व। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री हरि बाबू श्रीवास्तव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक-प्रौद्योगिकी प्रबंधन (टीएम), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ जनरल एमएम नरवणे, थल सेनाध्यक्ष, भारतीय सेना द्वारा 26 फरवरी को किया जाएगा।

इस वर्ष की थीम के बारे में बताते हुए, कर्णावती विवि के अध्यक्ष रितेश हाडा ने कहा, 'एडीडब्ल्यू 3.0 की थीम रक्षा और एयरोस्पेस में डिजाइन और नवाचार पर आधारित है, जो भारत सरकार के रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता को प्राप्त करने के मिशन के अनुरूप है।' 'एडीडब्ल्यू रक्षा और एयरोस्पेस में डिजाइन की भूमिका, उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर संवाद शुरू करने के लिए एक मंच तैयार करेगा और इस पर विचार-विमर्श करने के लिए, डिजाइन प्रैक्टिस करने वालों, रक्षा क्षेत्र के दिग्गजों और इनोवेटर्स को एक साथ लाएगा। यह इनोवेटर्स को रक्षा क्षेत्र को एक्सप्लोर करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक अवसर भी होगा।' हाडा ने बताया। एडीडब्ल्यू दुनिया भर के डिजाइन विचारकों, विचारकों और प्रैक्टिशनर्स का संगम है और इस आयोजन का एकमात्र उद्देश्य विभिन्न डोमेन, क्षेत्रों और उद्योगों में चर्चा, विचार-विमर्श और दायरे की पहचान और डिजाइन के अनुप्रयोग की सुविधा प्रदान करना है।

कुछ अन्य प्रख्यात वक्ता जो इस आयोजन का हिस्सा होंगे। उनमें हैं लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो, पूर्व महानिदेशक, डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी; डॉ सुधीर मिश्रा, पूर्व महानिदेशक, सीईओ और एमडी, ब्रह्मोस एयरोस्पेस; डॉ जी सतीश रेड्डी, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग और अध्यक्ष, डीआरडीओ; मेजर जनरल एम इंद्रबलन, अतिरिक्त महानिदेशक एनसीसी, बिहार और झारखंड एनसीसी और प्रहलाद कक्कड़, संस्थापक, जेनेसिस फिल्म प्रोडक्शन शामिल हैं।

आभूषण खरीदने के बहाने ठगने वाले गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी अपराध नरेंद्र कादियान ने शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों और अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देशों पर कार्रवाई की।

क्राइम ब्रांच एनआईटी प्रभारी सब इंस्पेक्टर-नरेन्द्र कुमार की टीम ने ठगी में सेक्टर-37 से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी शिवा और कन्हैया गुजरात के अहमदाबाद के गांव कुबेरनगर के रहने वाले हैं। हाल दिल्ली के उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में रह रहे है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों को गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों ने बताया कि एक ठगी की घटना को थाना शहर बल्लभगढ़ क्षेत्र में अंजाम दिया था। आरोपियों से 15 हजार रुपए नगद बरामद किए हैं। आरोपी शातिर किस्म के है दिल्ली में अपना रहने का ठिकाना 15-20 दिन में बदलते रहते है।

अध्यापकों ने पोलियो अभियान में ड्यूटी का किया विरोध

बीके पहुंच अध्यापकों ने पोलियो ड्यूटी से हटाये जाने की उठाई मांग

बीके अस्पताल में नारेबाजी कर विरोध प्रकट करते अध्यापक।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी के दौरान जहां पिछले दो साल से पूरी तरह से बंद पड़े स्कूल एक बार फिर से 10 फरवरी के बाद खुले हैं। वहीं जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा छठीं से आठवीं कक्षाओं में पढ़ाने वाले अध्यापकों की ड्यूटी आगामी 27 फरवरी से शुरू होने वाले पोलियो अभियान में लगा दी है। जिससे गुस्साए शिक्षक गुरुवार को बीके अस्पताल परिसर में मौजूद जिला सिविल सर्जन कार्यालय में पहुंचे और पोलियो ड्यूटी का जमकर विरोध किया।

यह है पूरा मामला : आगामी 27 फरवरी से शुरू हो रहे पल्स पोलियो कार्यक्रम में 270 अध्यापकों की ड्यूटी प्रशिक्षण के लिए लगाई गई हैं। जिसे देखते हुए अध्यापकों को प्रशिक्षण देने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बीके अस्पताल में बुलाया गया था। वहां पहुंच कर सभी अध्यापकों ने पल्स पोलियो कार्यक्रम के प्रशिक्षण का बच्चों की पढ़ाई को ध्यान का रखते हुए बहिष्कार किया। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ और अतिथि अध्यापक संघ ने समर्थन किया। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान भीम सिंह और अतिथि अध्यापक संघ के जिला प्रधान रघु वत्स ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि कोरोना काल के कारण लंबे समय तक बच्चे विद्यालयों में नहीं आ सके और फरवरी का महीना होने के कारण इस समय अध्यापक को बच्चों के बीच में विद्यालय में रहना चाहिए। ताकि उनकी पढ़ाई बाधित ना हो। परंतु बार-बार इसका विरोध करने के पश्चात भी सरकार अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यों में ड्यूटी लगा रही है। जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है। नई शिक्षा पॉलिसी में भी अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यों से मनाही की गई है। उसके पश्चात भी इस प्रकार से ड्यूटी लगाई जाती है। जिसका अध्यापक समय-समय पर विरोध करते रहे हैं। इसके पश्चात भागीरथ शास्त्री, ईनामी सिंह, राम सिंह, विजय सिंह, राकेश शास्त्री, ललित शर्मा, योगेश कुमार, रवि कुमार, रणवीर सिंह, उमेश आदि अध्यापकों ने भी विचार रखे। अतिथि अध्यापक संघ के जिला प्रधान रघु वत्स ने कहा कि हमारी अधिकारियों और हरियाणा सरकार से यह मांग है कि गैर शैक्षणिक कार्यों में अध्यापकों की ड्यूटी न लगाई जाए। हमें आशा ही नहीं, पूरा विश्वास है कि इस गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखा जाएगा और आगे से किसी भी अध्यापक की ड्यूटी गैर शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाई जाएगी।

स्कूलों में सीसीटीवी

बच्चों पर प्रभाव

स्कूलों में सीसीटीवी लगाने के बच्चों पर सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। दिल्ली में कुछ माता-पिता और शिक्षकों ने सरकारी स्कूलों की कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने का विरोध किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस संबंध में एक याचिका स्वीकाकर कर सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में पूछा गया है कि बिना सहमति बनाए सरकार ऐसा कैसे कर सकती है? तर्क दिया जा रहा है कि कैमरों की उपस्थिति तथा निजी सर्वरों पर उसका डेटा सुरक्षित करने से निजता के अधिकार का हनन होगा। लगातार निगरानी का बच्चों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी पड़ेगा। खतरा है कि विकृत बना कर व अवैध रूप से सोशल मीडिया पर डाल कर डेटा का दुरुपयोग हो सकता है। माता-पिता की इन आपत्तियों में दम है। निगरानी के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव चाहे जो हों, उनको बिना सहमति के नहीं लगाया जा सकता है। सहमति होने पर भी उनको कक्षाओं में नहीं लगाया जा सकता है क्योंकि यह निजता का सीधा उल्लंघन है। पश्चिमी देशों में ऐसा करने पर अब तक सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर हो जाता। सवाल है कि इन सारी चीजों के बावजूद सरकार, पुलिस या स्कूल अधिकारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं? 2017 में गुरुग्राम में रेयान इंटरनेशनल स्कूल की घटना पर गौर करें। एक वाशरूम के बार सात साल के छात्र के गले में गंभीर चोटें मिली थीं जिसकी बाद में मौत हो गई थी। पुलिस को पता लगा कि स्कूल के अधिकांश सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे। उसी साल हरियाणा के एक शैक्षिक संस्थान में झगड़े के बाद एक सहपाठी ने एक छात्र को गोली से उड़ा दिया था। यह एक रहस्य बना हुआ है कि कक्षा में देशी पिस्तौल कैसे पहुंचा। 2020 में एक 14 वर्षीय छात्र ने बुलंदशहर में सीट पर बैठने को लेकर हुए झगड़े में अपने सहपाठी की हत्या कर दी थी। इस मामले में भी समय पर हथियार का पता नहीं लग सका था।

सीसीटीवी कैमरों के पैरोकारों ने संयुक्त राज्य अमेरिका का उदाहरण दिया है जहां बेलगाम हिंसा के कारण स्कूल निगरानी क्षेत्रों में बदल गए हैं। शिक्षा परिसरों में वहां व्यापक गोलीबारी आम है तथा लगभग 80 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में सुरक्षा कैमरों का प्रयोग होता है। उम्मीद की जाती है कि इनसे हथियारों तथा झड़पों व दादागीरी जैसी घटनाओं का पता लगाया जा सकता है। कैमरे अब अमेरिकन स्कूलों में सुरक्षा और व्यवहार प्रबंधन के महत्वपूर्ण औजार बन गए हैं। इनसे छात्रों को उनके व्यवहार के प्रति जवाबदेह भी बनाया जा रहा है। ब्रिटेन में हुई शोध से स्पष्ट है कि स्कूलों की कक्षाओं व शौचालयों तक में छात्रों की निगरानी लगातार अक्सर उसी स्तर पर होती है जिस पर हवाईअड्डे पर यात्रियों व जेलों में बंद लोगों की निगरानी होती है। हालांकि, इससे निजता संबंधी अनेक सवाल जरूर पैदा होते हैं। न केवल दिल्ली में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सरकारों और स्कूलों ने निगरानी तकनीक को बहुत तेजी से आगे बढ़ाया है। सीसीटीवी व्यवस्था लाभदायक है, पर यह निजता की कीमत पर नहीं आगे बढ़नी चाहिए। अधिकारी इन व्यवस्थाओं को स्कूलों की सीमाओं पर लगा सकते हैं तथा मैटल डिटेक्टरों व तलाशी से सुनिश्चित कर सकते हैं कि हथियार तथा अन्य खतरनाक चीजें न लाई जा सकें। झगड़े रोकने की कठोर प्रक्रियाओं से किसी प्रकार की हिंसा को समय रहते कुचला जा सकता है। लेकिन इनको कक्षाओं व शौचालयों में नहीं लगाना चाहिए जहां छात्र निजता की उम्मीद करते हैं। कैमरों से कक्षा का वातावरण प्रभावित होता है तथा छात्रों के प्रति अविश्वास के संकेत मिलते हैं। इनसे संबंध प्रभावित होते हैं और वे बुरे इरादों का पता नहीं लगा पाते हैं। कक्षा में निजता में उनके द्वारा हस्तक्षेप हानिकारक तथा स्वस्थ कक्षा हेतु विश्वास का माहौल बनाने में बाधक है।

हिजाब मामले में समीक्षा करे भाजपा

यदि भाजपा मुस्लिम महिलाओं का सशक्तीकरण चाहती है तो उसे उनको शिक्षा देने के साथ ही उनके खिलाफ हिंसा व भेदभाव समाप्त करना चाहिए।

अरुण सिन्हा
(लेखक स्स्तंत्र पत्रकार हैं)

भाजपा के सर्वोच्च नेतृत्व को इस बात की समीक्षा करनी चाहिए कि जिस प्रकार उनके कर्नाटक के नेताओं ने हिजाब मुद्दे पर प्रतिक्रिया की है, वह पार्टी हितों के खिलाफ है। पहली नजर में लगता है कि पार्टी ने विवाह कानून पर मुस्लिम महिला संरक्षण अधिकार या तीन तलाक कानून के नाम से लोकप्रिय कानून से मुस्लिम महिलाओं में अपने लिए जो सद्भावना प्राप्त की थी उसका कुछ नुकसान हुआ है। पार्टी ने लगभग ढाई साल पहले यह कानून पास कराया था। यहां तक कि भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन ने कर्नाटक सरकार के कक्षाओं में हिजाब पहन कर जाने वाली लड़कियों पर प्रतिबंध के निर्णय का विरोध किया है। उल्लेखनीय है कि मुस्लिम महिलाओं के इस संगठन ने तीन तलाक कानून बनाने तथा उसके पूरी तरह समर्थन में मोदी सरकार का पूरा सहयोग किया था। उस समय उसे उदारवादियों व वामपंथियों की भारी आलोचना झेलनी पड़ी थी कि वह भाजपा के असली मंसूबों को नहीं समझ रही है क्योंकि उसका इरादा महिलाओं को एकसाथ तीन तलाक के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के बजाय मुस्लिम पर्सनल कानून के किले का एक हिस्सा ध्वस्त करना था।

गौर करें कि भाजपा ने कितने जोश से संसद में तीन तलाक कानून पास कराया था। उसने दावा किया था कि यह काम मुस्लिम महिला सशक्तीकरण हेतु किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पर ट्वीट किया था, 'संसद ने तीन तलाक समाप्त कर दिया, यह जेंडर न्याय की विजय है, इससे महिला सशक्तीकरण में योगदान मिलेगा, भारत आज प्रसन्न है।'

सचमुच कानून पास होने के बाद एकसाथ तीन तलाक के मामलों पर मुस्लिम महिलाओं की शिकायतों में आश्चर्यजनक रूप से कमी आई। लेकिन भाजपा का मुस्लिम महिला सशक्तीकरण का रथ यहीं थम गया, जबकि उसे आगे ले जाने की जरूरत थी। तीन तलाक समाप्त होने पर मुस्लिम पति अपनी पत्नियों को एकसाथ तीन 'तलाक' बोलने से वंचित हुए, लेकिन वे तीन मासिक धर्म या तीन चंद्र माह तक प्रतीक्षा कर सकते थे। इस प्रकार पुरुष अभी भी वर्चस्व की स्थिति में हैं और महिलायें इस मामले में कुछ नहीं कर सकती हैं। इस प्रकार कुछ पुरुषों द्वारा 90 दिन के बाद महिला को अपने जीवन और घर से बाहर किया जा सकता है। वे महिला को 'मेहर' यानी विवाह के समय तय की जाने वाली धनराशि अदा कर 90 दिन के बाद गुजारा खर्च दे सकते हैं। पुरुषों को कानून के अंतर्गत इतना ही कर महिला से मुक्ति पाने का अवसर उपलब्ध है। भाजपा को तीन तलाक समाप्त करने के बाद एक कदम और उठाना चाहिए था। उनको राजीव गांधी सरकार द्वारा 1986 में पास मुस्लिम महिला तलाक पर संरक्षण अधिकार कानून समाप्त करना चाहिए था। यह कानून सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शाहबानो मामले में तलाकशुदा मुस्लिम महिला का उसके पति द्वारा रखरखाव का अधिकार देने को उलटने के लिए लाया गया था जो केवल प्रतीक्षा अवधि के बजाय आजीवन था। भाजपा ने आरोप लगाया था कि राजीव गांधी मुल्लाओं के दबाव के सामने झुक गए थे। इससे हिंदू भावनायें भड़क गई थीं और इस मुद्दे पर भाजपा को व्यापक समर्थन मिला था। लेकिन इसके बावजूद केन्द्र में आठ साल तक सत्ता में रहने के बाद उसने यह कानून समाप्त नहीं किया है। यह कानून समाप्त करना चाहिए ताकि मुस्लिम महिला को आजीवन रखरखाव का अधिकार मिल सके। यदि भाजपा वास्तव में मुस्लिम महिलाओं का सशक्तीकरण करना चाहती है तो उसे बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। वैसे भी केवल आजीवन रखरखाव से मुस्लिम महिलाओं का समुचित सशक्तीकरण नहीं होगा।

यदि महिला को गुजारा मिल जाता है तो भी उसे हमेशा किसी न किसी पर निर्भर रहना होगा क्योंकि यह पैसा उसके लिए कभी काफी नहीं होगा। यह परिदृश्य हिंदू महिला को भी हतोत्साहित करता है और वह कभी उत्पीड़क विवाह संबंध से बाहर नहीं निकल पाती है, भले ही उसे कानून के अंतर्गत गुजारे का अधिकार प्राप्त है। चाहे पति महिला को तलाक दे या महिला पुरुष को तलाक दे, दोनों मामलों में महिला को स्वतत्र तथा गरिमा व सम्मान के साथ जीने में सक्षम होना चाहिए। युवा पीढ़ियों में हालिया प्रवृत्तियों से पता चलता है कि पसंद का अधिकार आर्थिक स्वतंत्रता से संचालित होता है। यदि महिला स्वयं अपनी आजीविका कमाने में सक्षम हो तो वह पत्नी के रूप में उत्पीड़क विवाह संबंध में बने रहने की इच्छुक नहीं होगी। महिला सशक्तीकरण के लिए महिला रोजगार सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। महिला रोजगार बिना महिलाओं की समुचित शिक्षा के संभव नहीं है। संपूर्ण महिला शिक्षा तब तक संभव नहीं होगी जब तक महिलाओं को स्कूलों और कालेजों में जाने का पूरा अवसर न मिले। इसलिए यदि भाजपा मुस्लिम महिलाओं के सशक्तीकरण की सचमुच इच्छुक है तो उसे हिजाब पहनने वाली मुस्लिम लड़कियों को कक्षाओं में जाने से रोकना नहीं चाहिए।

हिजाब पसंद का मामला है। कुछ मुस्लिम लड़कियां इसे पहनती हैं, जबकि अन्य नहीं पहनती हैं। यदि भाजपा इसे प्रतिगामी तथा जबरन माता-पिता या वहाबियों द्वारा मुस्लिम लड़कियों पर थोपा मानती है, तो भी उसे इसकी अनुमति देनी चाहिए। पार्टी को समझ लेना चाहिए कि हिजाब पहने लड़कियों पर प्रतिबंध लगाने से वह उनको कट्टरपंथियों के चंगुल में और गहराई तक धकेल देगी। भाजपा का लक्ष्य शिक्षा प्राप्त करने में ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम महिलाओं की सहायता करना होना चाहिए। शिक्षा से मुस्लिम महिलाओं को रोजगार मिलेगा और रोजगार से वे कार्यस्थलों में जाएंगी। गतिशील व बहुसांस्कृतिक परिवेश से परिचय के बाद वे कट्टरपंथ तथा सांस्कृतिक व्यवहारों के बारे में ज्यादा बेहतर तरीके से सोचने की स्थिति में होंगी। इस कारण ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम महिलायें अन्य विश्वासों के लोगों से विवाह कर सकती हैं, जबकि यह भारत में नहीं हो रहा है। इसके कारण धर्म के प्रति तटस्थ या द्वि-धर्मी युगलों की संख्या बढ़ेगी तथा सांस्कृतिक रूप से स्वस्थ भारत बनाने में सहायता मिलेगी। अमेरिका में यही हो रहा है। भाजपा को समझना चाहिए कि औसत मुस्लिम लड़की भय व असुरक्षा के माहौल में रह रही है। दंगों में मुस्लिम महिलाओं से बलात्कार आम बात है। सांप्रदायिक हिंसा तथा पूर्वाग्रहों के कारण बड़ी संख्या में मुसलमानों को मलिन बस्तियों में रहना पड़ रहा है। मलिन बस्तियों में पितृसत्ता व कट्टरपंथ का शासन चलता है। अपने परिवार की महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिलने से सशक्त पुरुष उनको बुर्का और हिजाब पहनने पर मजबूर करते हैं ताकि वे बाहर निकलने पर अपनी ओर दूसरों का ध्यान आकर्षित होने से बच सकें। उनकी इस बात में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है कि लड़कियों को उच्च शिक्षा मिले क्योंकि इसका अर्थ उनका मलिन बस्तियों से दूर जाना होगा और इससे उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। इसके साथ ही 'आधुनिक व पश्चिमी' सभ्यता से उनके 'भ्रष्ट' होने का खतरा भी बना रहता है।

मुस्लिम मलिन बस्तियां समाप्त होनी चाहिए। मुस्लिमों को मिश्रित पड़ोसियों के साथ रहने को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ऐसा केवल तभी हो सकता है जब राजनीतिक पार्टियां और सरकारें भविष्य में मुसलमानों के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा व पक्षपात न होने दें। यदि ऐसा होता है तो मुस्लिम लड़कियां ज्यादा सुरक्षित अनुभव करेंगी तथा वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्कूलों और कालेजों में जांएगी। ऐसे में उनके माता-पिता के पास भी उनको शिक्षा से वंचित रखने का कोई आधार नहीं होगा। इसके लिए यदि वे अपनी लड़कियों को कक्षाओं में हिजाब पहना कर भेजना चाहें तो उनको इसकी अनुमति होनी चाहिए। इससे कम से कम लड़कियों को शिक्षा तो मिलेगी। इससे उनके लिए नए रास्ते खुलेंगे। इससे वे एक नई दुनिया में पहुंचेंगी। क्या भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि मुसलमानों के खिलाफ कोई हिंसा व पक्षपात न हो? क्या वह मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा पर पूरा ध्यान देगी और हिजाब का मुद्दा भविष्य के लिए छोड़ देगी? अथवा क्या वह लोगों को विश्वास दिलाना चाहती है कि मुस्लिम महिलाओं के सशक्तीकरण की उसकी जिम्मेदारी तीन तलाक कानून बनाने के साथ समाप्त हो गई है? क्या हम मुस्लिम महिलाओं के महान संरक्षक से बहुत अधिक मांग कर रहे हैं?

तकनीकी क्रांति की ओर बढ़ते कदम

> जब व्यक्तिगत स्तर पर संसाधनों की कमी के कारण दैनिक जीवन स्वयं में संदेह का विषय है, तो तकनीकी साक्षरता की क्या उम्मीद की जा सकती है।

विनयशील गौतम
(लेखक जाने-माने प्रबंध परामर्शदाता हैं)

मानव जाति के रिकॉर्ड किए गए इतिहास में तकनीकी चमत्कारों और सफलताओं के कई संदर्भ हैं। वे भवन निर्माण, युद्ध के हथियार और जल प्रवाह और अन्य क्षेत्रों से निपटने के रूप में आए हैं। साक्ष्य एंडीज क्षेत्र, नदी घाटियों जैसे टाइग्रिस/यूफ्रेट्स, सिंधु/गंगा घाटियों, चीन में यांग्त्ज़ी क्षेत्र, और बहुत कुछ से उपलब्ध हैं। इंका सभ्यता हो, माया की या मिस्त्र के पिरामिड और भारत के कुछ मंदिर निर्माण, कई तकनीकी चमत्कार हैं। उनमें से कुछ अभी भी पूरी तरह से समझने और दोहराने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इन सभी अनुभवों की अनूठी बात यह है कि इनमें से अधिकांश स्वयं को दोहरा नहीं पाए। कोई निरंतरता नहीं थी, और यह अचानक टूट गया, उदाहरण के लिए, प्रायद्वीपीय भारत के मंदिर वास्तुकला की कुछ विशेषताओं को अभी भी पूरी तरह से समझाया जाना बाकी है। क्रेन के किसी भी मौजूदा सबूत के बिना पिरामिड कैसे बने, यह एक चमत्कार है। इन शक्तिशाली बौद्धिक परंपराओं का अंत कैसे हुआ, यह ज्ञात नहीं है। लेकिन अंत में आओ उन्होंने किया। वर्तमान औद्योगिक क्रांति की अनूठी विशेषता न केवल इसका एक तकनीकी आधार है, बल्कि यह क्रांति निरंतर है और धीरे-धीरे अधिक क्षेत्रों में फैल गई है। यह न केवल निरंतर और निरंतर है, बल्कि प्रसार चौड़ा और गहरा होता जा रहा है। यही इस औद्योगिक क्रांति के तकनीकी आयाम को मानव इतिहास में अद्वितीय बनाता है। यह निरंतरता ही है जो इसे अन्य पिछली समान क्रांतियों से अलग करती है।

वर्तमान तकनीकी क्रांति का अर्थ अक्सर तेज, विविध और निरंतर उन्नयन होता है। इसने एक पूरी नई तकनीकी विशेषज्ञता को जन्म दिया है। एक

विशेषज्ञता जिसकी न केवल परिचालन अंत में आवश्यकता होती है, जहां अधिक से अधिक लोगों को शामिल किया जाता है बल्कि अन्य स्तरों पर भी। अन्य स्तरों में प्रौद्योगिकी का लगभग निरंतर उन्नयन शामिल है। इसका मोबाइल फोन एक अच्छा उदाहरण है। कभी-कभी तकनीक एक नई दहलीज तक पहुंच जाती है और आदेश अधिक जटिल या सरल हो जाते हैं। कोई भी इसे जिस नजर से देखता है, वह बदलता रहता है। इसका सीधा सा मतलब है कि एक तकनीक लगभग हर जगह निरंतर आधार पर हर दिन जीवन को प्रभावित कर रही है। इस प्रक्रिया को नजरअंदाज करना संभव नहीं है क्योंकि इसकी एक अभिव्यक्ति में भी, हम कहें कि डिजिटलाइजेशन - इसे लगभग सार्वभौमिक रूप से एक शासन साधन के रूप में अपनाया गया है।

यह तकनीकी रूप से अशिक्षित व्यक्ति को छोड़ देता है - न केवल बैकवाटर में, बल्कि जंगल में। व्यक्ति उन क्षेत्रों में कानून की धाराओं को आकर्षित कर सकता है जहां उनके पास अपनाने या अपग्रेड करने की क्षमता या अवसर नहीं हो सकता है। इसे संसाधनों तक पहुंच की आवश्यकता हो सकती है, एक उपकरण खरीदने के लिए जिसके लिए उसके पास क्षमता भी नहीं हो सकती है। जब व्यक्तिगत स्तर पर उपलब्ध संसाधनों की कमी के कारण दैनिक जीवन अपने आप में संदेह का विषय है, तो तकनीकी साक्षरता को देखने की क्या आशा की जा सकती है, तकनीकी उन्नयन की तो बात ही छोड़िए?

ऊपर उल्लिखित चिंताओं को महत्वपूर्ण नीतिगत सरोकारों के रूप में चिह्नित करने की आवश्यकता है, जिन्हें बड़े नागरिक समाज की बहस में शामिल करने की आवश्यकता है। अत्यधिक प्रशंसा और तकनीकी मजबूरियों का अवलोकन समाज में विभाजन पैदा कर सकता है जिसे अंततः प्रतिक्रिया की आवश्यकता होगी। हालांकि, उनका अनुमान लगाना काफी बेहतर है। अन्य बातों के अलावा, उपरोक्त कथा का उद्देश्य नीतिगत पुनर्गठन और प्रगति के प्रोटोकॉल पर फिर से ध्यान केंद्रित करने की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करना है। यह महामारी के दौरान और अधिक स्पष्ट हो गया है।

दक्षिण सूडान से सिंगापुर तक कई देश के मामले हैं जिन्हें संबोधित करने, विश्लेषण करने और समझने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मानव जाति का विकासवादी विकास अधिक समान और प्रबंधनीय बना रहे। यह भविष्य की एक अत्यंत आवश्यक आवश्यकता है जिसके लिए अभी से कार्रवाई शुरू होनी चाहिए।

आप की बात

गिरता लोकतंत्र का स्तर

हाल ही में जारी हुए विश्व लोकतंत्र सूचकांक को मद्देनज़र रखते हुए ये जायज़ रूप से कहना उचित होगा की लोकतंत्र का स्तर धीरे-धीरे नीचे गिर रहा है। दरअसल, विश्वभर में लोकतंत्र की स्थिति और ताकत कमजोर होती नजर आ रही है। जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक दुनिया की एक तिहाई से अधिक आबादी सत्तावादी शासन में रहती है, जबकि केवल 6.4त्न पूर्ण लोकतंत्र का आनंद लेते हैं। वैश्विक लोकतंत्र स्कोर 5.37 से गिरकर 5.28 पर आ गया है। एक तरफ जहां नॉर्वे सूचकांक में सबसे आगे हैं वही दूसरी तरफ भारत वैश्विक सूचकांक में त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र श्रेणी में 6.91 के समग्र स्कोर के साथ 46वें स्थान पर है। सत्ताधारी जब तक लोकतंत्र की छांव में काम करते है तब तक वह लोगों के आधीन होकर लोकहित के लिए कार्य करते है, यानी लोकतंत्र सभ्य समाज की अहम आवश्यकता है। आज जब लोकतंत्र सूचकांक गिरता नज़र आता है तो लोकतांत्रिक शक्ति कमज़ोर होने का एहसास होता है। अतः आज ज़रूरत है कि लोग भेद भाव रहित कार्य करे? जब तक समाज कुरीतियों से बाहर निकल कर आगे नहीं बढ़ेगा तब तक लोकतंत्र का स्तर ऐसे ही नीचे गिरता रहेगा।

- **निखिल रस्तोगी**, कुरुक्षेत्र विवि

चीन को नसीहत

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के रवैये को लेकर आज जो चिंताजनक नाराजगी जताई है वह बेवजह नहीं है सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए चाइना ने आज जिस तरह की उदासी दिखाई है वह शर्मनाक है भारत चाहता है कि चाइना से अच्छे संबंध रहे मगर चायना अपनी विस्तार वादी नीति के कारण आज भी भारत के खिलाफ षड्यंत्र रच रहा है आज के समय में उसने अपनी सारी हदें पार कर दी है सीमा पर हुए समझौते की धज्जियां उड़ाते हुए गलवान जैसे गंभीर मुद्दे की धज्जियां उड़ाते हुए गलवान जैसे गंभीर विवाद को बार बार खड़े कर रहा है। आखिर कौन भूल सकता है कि चीनी सैनिको ने सीमा उल्लंघन करते हुए एक बड़ा हंगामा करने का प्रयास किया था उसी बात को लेकर अब तक 13 दौर की बातचीत हो चुकी है मगर अब तक चाइना अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है आज हर कोई चाहता है कि यह विवाद हमेशा के लिए अब खत्म हो। परंतु चायना अपनी और से नई नई चाल चल रहा है एवं भारत को विश्व मंच पर उकसाने के प्रयास में लगा हुआ है। आज सीमा पर शांति बनी रहे इसके लिए भारत हर तरह से कदम उठा रहा है एवं चाइना को हमारे विदेश मंत्री हर मंच पर कड़ा जवाब दे रहे हैं।

- **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

विज्ञान का दुरुपयोग

विज्ञान और तकनीकी ज्ञान के क्षेत्र में भारत सहित दुनिया ने बहुत तरक्की करी है। आज विज्ञान और एडवांस टेक्नोलॉजी ने वह संभव कर दिखाया है जो हमारी कल्पना से भी परे था। पर चुनौती के रूप में सबसे बड़ा प्रश्न हमारे समक्ष यह खड़ा है कि टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग करने वाले अपराधी एवं अराजक तत्वों पर कैसे लगाम लगाई जावे। सोशल मीडिया ने दुनिया में क्रांति ला दी है। पर इसी से वैमनस्यता का जहर भी फैलाया जा रहा है। विज्ञान के क्षेत्र में संभावनाएं अपार है। नवीनतम रिसर्च हमें और अधिक संसाधन, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं आरामदायक जीवन के साधन प्रदान करने में समर्थ है। हमारे वैज्ञानिकों एवं विज्ञान के क्षेत्र में नई नई खोज करने वालों पर यह सबसे बड़ी जिम्मेदारी बनती है कि विकास के साधनों से विनाश का द्वार न खुलने पाए। पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में विज्ञान अपनी भूमिका निभाये। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव कम करने के उपाय हो। साइबर अपराध रोकने के संबंध में ठोस नीति बने।

- **ललित महालकारी**, इंदौर

**पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।**

फरमाया

मणिपुर शेष पूर्वी एशिया के साथ व्यापार के लिए एक प्रवेश द्वार है।

- **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

अपने सहयोगियों को मजबूती प्रदान करने के लिए मैंने अतिरिक्त अमेरिकी सैन्य बलों को आगे बढ़ने के लिए अधिकृत किया है।

- **जो बाइडेन**
अमेरिकी राष्ट्रपति

भाजपा के छोटे नेता छोटे झूठ और बड़े नेता बढ़े झूठ बोलते हैं।

- **अखिलेश यादव**
सपा प्रमुख

हैट्रिक बनाने-बचाने का हथकंडा

एक प्रत्याशी तीसरी जीत और दूसरा हार से पार पाने को बेताब

● पांचवें चरण में होगा कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं की संतानों की किस्मत का फैसला

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

यूपी कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं की संतानें भी इस बार फिर चुनाव मैदान में हैं। इसके चलते सीधे तौर पर दोनों की ही प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। पांचवें चरण में इन दोनों की संतानों की किस्मत का फैसला होना है। दोनों नेताओं का पार्टी में अपना एक कद है और उन्हें कांग्रेस नेतृत्व का काफी करीबी भी माना जाता है। बात हो रही है पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी और पीएल पुनिया की। प्रमोद तिवारी के गढ़ प्रतापगढ़ की रामपुर खास विधानसभा सीट से एक बार फिर उनकी बेटी आराधना मिश्रा 'मोना' किस्मत आजमा रहीं हैं तो वहीं दूसरी तरफ पीएल पुनिया की कर्मस्थली बाराबंकी जिले की जैदपुर सीट से उनके बेटे तनुज पुनिया ताल ठोंक रहे हैं। प्रतापगढ़ और बाराबंकी जिले में पांचवें चारण में 27 फरवरी को मतदान होना है। इन दोनों प्रत्याशियों में अंतर सिर्फ इतना है कि आराधना मिश्रा मोना के सामने जहां जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती है तो वहीं तनुज पुनिया के सामने हार की हैट्रिक बचाने की चुनौती है।

आराधना मिश्रा

तनुज पुनिया

प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट पर दिग्गज नेता प्रमोद तिवारी लगातार नौ बार लगातार विधायक रहे हैं। इस सीट पर पिछले 42 सालों से कांग्रेस का कब्जा है। साल 2014 में कांग्रेस ने प्रमोद तिवारी को राज्यसभा के लिए नामित कर दिया था। जिसके बाद इस सीट पर हुए उपचुनाव में उनकी पुत्री आराधना मिश्रा मोना ने पहली बार उपचुनाव में अपनी किस्मत आजमायी थी। इस चुनाव में अपनी जीत दर्ज कराकर वह पहली बार विधानसभा पहुंचीं थीं। 2017 में हुए विधानसभा के चुनाव में उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर बीजेपी के नागेश प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार को 17 हजार से अधिक वोटों से हराकर लगातार दूसरी बार न सिर्फ जीत हासिल की बल्कि पिता की विरासत को भी बखूबी संभाले रखा। 2017 के चुनाव में भाजपा की प्रचंड लहर के बावजूद उन्होंने रामपुर खास के अपने अजेय दुर्ग पर कोई आंच नहीं आने दी जबकि कांग्रेस को इस चरण की अन्य किसी भी सीट पर जीत हासिल नहीं हो सकी थी। आराधना मिश्रा मोना वर्तमान में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के विधायक दल की नेता भी हैं।

प्रतापगढ़ जिले में प्रमोद तिवारी का आज भी पूरा दबदबा है। उनके विभिन्न राजनीतिक पार्टी के नेताओं से भी बड़े मधुर रिश्ते हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने उनकी बेटी आराधना मिश्रा मोना पर पूरा भरोसा जताया है। बीजेपी ने भी एक बार फिर नागेश प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार को उनके विरोध में उतारा है। वहीं सपा ने प्रमोद तिवारी से अपने संबंधों के चलते इस सीट से कोई प्रत्याशी नहीं दिया है। बसपा ने बांकेलाल पटेल एडवोकेट को रामपुर खास सीट से टिकट दिया है। इस सीट पर मुख्य मुकाबला आराधना मिश्रा मोना और नागेश प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार के बीच ही है। मोना इस बात का पूरा प्रयास कर रही हैं कि वह रामपुर खास सीट से अपनी जीत की हैट्रिक लगाने में कामयाब हों।

वहीं बाराबंकी जिले की जैदपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने एक बार फिर से पूर्व राज्यसभा सदस्य और पार्टी के दिग्गज नेता व चुनाव प्रचार अभियान समिति के प्रमुख पीएल पुनिया के बेटे तनुज पुनिया पर दांव लगाया है। तनुज पुनिया ने पहली बार 2017 के विधानसभा चुनाव में जैदपुर सीट से चुनाव लड़ा था। उन्होंने इस चुनाव में बीजेपी के उपेंद्र रावत को कड़ी टक्कर तो जरूर दी लेकिन उन्हें पराजय का स्वाद देखना पड़ा। वह 81883 वोट हासिल करके दूसरे स्थान पर रहे जबकि विजयी होने वाले उपेंद्र सिंह को 111064 वोट मिले। पहले चुनाव में मिली हार के बावजूद उन्होंने जैदपुर नहीं छोड़ा और अपनी जमीन तैयार करते रहे। 2019 में उपेंद्र कुमार को बीजेपी ने बाराबंकी लोकसभा सीट से टिकट दिया। उपेंद्र के चुनाव जीतकर सांसद बन जाने के बाद इस सीट पर उपुचनाव हुए। कांग्रेस ने उपुचनाव में तनुज पुनिया को एक बार फिर मौका दिया लेकिन वह इस बार भी कामयाब नहीं हो सके। उपचुनाव में तो उनका ग्राफ और गिरा और वह तीसरे नंबर पर चले गए। उपचुनाव में सपा प्रत्याशी गौरव कुमार ने 78172 वोट हासिल कर बीजेपी से यह सीट छीन ली। बीजेपी प्रत्याशी अंबरीश कुमार को 74007 वोट मिले जबकि तनुज पुनिया को 43983 वोट हासिल हुए। मौजूदा विधानसभा चुनाव में इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला है। सपा की ओर से उनके वर्तमान विधायक गौरव कुमार मैदान में हैं जबकि बीजेपी ने अंबरीश रावत को प्रत्याशी बनाया है। बसपा से उषा गौतम चुनाव मैदान में हैं। तनुज पुनिया के सामने इस बार हार की हैट्रिक बचाने की चुनौती है।

अयोध्या-प्रयागराज से लेकर चित्रकूट जैसे तीर्थस्थलों से दलों को आस

● पिछले चुनाव में बसपा के खाते में महज तीन सीटें आई थीं, 13 पर थी दूसरे स्थान पर

सतीश सिंह। लखनऊ

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के बीच चौथे चरण के मतदान के बाद राजनीतिक दलों की निगाह पांचवें चरण को लेकर टिकी हैं। पांचवे चरण में भगवान राम जुड़े तीन प्रमुख तीर्थ स्थल अयोध्या-प्रयागराज-चित्रकूट जैसे जिले आते हैं। वहीं श्रावस्ती भगवान बुद्ध से जुड़ा हुआ है। इनमें अयोध्या-प्रयागराज का नाम भाजपा शासनकाल में बदल दिया गया था। पांचवे चरण में आने वाले 12 जिलों की 61 सीटों में से पिछले चुनाव में भाजपा के खाते में 47 सीटें आई थी। जबकि समाजवादी पार्टी के खाते में 5, बसपा के खाते में 3, कांग्रेस के खाते में 1, अपना दल (सोनेलाल) के खाते में 3 और निर्दलीय के रूप में रघुराज प्रताप सिंह और बाबा सरोज ने जीत दर्ज की थी। ऐसे में इस बार भी इन सीटों पर ध्रुवीकरण के पूरे आसार हैं। इस ध्रुवीकरण को रोकने में बसपा सहित अन्य पार्टियां कितनी सफल होगी, यह तो नतीजे आने के बाद स्थिति साफ होगी। फिलहाल, इस चुनाव से बसपा को काफी उम्मीदें हैं।

पांचवे चरण के चुनाव प्रचार के बीच जिस तरह से गुरुवार को अयोध्या में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भीड़ के बीच रोड शो किया है, उस हिसाब से देखा जाय तो भाजपा पिछली बार की अपेक्षा इस बार ज्यादा सीटें लाने को आतुर है। भाजपा की राह में आवारा जानवर, रोजगार, मंहगाई जैसे मुद्दे जरूर रोड़ा बन सकते हैं। विधानसभा चुनाव में इस बार टिकट बंटवारे में बसपा ने अपने दलित-मुस्स्मि-ब्राह्मण समीकरण को ध्यान में रखते हुए 15 सीटों पर अनुसूचित जाति के और 9 सीटों पर मुस्लिम चेहरे को उम्मीदवारों के तौर पर उतारा है। बसपा की कोशिश 2007 के नतीजे दोहराने की है। 2012 के चुनाव में भी बसपा को यहां से सिर्फ 7 सीटें मिली थी। जबकि पार्टी 35 सीटों पर रनर की भूमिका में दूसरे नंबर पर रही। जहां तक पिछले चुनाव की बात है तो पार्टी के खाते में महज प्रतापपुर-हंडिया-भिनगा सीट ही आई थी। इस बार पार्टी पूरी तरह से दूसरे नंबर पर आई सीटों पर मजबूती से लड़ रही है। अब यह मजबूती वोटों में कितना तब्दील हो पाती है, इसका सही आकलन नतीजे आने के बाद पता चल सकेंगे।

भाजपा और सपा से आने वालों पर भी भरोसा

पांचवे चरण में बारा सीट से भाजपा के टिकट पर निर्वाचित डॉ. अजय कुमार इस बार बसपा के टिकट पर मैदान में है। वहीं पिछले चुनाव में सपा के टिकट पर मैदान में उतरे रूदौली सीट से अब्बास अली जैदी भी इस बार हाथी की सवारी कर रहे हैं। बारा सुरक्षित सीट पर इस बार भाजपा-अपना दल एस से वाचस्पति मैदान में हैं तो वहीं सपा से अजय मुन्ना और कांग्रेस से मंजू संत मैदान में हैं। वहीं रूदौली से भाजपा से हैट्रिक बना चुके रामचंद्र यादव मैदान में है। वहीं सपा से आनंदसेन यादव और कांग्रेस से दयानंद शुक्ल मैदान में हैं।

छठे चरण में भी बाहुबलियों धनबलियों का बोलबाला

● 35 प्रतिशत उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता 5वीं और 12वीं के बीच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के छठवें चरण में भी बाहुबलियों और धनबलियों का पूर्व की तरह ही बोलबाला है। छठें चरण में जहां 27 फीसद दागी किस्मत आजमा रहे हैं, वहीं 38 फीसद धनकुबेर भी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। गुरुवार को उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने 676 में से 670 उम्मीदवारों के शपथपत्रों के आधार पर रिपोर्ट जारी की है जो 57 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे है। वही 6 उम्मीदवारों का शपथपत्र स्पष्ट ना होने के कारण उनका विश्लेषण नहीं किया जा सका। छठे चरण के चुनाव को लेकर रिपोर्ट जारी करते हुए उत्तर प्रदेश इलेक्शन बाद के प्रमुख संयोजक संजय सिंह ने कहा कि धनबालियों और बाहुबालियों का होना चुनावी राजनीति का एक अहम हिस्सा होता जा रहा है। उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच एडीआर द्वारा अब तक पांच चरणों की रिपोर्ट जारी की जा चुकी है आज उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए हो रहे निर्वाचन के छठें चरण की रिपोर्ट जारी की जा रही है। इस रिपोर्ट के आधार पर निकल कर आया कि चुनावी प्रत्याशियों में बाहुबली और धनबलियों का प्रतिशत लगातार बढ़ता जा रहा है जो चिंता का विषय है। एडीआर की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामले 670 में से 182 यानी 27 फीसद उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है वहीं गंभीर आपराधिक मामले 151 यानी 23 फीसद है। समाजवादी पार्टी के 48 में से 40 यानी 83 फीसद बीजेपी के 52 में से 23 यानी 44 फीसद कांग्रेस के 56 में से 22 यानी 39 फीसद बसपा के 57 में से 22 यानी 39 फीसद और 51 में से 7 यानी 14 फीसद आप पार्टी के उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषत किये हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के छठें चरण में 57 में से 37 यानी 65 फीसद संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र है, जहाँ 3 या उससे अधिक उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है।

दागियों में सहजनवां सीट से बसपा उम्मीदवार सुधीर सिंह पहले नंबर पर

छठे चरण में उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों में पहले स्थान पर बहुजन समाज पार्टी से सुधीर सिंह हैं जो गोरखपुर के सहजनवा विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं जिनके ऊपर 26 मामले दर्ज हैं। दूसरे स्थान पर कुशीनगर जनपद के खड्डा विधानसभा सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अशोक चौहान हैं जिनके ऊपर 19 मामले और तीसरे स्थान पर आज़ाद समाज पार्टी के गोरखपुर विधानसभा क्षेत्र से चन्द्र शेखर है जिनके ऊपर 16 मामले दर्ज है।

52 फीसद उम्मीदवार की आयु 41 से 60 वर्ष के बीच

226 यानी 34 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी आयु 25 से 40 वर्ष के बीच घोषित की हैं। जबकि 346 यानी 52 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच घोषित की हैं। 98 यानी 15 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच घोषित की हैं। छठें चरण में 65 यानी 10 फीसद महिला उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं।

38 फीसद धनकुबेर, विनय शंकर तिवारी पहले नंबर पर

हम करोड़पति उम्मीदवारों कि बात करे तो 670 में से 253 यानी 38 फीसद छठें चरण में करोड़पति उम्मीदवार है। हमारे चुनाव में धनबल की भूमिका इस बात से स्पष्ट होती है कि सभी प्रमुख राजनीतिक दल धनी उम्मीदवारों को टिकट देते है। समाजवादी पार्टी के 48 में से 45 यानी 94 फीसद बीजेपी के 52 में से 42 यानी 81 फीसद बसपा के 57 में से 44 यानी 77 फीसद कांग्रेस के 56 में से 26 यानी 46 फीसद और 51 में से 14 यानी 28 फीसद आप पार्टी के उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनमें पहले स्थान में समाजवादी पार्टी के जनपद गोरखपुर से चिल्लूपार विधानसभा से उम्मीदवार विनय शंकर है जिन्होंने अपनी संपत्ति 67 करोड़ बतायी है। दूसरे स्थान पर जनपद अम्बेडकर नगर के जलालपुर विधानसभा सीट से समजवादी पार्टी के राकेश पांडेय है जिनकी संपत्ति 63 करोड़ हैं। वहीं तीसरे स्थान पर बहुजन समाज पार्टी के जनपद बलिया के रसरा विधानसभा सीट से उमा शंकर सिंह हैं जिन्होंने अपनी संपत्ति 54 करोड़ बतायी है। छठे चरण में उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति 2.10 करोड़ है। वहीं 256 यानी 38 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी देनदारी घोषित की है जबकी 44 यानी 7 फीसद उम्मीदवारों ने अपना पैन विवरण घोषित नहीं किया हैं।

35 फीसद उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता इंटर तक

छठें चरण में 234 यानी 35 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता 5वीं और 12वीं के बीच घोषित की है। जबकि 382 यानी 57 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा घोषित की हैं। 6 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा धारक घोषित की हैं। वहीं 44 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता साक्षर और 3 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता असाक्षर घोषित की है। 1 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता घोषित नहीं की है।

कुंडा में इस बार घिर गए रघुराज

भाषा। कुंडा (प्रतापगढ़)

बाहुबली नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को उनके पुराने समय के सहयोगी समाजवादी पार्टी के गुलशन यादव मौजूदा विधानसभा चुनाव में कुंडा में कड़ी चुनौती दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी, जिसने पिछले 15 वर्षों में इस सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था, ने इस बार अपने उम्मीदवार को राजा भैया के लिए विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देने के लिए मैदान में उतारा है। प्रतापगढ़ के कुंडा और अन्य विधानसभा क्षेत्रों में 27 फरवरी को पांचवें चरण में मतदान होना है। 1993 के बाद से छह बार विधायक रहे राजा भैया, जो हमेशा विवादों में रहते हैं। वह सुर्खियों में तब आए थे जब 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने उन्हें गिरफ्तार करवा कर उनके खिलाफ आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पोटा) भी लगाया था। वर्ष 2003 में मुलायम सिंह यादव की सरकार बनने के तुरंत बाद उनके खिलाफ पोटा सहित सभी आरोप हटा दिए गए और उनका राजनीतिक कद रातोंरात बढ़ गया। इसके बाद से उनका सपा के साथ संबंध बना रहा और पार्टी ने उनके खिलाफ 2007, 2012 और 2017 के तीन चुनावों में उम्मीदवार नहीं उतारा।

इस बार समाजवादी पार्टी ने पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष गुलशन यादव को मैदान में उतारा और वह एक आक्रामक अभियान के साथ मैदान में हैं। लोगों का मानना है कि मौजूदा विधायक द्वारा लड़े गए किसी भी पिछले चुनाव में ऐसा मुकाबला नहीं देखा गया था। राजा भैया ने पिछले छह कार्यकालों - 1993, 1996, 2002, 2007, 2012 और 2017 के लिए एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में सभी लहरों और चुनौतियों का सामना करते हुए जीत हासिल की थी। पिछले चुनाव में उनकी जीत का अंतर करीब 1.04 लाख वोटों का था। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने राजा भैया को कुंडा का गुंडा कहा था और यह खिताब राजनीतिक हलकों में तबसे बना हुआ है। कहा जाता है कि वह कुंडा में अपने परिवार के तालाब में अपने दुश्मनों को मगरमच्छों को खिलाते थे, लेकिन राजा भैया इससे इनकार करते हैं। सपा प्रत्याशी गुलशन यादव ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह पहली बार है जब राजा भैया और उनके समर्थक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे हैं, पहले वह अपने समर्थकों की बैठक बुलाते थे और चुनाव के दौरान ड्यूटी सौंपते थे। यादव ने कहा कि उन्होंने यहां कोई विकास नहीं किया है, अगर कोई विकास हुआ तो वह केवल एक जाति के लिए था। यादव के मुताबिक उन्हें पहले समाजवादी पार्टी या किसी अन्य पार्टी का वोट मिलता था, जो आसान जीत सुनिश्चित करता था, लेकिन इस बार चीजें अलग हैं।

53 वर्षीय राजा भैया ने हाल ही में लखनऊ में मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की थी और संकेत दिया था कि उन्हें एक बार फिर उनका और उनकी पार्टी का समर्थन मिलेगा। लेकिन मुलायम का आशीर्वाद लेने के कुछ दिनों के भीतर ही अखिलेश यादव ने उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया था। राजा भैया के बारे में पूछे जाने पर अखिलेश ने मीडियाकर्मियों से पूछा था, राजा भैया कौन हैं? लगभग 3.5 लाख मतदाताओं वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में अन्य जातियों के अलावा यादव (80,000), पटेल (50,000), पासी (50,000), ब्राह्मण और मुस्लिम (दोनों लगभग 45,000 प्रत्एक) की बड़ी संख्या है और ठाकुर लगभग 15,000 हैं। राजा भैया ठाकुर हैं। राजा भैया, जिन्होंने अपनी पार्टी जनसत्ता दल का गठन किया और 19 अन्य सीटों पर भी उम्मीदवार खड़े किए हैं। वह अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं। राजा भैया ने कहा, यह पहली बार नहीं है जब सभी दलों ने मेरे खिलाफ उम्मीदवार खड़े किए हैं, 1993 में सपा-बसपा दोनों ने मिलकर संयुक्त उम्मीदवार दिए थे, भाजपा, जनता दल ने भी इस सीट पर चुनाव लड़ा था। मौली गांव के एक बुजुर्ग अबरार अहमद, को लगता है कि राजा भैया के खेमे में कुछ गतिविधि है क्योंकि इस बार उनका समर्थन करने वाले सपा का कैडर वोट इस बार स्थानांतरित हो रहा है। भगवंत चौराहे पर अपनी कपड़ा दुकान में बैठे राजेश कुमार त्रिपाठी और उनके दोस्तों, स्वघोषित भाजपा समर्थकों का कहना है कि उन्हें मौजूदा विधायक पर पूरा भरोसा है और उनके द्वारा किए गए कई कार्यों का हवाला देते हैं। त्रिपाठी ने बताया, यह कहना गलत है कि वह केवल अपने जाति के लोगों के लिए काम कर रहा है। हाल ही में एक मुस्लिम युवक को उसके ही समर्थकों ने पीटा था और राजा ने खुद निर्देश दिया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए।

भाजपा के जातिगत समीकरण को बिगाड़ने की जुगत में लगी सपा

भाषा। शिवपुर, गाजीपुर

पूर्वी उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र यानी पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के मजबूत सामाजिक समीकरण को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रही है, जबकि सत्तारूढ़ दल अपने जातिगत समीकरण को नुकसान पहुंचने से बचाने के पूरे प्रयास कर रहा है। भाजपा की सहयोगी रहने के बाद अब सपा के साथ आई ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अपने समुदाय के मतों का एक बड़ा हिस्सा खींच सकती है, वहीं मौर्य-कुशवाहा मतदाताओं का वर्ग 2014 से हर चुनाव में सत्ताधारी पार्टी को मजबूत समर्थन देने के बावजूद उसकी ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिए जाने की शिकायत कर रहा है। शिवपुर सीट भाजपा और सपा दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां 2017 में 54,000 से अधिक मतों से जीतने वाले उत्तर प्रदेश के मंत्री एवं भाजपा उम्मीदवार अनिल राजभर के सामने सपा ने सुभासपा की ओर से ओम प्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर को खड़ा करके मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। संदहा गांव में सुभासपा और भाजपा दोनों दलों के झंडे कुछ राजभर परिवारों के घर के ऊपर लहरा रहा है। गांव के राम निवास राजभर कोरोना वायरस के दौरान उनके परिवार को मुफ्त राशन सुनिश्चित करने के लिए सत्तारूढ़ दल की सराहना करते हैं, तो उनके रिश्तेदार अरविंद राजभर क्षेत्रीय दल का जिक्र करते हुए बिरादरी के नेता अरविंद का समर्थन कर रहे हैं। इस परिवार के एक सदस्य ने कहा, हमारे मत हर जगह बंटे हुए है। कई भाजपा का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन कौन सी जाति अपने नेताओं का समर्थन नहीं करती? भाजपा ने जहूराबाद से सुभासपा प्रमुख के खिलाफ कालिचरण राजभर को खड़ा किया है। भाजपा सहयोगी के तौर पर ओम प्रकाश राजभर ने 2017 में कालिचरण राजभर को हराया था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कई स्थानों पर उन जातियों के उम्मीदवारों को खड़ा किया है, जिन्हें पार्टी के पारंपरिक समर्थक नहीं समझा जाता है, ताकि उसे मुसलमानों और यादव समर्थकों के अलावा अन्य जातियों का समर्थन हासिल हो सके। सपा ने गाजीपुर सदर सीट से जय किशन साहू को भाजपा की संगीता बलवंत के खिलाफ टिकट दिया है।

सुभासपा के अलावा भाजपा सहयोगी अपना दल एवं निषाद पार्टी पूर्वांचल में मजबूत हो रही हैं, लेकिन कुछ अन्य पिछड़ा वर्गों को लग रहा है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। मनोज मौर्य और नेमचंद मौर्य अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता हैं, लेकिन दोनों की समान शिकायत है कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की कथित तौर पर अनदेखी की गई है और भाजपा को लगातार समर्थन देने के बावजूद उनके समुदाय पर ध्यान नहीं दिया गया। नुकसान की भरपाई करते हुए भाजपा ने हाल में बसपा के सुजीत कुमार मौर्य सहित कई स्थानीय प्रभावशाली नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल किया। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा को ऊंची समझी जाने वाली जातियों और कुर्मी जैसी ओबीसी जातियों का समर्थन प्राप्त है और सपा के पास मुसलमान और यादव समुदाय का समर्थन है। ऐसे में शेष बची जातियां इन चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। नैसारा गांव के राम सागर प्रजापति ने भाजपा के कार्यकाल में तीन मुख्य समस्याओं के रूप में बेरोजगारी, महंगाई और आवारा मवेशियों का जिक्र किया, लेकिन साथ ही कहा, सपा के कार्यकाल में हमें दिन और रात में छह-छह घंटे ही विद्युत आपूर्ति मिलती थी। चीजें अब बहुत बेहतर हैं और सड़कों पर पहले से सुरक्षित माहौल है। प्रजापति की बात को राकेश सिंह यादव और उनके साथियों ने ध्यान से सुना, लेकिन दावा किया कि अखिलेश यादव भाजपा को हरा, देंगे क्योंकि लोगों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्वांचल में अंतिम दो चरणों में तीन मार्च और सात मार्च को मतदान होगा।

कृषि को आधुनिक और उन्नत बनाने को आगे आए उद्योग जगतः मोदी

भाषा। नई दिल्ली

खाद्य तेलों और दालों का आयात कम करने की जरूरत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को उद्योग जगत से कहा कि इन आवश्यक खाद्य पदार्थों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए वह आगे आएं और किसानों की मदद करें। आम बजट में कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के प्रावधानों पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने भारतीय औद्योगिक घरानों से भारतीय मोटे अनाजों की ब्रैंडिंग और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आगे आने का आग्रह किया।

सिंचाई के क्षेत्र में नवाचारों पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पर ड्रॉप मोर क्रॉप पर सरकार का बहुत जोर है और यह समय की मांग भी है। उन्होंने कहा कि इसमें भी व्यापार जगत के लिए बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने सरकार की मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का उल्लेख करते हुए स्टार्ट अप और निजी क्षेत्र से नियमित अंतराल पर मिट्टी की जांच की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए आगे आने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना और बीज से बाजार तक उन्हें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सरकार की प्राथमिकता है और इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए आम बजट-2022 में कृषि को आधुनिक और उन्नत बनाने के रास्ते सुझाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना आज देश के छोटे किसानों का बहुत बड़ा संबल बनी है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत देश के 11 करोड़ किसानों को लगभग पौने दो लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं।

मोदी ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना, खेती का खर्च कम करना और बीज से बाजार तक खेती की आधुनिक सुविधाएं देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सात सालों में सरकार ने बीज से बाजार तक अनेक नई व्यवस्थाएं तैयार की है और पुरानी व्यवस्थाओं में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ छह सालों में कृषि बजट कई गुना बढ़ा है और किसानों के लिए कृषि ऋण में भी 7 सालों में ढाई गुना की बढ़ोतरी की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आम बजट में कृषि को आधुनिक और स्मार्ट बनाने के लिए कई रास्ते सुझाए गए हैं, जिनमें गंगा के दोनों किनारों पर पांच किलोमीटर के दायरे में प्राकृतिक खेती को मिशन मोड पर कराने का लक्ष्य भी शामिल है। उन्होंने कहा इसके अलावा बजट में कृषि और बागवानी में आधुनिक प्रौद्योगिकी किसानों को उपलब्ध कराने, खाद्य तेल के आयात को कम करने के लिए मिशन ऑयल पाम को सशक्त करने, खेती से जुड़े उत्पादों के परिवहन के लिए पीएम गति-शक्ति प्लान द्वारा नई व्यवस्थाएं बनाए जाने, कृषि कचरा प्रबंधन को अधिक संगठित करने और वेस्ट टू एनर्जी के उपायों से किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर बल दिया गया है। साल 2023 के मोटे अनाजों का अंतरराष्ट्रीय वर्ष होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, इसमें भी हमारा कॉरपोरेट जगत आगे आए, भारत के मिलेट्स की ब्रैंडिंग करे, प्रचार करे।

उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे देशों में जो बड़े मिशन हैं, वह भी अपने देशों में बड़े-बड़े सेमीनार करें औ वहां के लोगों को जागरूक करें कि भारत के मोटे अनाज कितने उत्तम हैं। भारत में मृदा परीक्षण संस्कृति को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने स्टार्टअप्स से नियमित अंतराल पर मृदा परीक्षण के कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कि छोटे किसानों को बहुत लाभ देने के लिए सूक्ष्म सिंचाई तंत्र को मजबूत किया गया है और इन प्रयासों के कारण किसान आज रिकॉर्ड पैदावार कर रहे हैं।

ऑनलाइन पेंशन सेवा के लिए सीएससी ई-गवर्नेंस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने देशभर में चार लाख से अधिक सामान्य सेवा केंद्रों पर ऑनलाइन पेंशन सेवाएं प्रदान करने के लिए सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एमओयू पेंशनभोगियों, विशेष रूप से देश के दूरदराज के इलाकों में रहने वालों और जिनके पास पेंशन प्रशासन-रक्षा (स्पर्श) के लिए प्रणाली पर लॉग ऑन करने के लिए साधन या तकनीकी साधन नहीं हैं, को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इसने उल्लेख किया कि इन पेंशनभोगियों के लिए सेवा केंद्र स्पर्श के वास्ते एक इंटरफ़ेस बन जाएंगे और पेंशनभोगियों को प्रोफ़ाइल अद्यतन अनुरोध करने, शिकायत दर्ज करने और निवारण, डिजिटल वार्षिक पहचान, पेंशनभोगी डेटा सत्यापन या उनकी मासिक पेंशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए एक प्रभावी माध्यम प्रदान करेंगे। बयान में कहा गया कि स्पर्श को रक्षा पेंशनभोगियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है जिन्हें एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उनके पेंशन खाते का पूरी तरह से पारदर्शी विवरण दिया जाएगा।

पीएमएलए के तहत 4,850 मामलों की जांच, 98,368 करोड़ जब्तः सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि पिछले 17 वर्षों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 4,850 मामलों की जांच की गई है और इसमें अपराध की 98,368 करोड़ रुपए की राशि की पहचान की गई और कानून के प्रावधान के तहत इसे जब्त किया गया। सरकार ने न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि इन अपराधों की जांच पीएमएलए के तहत की गई, जिसमें 2,883 तलाशी लेना भी शामिल है। उच्चतम न्यायालय पीएमएलए के कुछ प्रावधानों की व्याख्या से संबंधित कई याचिकाओं पर दलीलें सुन रहा है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि आतंकवाद और नक्सल वित्तपोषण के 57 मामलों की जांच में अपराध की ।,249 करोड़ रुपए की राशि की पहचान की गई है और अपराध की 982 करोड़ रुपए की राशि यानी 256 संपत्तियों को जब्त किया गया और 37 अभियोजन शिकायतें दर्ज करना और पीएमएलए के तहत दो आतंकवादियों को दोषी ठहराया गया। मेहता ने न्यायमूर्ति एएम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सी. टी रविकुमार की पीठ को बताया, इसके अलावा, सक्षम अदालत के आदेश के तहत पहले ही अपराध की 853.16 करोड़ रुपए की राशि को जब्त कर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 17 वर्षों में, पीएमएलए के तहत जांच के लिए 4,850 मामले सामने हैं। इन अपराधों के लिए जांच के लिए 2,883 स्थानों पर तलाशी ली गई। मेहता ने कहा कि वर्तमान मामलें, जो पीठ के समक्ष विचाराधीन हैं, में कुल 67,000 करोड़ रुपए से अधिक का कथित धनशोधन शामिल है। सॉलिसिटर जनरल ने बुधवार को अपनी दलीलों के दौरान भगोड़े अपराधियों विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी की 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति की कुर्की से संबंधित आंकड़े का उल्लेख किया।

मेहता ने कहा कि यह प्रस्तुत किया जाता है कि अपराध की राशि की समय पर कुर्की के कारण तीन भगोड़े अपराधियों विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी द्वारा 22,585.83 करोड़ रुपए की कुल धोखाधड़ी में से 19,111.20 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है। मेहता ने बुधवार को शीर्ष अदालत को बताया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अब तक 4,700 मामलों की जांच की जा रही है, और पीएमएलए के लागू होने के बाद से कथित अपराधों के लिए 313 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

नवाब मलिक को घर का खाना खाने की अनुमति मिली

भाषा। मुंबई

एनसीपी नेता नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता

मुंबई की एक विशेष अदालत ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में रहने के दौरान घर का खाना और दवाइयां मांगी थी। अदालत ने उनके वकील को पूछताछ के दौरान उपस्थित होने की भी अनुमति दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता मलिक को बुधवार को ईडी ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े एक कथित धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। तीन मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजे जाने के बाद मलिक के वकील ने एक अर्जी दाखिल कर उन्हें घर का खाना और दवाइयां देने का अनुरोध किया था।

धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश आर.एन. रोकड़े ने याचिका को मंजूर कर लिया। अदालत ने मलिक की उस अपील को भी स्वीकार कर लिया जिसमें केंद्रीय एजेंसी द्वारा पूछताछ के दौरान वकील की उपस्थिति का अनुरोध किया गया था।

अदालत ने कहा कि वकील भूमिका गडा पूछताछ के दौरान उपस्थित हो सकती हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें उचित दूरी पर रहना होगा। अदालत ने कहा कि वह पूछताछ के दौरान आरोपी के साथ कोई परामर्श नहीं करेंगी। साथ ही वकील को किसी भी तरह से जांच में हस्तक्षेप नहीं करना।

बुधवार को करीब पांच घंटे तक पूछताछ के बाद मलिक को पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया गया था। ईडी का मामला भगोड़े गैंगस्टर दाउद इब्राहिम और अन्य के खिलाफ हाल ही में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। एनआईए ने गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज की थी।

अदालत ने गोवा के 12 विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिका खारिज करने का फैसला कायम रखा

भाषा। पणजी

बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने बृहस्पतिवार को विधानसभा अध्यक्ष के उस आदेश को कायम रखा जिसमें उन्होंने 2019 में अपनी-अपनी पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने वाले 12 विधायकों को विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य ठहराने की मांग वाली दो याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश चोडनकर ने दावा किया कि यह (फैसला) भाजपा नीत केंद्र सरकार की धनबल से जनादेश को बदल देने की राजनीति को बढ़ावा देगा। दूसरी तरफ, भाजपा ने यह कहते हुए इस आदेश का स्वागत किया कि लोकतंत्र एवं संवैधानिक जनादेश की जीत हुई है। चोडनकर ने उन 10 पार्टी विधायकों को विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य ठहराने के लिए याचिका दायर की थी, जो जुलाई 2019 में भाजपा में शामिल हो गए थे। चोडनकर ने अध्यक्ष को दी गई याचिका में दलील दी थी कि सभी दस विधायक अपनी मूल पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता रखने के पात्र नहीं हैं, इसलिए संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत वे (विधानसभा की) सदस्यता रखने के योग्य नहीं हैं।

महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के विधायक सुदीन धवलिकर ने भी अपने दो विधायकों के खिलाफ ऐसी ही याचिका दायर की थी, जो इस क्षेत्रीय दल से अलग होकर भाजपा में शामिल हो गए थे। गोवा विधानसभा के अध्यक्ष राजेश पाटनेकर ने पिछले साल 20 अप्रैल को चोडनकर और धवलिकर की संबंधित याचिकाएं खारिज कर दी थीं। बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति मनीष पिताले और न्यायमूर्ति आर एन लड्ढा की पीठ ने कहा कि दोनों याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

बेंगलुरु के कॉलेज ने सिख लड़की को पगड़ी हटाने को कहा

भाषा। बेंगलुरु

हिजाब विवाद पर कर्नाटक उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के बाद राज्य के एक कॉलेज ने अमृतधारी सिख लड़की को पगड़ी हटाने के लिए कहा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने हालिया अंतरिम आदेश में हिजाब विवाद से संबंधित सभी याचिकाओं पर निर्णय होने तक राज्य के सभी छात्रों के कक्षा के भीतर भगवा शॉल, स्कार्फ, हिजाब और किसी भी धार्मिक पहचान को धारण करने पर रोक लगाई है।

कॉलेज के अधिकारियों ने कहा कि 16 फरवरी को जब दोबारा शैक्षणिक संस्थान खुले तो उन्होंने छात्रों को अदालत के आदेश के बारे में सूचित किया।पूर्व-विश्वविद्यालय शिक्षा उप निदेशक ने इस सप्ताह के शुरुआत में कॉलेज के अपने दौरे के दौरान हिजाब में कॉलेज आई लड़कियों के एक समूह को अदालत के आदेश के बारे में सूचित किया और उनसे इसका पालन करने के लिए कहा।

दाऊद के भाई इकबाल कासकर को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

धनशोधन मामला

भाषा। मुंबई

मुंबई की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में दाऊद के भाई इकबाल कासकर को बृहस्पतिवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अंडरवर्ल्ड से जुड़ी संपत्ति और हवाला सौदों में धनशोधन की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले शुक्रवार को कासकर को नवी मुंबई की तलोजा जेल से हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया था, जहां वह जबरन वसूली के कई मामलों के सिलसिले में बंद था।

बृहस्पतिवार को कासकर को ईडी की हिरासत पूरी होने पर विशेष न्यायाधीश एम जी देशपांडे के समक्ष पेश किया गया। चूंकि केंद्रीय जांच एजेंसी ने और हिरासत नहीं मांगी, इसलिए अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

ईडी ने बुधवार को महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री एवं राकांपा नेता नवाब मलिक को दाऊद इब्राहिम, उसके सहयोगियों और मुंबई अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। एक विशेष पीएमएलए अदालत ने मलिक को 3 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में भेज दिया था। ईडी अंडरवर्ल्ड के संचालन और संबंधित अवैध संपत्ति सौदों और हवाला लेनदेन की जांच कर रहा है। पिछले सप्ताह ईडी ने मुंबई में कुछ स्थानों पर छापे मारे थे, जिनमें दाऊद इब्राहिम की दिवंगत बहन हसीना पारकर, कासकर और गैंगस्टर छोटा शकील के एक रिश्तेदार से जुड़े स्थल शामिल थे। यह कार्वाई धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धाराओं के तहत की गई थी।

आरएस पुरा सेक्टर में ड्रोन से गिराए गए हथियारों क जखीरा बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आरएस पुरा सेक्टर में एक ड्रोन द्वारा गिराए गए हथियारों का जखीरा बरामद किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) द्वारा पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के इशारे पर जम्मू जिले के आरएस पुरा-अरनिया इलाके में ड्रोन भेजने और हथियार गिराए जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने कहा कि अभियान के दौरान अरनिया सेक्टर के त्रेवा गांव में दो मैगजीन, 70 कारतूस, एक पिस्तौल, तीन डेटोनेटर, तीन रिमोट से नियंत्रित आईईडी, तीन बोतल विस्फोटक, कोर्टेक्स वायर का एक बंडल, दो टाइमर आईईडी और छह ग्रेनेड बरामद हुए।

यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद, कीव जा रहा एअर इंडिया का विमान वापस बुलाया गया

भाषा। नई दिल्ली

रूस की सैन्य कार्रवाई के बाद यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद कर दिए जाने के बाद भारतीय नागरिकों को वहां से लाने के लिए बृहस्पतिवार को रवाना हुए एअर इंडिया के विमान को दिल्ली वापस बुला लिया गया।

दिल्ली से बृहस्पतिवार सुबह विमान के रवाना होने के बाद यूक्रेन के अधिकारियों ने एक एनओटीएएम (नोटिस टू एयरमेन) जारी किया जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन के अंदर नागरिक विमान की उड़ानों पर नागरिक उड्डयन के लिए संभावित खतरे के कारण रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि तब एअर इंडिया और केन्द्र सरकार ने विमान को वापस दिल्ली बुलाने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि तब विमान ने ईरान के हवाई क्षेत्र से दिल्ली के लिए वापसी की। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या 1947 वापस आ रही है क्योंकि कीव ने एनओटीएएम जारी किया है। विमान ने सुबह साढ़े सात बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कीव के लिए उड़ान भरी थी। यह विमान बृहस्पतिवार को अपराह्न लगभग एक बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लौट आया। इस बीच यूक्रेन इंटरनेशनल एयरलाइंस का एक विमान सुबह लगभग पौने आठ बजे कीव से दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचा। एसटीआईसी समूह की निदेशक अंजू वरिया ने बताया कि विमान में 182 भारतीय नागरिक सवार थे और उनमें से अधिकतर छात्र हैं। कई सप्ताह तक तनाव बढ़ने के बाद रूस ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन के विरूद्ध सैन्य अभियान की घोषणा की है।

भारत के रुख से यूक्रेन के राजदूत असंतुष्ट

नई दिल्ली। यूक्रेन के राजदूत इगोर पोलिखा ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस के सैन्य आक्रमण के कारण उत्पन्न संकट पर भारत के रुख को लेकर उनका देश काफी असंतुष्ट है। साथ ही उन्होंने स्थिति को सामान्य बनाने के लिए भारत से समर्थन मांगा। भारत में यूक्रेन के राजदूत ने कहा कि रूस के साथ भारत के विशेष संबंध हैं और स्थिति को सामान्य बनाने के लिए वह अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी उन कुछ गिने-चुने नेताओं में शामिल शामिल हैं जिनकी बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सुनते हैं तथा नई दिल्ली, मास्को के साथ इस निकटता का उपयोग स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कर सकता है।

श्रीनगर में भारी हिमपात के बाद डल झील के आसपास जमी बर्फ को हटाता एक शिकारावाला

हिजाब प्रकरण में कर्नाटक सरकार ने अदालत में सीएफआई का ब्योरा सौंपा

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय में कहा कि उडुपी में गवर्नमेंट प्री यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज में कुछ अध्यापकों को कथित रूप से धमकी देने को लेकर कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) के कुछ सदस्यों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सुनवाई शुरू होने पर राज्य के महाधिवक्ता प्रभुलिंग नवाडगी ने उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ से कहा कि प्राथमिकी दर्ज की गई और उन्होंने सीएफआई से जुड़ा विवरण सीलबंद लिफाफे में पीठ को दे दिया है।

मुख्य न्यायाधीश ऋतु राज अवस्थी, न्यायमूर्ति जेएम खाजी, न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित की पूर्ण पीठ हिजाब मामले की सुनवाई कर रही है। नवाडगी ने पीठ ने कहा, किसी संगठन के विरूद्ध वकील एस एस नगानंद द्वारा रखी गई बातों के संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। बुधवार को अदालत ने राज्य सरकार से सीएफआई की भूमिका के बारे में जानना चाहा था। एक जनवरी को उडुपी में एक महाविद्यालय की छह छात्राओं ने सीएफआई के एक संवाददाता सम्मेलन में हिस्सा लिया जिसे इस संगठन ने हिजाब पहनकर कक्षाओं में जाने से रोकने के महाविद्यालय प्रशासन के फैसले के विरूद्ध आयोजित किया गया था।

चार दिन पहले इन छात्राओं ने प्राचार्य से हिजाब में कक्षा में जाने देने का अनुरोध किया था लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं मिली थी। प्राचार्य रूद्रे गौड़ा ने कहा था कि तबतक छात्राएं हिजाब पहनकर महाविद्यालय परिसर में आती थीं लेकिन वे उसे हटाने के बाद ही कक्षा में प्रवेश करती थीं। प्राचार्य ने कहा था, संस्थान के पास हिजाब पहनने को लेकर कोई नियम नहीं है क्योंकि पिछले 35 सालों से कोई कक्षा में हिजाब नहीं पहनती थी।

छात्राओं ने कर्नाटक सरकार से प्रायोगिक परीक्षाएं स्थगित करने की अपील की

मेंगलुरू। कर्नाटक के उडुपी में महिला सरकारी कॉलेज की छह छात्राओं ने राज्य सरकार से 28 फरवरी से शुरू होने वाली प्री-यूनिवर्सिटी बोर्ड की प्रायोगिक परीक्षाएं स्थगित करने की अपील की है। छात्राओं ने कहा कि वे पिछले दो महीनों से कक्षाओं में शामिल नहीं हो पाई हैं, क्योंकि हिजाब पहनकर उन्हें कक्षाओं में आने की अनुमति नहीं है इसलिए परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए उन्हें समय चाहिए।

इस बीच उडुपी के एमजीएम कॉलेज में बृहस्पतिवार को कॉलेज के प्राचार्य के हिजाब पहनकर आई कुछ छात्राओं को परिसर से बाहर भेजने पर विवाद खड़ा हो गया।

व्हाट्सग्रुप के एडमिन को किसी सदस्य की आपत्तिजनक सामग्री के लिए जवाबदेह नही ठहराया जा सकताःअदालत

भाषा। कोच्चि

केरल उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी भी व्हाट्सग्रुप के एडमिनिस्ट्रेटर (प्रबंधक) या सृजनकर्ता को उसके किसी सदस्य द्वारा डाली गई किसी आपत्तिजनक सामग्री के लिए परोक्ष रूप से जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता है। उच्च न्यायालय ने किसी व्हाट्सग्रुप के एडमिन के विरूद्ध पोक्सो मामला खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है। इस ग्रुप के एक सदस्य ने अश्लील सामग्री डाल दी थी। अदालत ने कहा कि जैसा कि बंबई और दिल्ली उच्च न्यायालय ने जो व्यवस्था दी है, वह यह है कि किसी व्हाट्सग्रुप में अन्य सदस्यों के संदर्भ में एडमिन का विशेषाधिकार बस इतना है कि वह इस ग्रुप में किसी को भी जोड़ सकता है या किसी सदस्य को हटा सकता है। केरल उच्च न्यायालय ने कहा कि कोई भी सदस्य उस ग्रुप में क्या पोस्ट कर रहा है, उसपर एडमिन का भौतिक या किसी अन्य प्रकार का नियंत्रण नहीं होता है। वह ग्रुप में किसी संदेश में तब्दीली या सेंसर नहीं कर सकता। उसने कहा कि इसलिए किसी व्हाट्सग्रुप में बस उस हैसियत से काम कर रहे सृजनकर्ता या प्रबंधक को ग्रुप के किसी सदस्य द्वारा डाली गई किसी आपत्तिजनक सामग्री के लिए परोक्ष रूप से जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता है।

वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता ने फ्रेंड्स नामक एक व्हाट्सग्रुप बनाया था और उसने अपने साथ दो अन्य व्यक्तियों को भी एडमिन बनाया था, उन्हीं दो में से एक ने बच्चे की अश्लील हरकत वाला कोई वीडियो डाल दिया। परिणामस्वरूप पुलिस ने उस व्यक्ति के विरूद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम एवं बाल यौन अपराध संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को समसामयिक डाटा पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया

पदोन्नति में आरक्षण प्रदान करने संबंधी मामला

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह सरकारी नौकरियों में पदोन्नति में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण उपलब्ध कराने संबंधी आंकड़ों पर अपने पास मौजूद समसामयिक डाटा पर एक हलफनामा दाखिल करे।

न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बीआर गवई की पीठ ने कहा कि वह 30 मार्च को दिल्ली और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालयों के निर्णयों से उत्पन्न मामलों की सुनवाई करेगी, जिनकी सूची अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल बलबीर सिंह द्वारा प्रदान की जाएगी।

पीठ ने कहा कि इस बीच कि भारत संघ को दूसरे पक्ष को एक प्रति दिए जाने के बाद हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है जिसमें समसामयिक कैडर वार डाटा के बारे में विवरण हो। पदोन्नति में आरक्षण प्रदान करने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता को निर्धारित करने के लिए डाटा पर विचार संबंधी विवरण।

शीर्ष अदालत ने 28 जनवरी को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को सरकारी नौकरियों में पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए कोई भी मानदंड निर्धारित करने से इनकार करते हुए कहा था कि उनके अपर्याप्त प्रतिनिधित्व का निर्धारण राज्य के विवेक का मामला है।

इसने कहा था कि न्यायालयों के लिए यह न तो कानूनी है और न ही उचित है कि वे कार्यपालिका को उस क्षेत्र के संबंध में निर्देश या परामर्श उपदेश जारी करें जो संविधान के तहत विशेष रूप से उनके क्षेत्र में है। शीर्ष अदालत ने कहा, एक राज्य के तहत सेवाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व का निर्धारण राज्य के विवेक पर छोड़ा जाता है, क्योंकि निर्धारण असंख्य कारकों पर निर्भर करता है, जिनकी यह न्यायालय परिकल्पना नहीं कर सकता है।

वर्ष 2018 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एम नागराज मामले में 2006 के फैसले को संदर्भित करने से इनकार कर दिया था, जिसमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए क्रीमी लेयर की अवधारणा को पुनर्विचार के लिए सात न्यायाधीशों की बड़ी पीठ तक विस्तारित कर दिया गया था।

इसने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को सरकारी नौकरियों में पदोन्नति में आरक्षण देने का मार्ग भी प्रशस्त किया था और 2006 के फैसले को कुछ हद तक संशोधित किया था।

यूक्रेन पर रूसी हमले से सहमा बाजार

भाषा। मुंबई

रूस के यूक्रेन पर सैन्य हमले के बाद वैश्विक बाजारों में भारी बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 2,700 अंक से अधिक लुढ़क गया। करीब दो साल में एक दिन की यह सबसे बड़ी गिरावट है।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय करीब 2,850 अंक तक नीचे चला गया था। अंत में यह 2,702.15 अंक यानी 4.72 प्रतिशत का गोता लगाकर 54,529.91 अंक पर बंद हुआ। यह 23 मार्च, 2020 के बाद एक दिन का सबसे बड़ा नुकसान है जबकि अबतक की चौथी सबसे बड़ी गिरावट है। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 815.30 अंक यानी 4.78 प्रतिशत टूटकर 16,247.95 अंक पर बंद हुआ। यह लगातार सातवां कारोबारी सत्र है जब दोनों मानक सूचकांक-बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी...नुकसान में रहे। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर काफी नुकसान में रहे। इसमें इंडसइंड बैंक को सबसे ज्यादा 7.88 प्रतिशत का नुकसान हुआ। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। इस गिरावट से निवेशकों को करीब 13 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,42,24,179.79 करोड़ रुपए पर आ गया रूसी सैनिकों ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन पर हमला किया। इस हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा एवं प्रतिबंधों को नजरंदाज करते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अन्य देशों को चेतावनी दी कि कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखे होंगे। यूक्रेन संकट बढ़ने के बीच वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में गिरावट रही और सोना तथा जापानी मुद्रा येन जैसे सुरक्षित मानी जाने वाली संपत्तियों में तेजी आई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट से वैश्विक वृद्धि पुनरुद्धार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।यूरोप और एशिया के प्रमुख बाजारों में चार प्रतिशत तक की गिरावट रही।रूस से आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2014 के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया। जूलियस बेयर के इक्विटी रणनीतिकार लियोनार्डो पेलेन्डिनी ने कहा, यूक्रेन पर रूसी सेना का हमला हो रहा है। मॉस्को पर गंभीर प्रतिबंधों का खतरा अब अपने उच्चस्तर पर है। इससे वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में गिरावट आई है।

सेंसेक्स ने लगाया 2,700 अंक से अधिक का गोता

सतत आर्थिक पुनरुद्धार के लिए नीतिगत समर्थन जारी रखना जरूरी: दास

भाषा। मुंबई

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के कारण आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सतत आर्थिक सुधार के लिए लगातार नीतिगत समर्थन बहुत महत्वपूर्ण है।

रिजर्व बैंक द्वारा बृहस्पतिवार को जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठक के ब्योरे के अनुसार, दास ने कहा, अनिश्चितता की इस घड़ी में चुनौतियों का सामना करने के लिए सतर्क, तैयार और अच्छी तरह से प्रतिक्रिया देना समझदारी होगी। महामारी के कारण अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार अपूर्ण और असमान होने को लेकर उन्होंने कहा, लगातार सुधार के लिए विभिन्न नीतियों से निरंतर समर्थन महत्वपूर्ण बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में फिर से उछाल पर हालांकि कड़ी नजर रखने की जरूरत है। गवर्नर ने एमपीसी की बैठक के दौरान कहा, हमें बाहरी कारणों की वजह से अंतरराष्ट्रीय जिंसों की कीमतों में वृद्धि से उत्पन्न होने वाली घरेलू मुद्रास्फीति के जोखिमों के प्रति सतर्क रहने की भी आवश्यकता है। वही मुख्य मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई है। गौरतलब है कि केंद्रीय बैंक ने इस माह की शुरुआत में अपनी तीन दिन की एमपीसी की बैठक में अपनी मुख्य नीतिगत दरों को रिकॉर्ड निचले स्तर पर कायम रखा था। रिजर्व बैंक ने कोरोना महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था में सुधार का समर्थन करने के लिए यह निर्णय लिया था।

क्विक न्यूज

चालू वित्त वर्ष में 2.07 करोड़ करदाताओं को 1.83 लाख करोड़ रुपए के आयकर लौटाए

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने चालू वित्त वर्ष में अबतक 2.07 करोड़ करदाताओं को 1.83 लाख करोड़ रुपए लौटाए हैं। इसमें से 33,818.97 करोड़ रुपए के 1.67 करोड़ रिफंड वित्त वर्ष 2020-21 के हैं। आयकर विभाग ने ट्वीट किया, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अप्रैल, 2021 से 21 फरवरी, 2022 तक 2.07 करोड़ करदाताओं को 1,82,995 करोड़ रुपए लौटाए हैं। इसमें 2.04 करोड़ व्यक्तिगत करदाताओं को 65,498 करोड़ रुपए और 2.30 लाख इकाइयों को 1.17 लाख करोड़ रुपए का कॉरपोरेट कर रिफंड शामिल है।

एर्गो ग्रुप मुंबई प्रौद्योगिकी केंद्र में 400 सॉफ्टवेयर पेशेवरों की नियुक्ति करेगा

मुंबई। जर्मनी की बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एर्गो ग्रुप एजी की प्रौद्योगिकी इकाई एर्गो टेक्नोलॉजी एंड सर्विसेज मैनेजमेंट ने मुंबई में एक प्रौद्योगिकी केंद्र शुरू करने की घोषणा की है। इस केंद्र में पहले साल के परिचालन के दौरान 400 सॉफ्टवेयर पेशेवरों की नियुक्ति की जाएगी। एर्गो ग्रुप और एचडीएफसी 2008 से एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस उपक्रम का परिचालन कर रहे हैं। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि यह उसका जर्मनी और पोलैंड के बाद तीसरा केंद्र है और एक ऑफशोर विकास केंद्र के रूप में काम करेगा।

रिजर्व बैंक ने पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज का पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने आउटसोर्सिंग और अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) नियमों के संदर्भ में निर्देशों का उल्लंघन करने को लेकर पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज का पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। कंपनी मुख्य रूप से मोबाइल ऐप-कैशबीन के जरिए कर्ज देने का काम कर रही थी। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) रद्द होने के साथ नई दिल्ली की पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लि. गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफआई) का काम नही कर सकेगी। कंपनी मुख्य रूप से मोबाइल ऐप-कैशबीन- के जरिए कर्ज देने का काम करती थी।केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, निगरानी संबंधी चिंताओ के कारण कंपनी का पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया है। कंपनी ने आउटसोर्सिंग और अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) के संदर्भ मे आरबीआई के निर्देशों का उल्लंघन किया था। इतना ही नही कंपनी ने कर्ज लेने वालो से गैर-पारदर्शी तरीके से ज्यादा ब्याज और अधिक शुल्क वसूला। साथ ही कर्जदारो से वसूली को लेकर आरबीआई तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के प्रतीक चिन्ह का गलत तरीके से उपयोग किया।

गरुड़ एयरोस्पेस ने छह लाख ड्रोन बनाने का लक्ष्य रखा, पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर

चेन्नई। ड्रोन विनिर्माण से जुड़े स्टार्टअप गरुड़ एयरोस्पेस ने अपनी किसान ड्रोन पहल के तहत 2025 तक छह लाख ड्रोन बनाने का लक्ष्य रखा है, जिससे छह लाख रोजगार के मौके पैदा होने की उम्मीद है। कंपनी ने कृषि क्षेत्र के लिए सेवा के रूप में ड्रोन नाम से एक पहल शुरू की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल मे गुड़गांव और चेन्नई स्थित किसान ड्रोन विनिर्माण संयंत्रो का उद्घाटन किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा, गरुड़ एयरोस्पेस ने अपनी किसान ड्रोन पहल के तहत छह लाख ड्रोन बनाने का लक्ष्य तय किया है, जिससे किसान को कीटनाशकों तथा उर्वरकों के छिड़काव के लिए अत्याधुनिक तकनीक की मदद मिल सकेगी। गरुड़ एयरोस्पेस के संस्थापक और सीईओ अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा कि कंपनी की 90 प्रतिशत विनिर्माण सुविधाएं किसान ड्रोन के लिए समर्पित हैं।

कोल इंडिया चालू, अगले वित्त वर्षों के लिए उत्पादन लक्ष्य को हासिल करे: जोशी

नई दिल्ली। कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) से चालू और अगले वित्त वर्षों के लिए उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने का आह्वान किया है। कोयला मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, जोशी ने कहा कि अत्याधुनिक आईटी आधारित प्रौद्योगिकी और इन्हें स्थिर और दक्ष तरीके से लागू करने का कुल तरीका कोयला उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने हालिया चुनौती के बीच कोल इंडिया द्वारा राष्ट्र को सतत तरीके से कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने की प्रशंसा की। मंत्री ने कंपनी से कहा कि वह चालू और अगले वित्त वर्षों के उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करे। देश के कुल कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 67 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। जोशी ने बुधवार को कोल इंडिया की उपक्रम संसाधन योजना (ईआरपी) प्रणाली का उद्घाटन किया था।

एचयूएल ने नितिन परांजपे को गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया

नई दिल्ली। दैनिक इस्तेमाल का सामान बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने नितिन परांजपे को कंपनी का गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति 31 मार्च, 2022 से प्रभावी है। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि कंपनी निदेशक मंडल के चेयरमैन तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक(एमडी) का पद अलग कर रही है। बयान के अनुसार, संजीव मेहता कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ बने रहेंगे। कंपनी ने कहा, एचयूएल बोर्ड की नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) ने निदेशक मंडल में परांजपे की नियुक्ति की सिफारिश की। निदेशक मंडल ने एनआरसी द्वारा की गई सिफारिश को स्वीकार कर लिया और परांजपे को गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। इन दोनो नियुक्तियो के लिए अभी शेयरधारको की मंजूरी ली जानी है।

यूक्रेन में रूसी कार्रवाई के बाद कच्चे तेल में भारी उछाल

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन में सैन्य कार्वाई शुरू करने के बाद बृहस्पतिवार को कच्चे तेल की कीमतो में करीब छह डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई। रूसी आपूर्ति मे किसी व्यवधान की आशंका के चलते ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चल गया। अमेरिकी बेंचमार्क क्रूड की कीमत कुछ समय के लिए 98 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई। इसबीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रूबल गिरकर 87 के स्तर पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतो का आधार माना जाने वाला ब्रेंट क्रूड लंदन 5.41 डॉलर बढ़कर 99.46 डॉलर प्रति बैरल हो गया। पिछले सत्र मे यह 20 सेंट की गिरावट के साथ 94.05 डॉलर पर बंद हुआ था।

भारतीय अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार के लिए तैयार, पर कच्चे तेल के ऊंचे दाम चिंता का विषय: सीईए

भाषा। कोलकाता

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पुनरुद्धार के लिए तैयार है, लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमत चिंता की बात है। भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक वेब गोष्ठी में उन्होंने कहा कि देश में बैंकिंग क्षेत्र स्थिर है, पूंजी उपलब्ध है और ऋण लेने की स्थिति है। उन्होंने कहा, हम महामारी के कारण अनिश्चित वृद्धि और उच्च मुद्रास्फीति का सामना करने वाले अकेले नहीं हैं। विकसित देश भी इसी समस्या का सामना कर रहे हैं।

आम बजट 2022-23 इस बात को ध्यान में रखकर बनाया गया है कि कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास होगी, लेकिन रूस-यूक्रेन के बीच तनाव के चलते टेक्सास क्रूड की कीमत 96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। इस बारे में नागेश्वरन ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका असर इस बात पर निर्भर करेगा कि यह ऊंची कीमत कब तक बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति एक विश्वव्यापी समस्या है और ऐसा ढुलाई लागत में बढ़ोतरी तथा तेल की कीमतों में तेजी के कारण हुआ है।

भारत में इस समय मुद्रास्फीति की दर 5.2 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में इसे रिजर्व बैंक द्वारा तय चार से छह फीसदी के दायरे में रहना चाहिए। सीईए ने कहा कि बाजार में सुधार आने लगा है और कुछ उद्योगों में गतिविधियां महामारी से पहले के स्तर को पार कर गई हैं, लेकिन सेवा क्षेत्र अभी तक ठीक नहीं हुआ है।

निजी निवेश के बारे में उन्होंने कहा कि खपत का स्तर बढ़ने पर इसमें तेजी आएगी। बजट में मनरेगा के लिए कम आवंटन पर उन्होंने कहा कि यह मांग आधारित कार्यक्रम है। उन्होंने जोड़ा, ऐसा यह उम्मीद करते हुए किया गया कि अर्थव्यवस्था ठीक हो जाएगी और मनरेगा कोष की मांग कम हो जाएगी। लेकिन, अगर कार्यक्रम की मांग है, तो इसके लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा।

कंपनियां विनिर्माण क्षेत्र में एक दूसरे का समर्थन करें, स्थानीय इकाइयों को बढ़ावा दें: गोयल

भाषा। नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को घरेलू कंपनियों से दक्षिण कोरिया और जापान की तरह विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक-दूसरे का समर्थन करने तथा स्थानीय इकाइयों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। गोयल ने कहा कि दक्षिण कोरिया और जापान भारतीय इस्पात का आयात नहीं करते तथा अपने देश की कंपनियों से ही इसे खरीदते हैं।

उन्होंने उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के विनिर्माण सम्मेलन- 2022 में कहा, मुझे लगता है कि सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने और घरेलू विनिर्माण में एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए कंपनियों के बीच साझा जिम्मेदारी की आवश्यकता है। कोरिया को देखें। वे भारतीय स्टील विनिर्माता को कोरिया को निर्यात करने की अनुमति नहीं देते हैं। यही वहां की राष्ट्रवादी भावना है। मंत्री ने कहा, जापानी कंपनियां भी भारतीय इस्पात की अनुमति नहीं देतीं। वे स्थानीय स्तर पर उत्पादित इस्पात 100 डॉलर प्रति टन महंगा तक खरीद लेंगी...। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें अपने देश में भी एक-दूसरे का समर्थन करने, एक-दूसरे को प्रोत्साहित करने और अपने घरेलू भाइयों और बहनों को बढ़ावा देने के तरीकों और साधनों पर गौर करना चाहिए। गोयल ने बड़ी कंपनियों को एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) के साथ एकीकरण करने और समय पर भुगतान का भी सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने युवाओं को विनिर्माण क्षेत्र में आकर्षित करने को लेकर प्रशिक्षण देने का भी सुझाव दिया। निर्यात के बारे में उन्होंने कहा कि यह चालू वित्त वर्ष में 400 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। गोयल ने कहा कि फरवरी में निर्यात 30 अरब डॉलर से अधिक होगा।

रूस-यूक्रेन संकट से भारत का चाय निर्यात प्रभावित होने की आशंका

कोलकाता, भाषा

चाय बागान मालिक और निर्यातक रूस-यूक्रेन संकट के मद्देनजर चिंतित हैं, क्योंकि रूस भारतीय चाय का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। बृहस्पतिवार को यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और डॉलर के भुगतान में व्यवधान के साथ-साथ रूस को निर्यात प्रभावित होने की आशंका है।

भारतीय चाय संघ की चेयरपर्सन नयनतारा पालचौधरी ने कहा,"भारतीय चाय के लिए रूसी बाजार बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि ईरान को निर्यात में भुगतान को लेकर समस्या है, जो एक दूसरा महत्वपूर्ण चाय निर्यात गंतव्य है। भारत का लगभग 18 प्रतिशत चाय निर्यात रूस को होता है" उन्होंने कहा कि संघर्ष और अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाने की संभावना की स्थिति में आगामी सत्र में रूस को निर्यात प्रभावित होगा। भारतीय चाय निर्यातक संघ के चेयरमैन अंशुमान कनोरिया ने भी कहा कि चाय उद्योग के अंशधारक इस संकट को लेकर "बेहद चिंतितै हैं। पालचौधरी ने कहा कि यदि रूस को निर्यात प्रभावित होता है, तो घरेलू बाजार में अधिक आपूर्ति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में गिरावट आ सकती है। सीआईएस देशों को होने वाले कुल निर्यात में रूस और कजाकिस्तान मुख्य बाजार हैं। कनोरिया ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल की बढ़ती कीमतों के साथ प्लांटर्स और निर्यातकों के लिए परिचालन की लागत बढ़ने वाली है।

कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की आशंका नहीं, कीमत को लेकर चिंता जरूर: अधिकारी

भाषा। नई दिल्ली

रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़कर सात साल के उच्चस्तर 103 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। लेकिन भारत के लिए आपूर्ति व्यवस्था पर अभी कोई असर नहीं हुआ है। सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने यह कहा। अधिकारी ने भरोसा जताया कि अगर लड़ाई तेज होती है, तो भी ईंधन आपूर्ति पर असर नहीं पड़ेगा। ग्राहकों के लिए वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में तेजी का फिलहाल सीधा असर नहीं होगा। क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों ने पेट्रोल, डीजल और एलपीजी दरों को मौजूदा स्तर पर कायम रखा हुआ है।अधिकारी ने कहा, आपूर्ति व्यवस्था बनी हुई है। रूस के हमले से इसपर कोई असर नहीं हुआ है। बाजार में अभी पर्याप्त आपूर्ति है। हमारे आपूर्तिकर्ता पश्चिम एशिया, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका में हैं। उनपर इस हमले का कोई असर नहीं हैं और वे पहले की तरह तेल तथा गैस की आपूर्ति करते रहेंगे। अगर यूक्रेन संकट गहराता भी है, तो भी स्थिति जस-की-तस बनी रहने की उम्मीद है। अधिकारी ने नाम देने से मना किया। हालांकि, मुद्रास्फीति पर पड़ने वाले असर को देखते हुए कीमतों में तेजी जरूर चिंता का विषय है।उसने कहा, खुदरा कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। लेकिन अंततः इसे बढ़ाना ही पड़ेगा। ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 103.78 डॉलर प्रति बैरल तक चली गई। यह 14 अगस्त, 2014 के बाद सर्वाधिक है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है और अपनी 85 प्रतिशत जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। आयातित कच्चे तेल को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी (रसोई गैस) में बदला जाता है।

कुल आयात में सऊदी अरब, इराक और अन्य पश्चिम एशियाई देशों की हिस्सेदारी 63.1 प्रतिशत है। अफ्रीका दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और कुल आपूर्ति में उसकी 14 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं उत्तरी अमेरिका की हिस्सेदारी 13.2 प्रतिशत है। रूस यूरोप की एक-तिहाई प्राकृतिक गैस की जरूरतों को रूस पूरा करता है। जबकि वैश्विक तेल उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है। यूरोप को करीब एक-तिहाई गैस की आपूर्ति यूक्रेन से गुजरने वाली पाइपलाइन के जरिए होती है। हालांकि भारत, रूस से काफी कम तेल लेता है। देश ने 2021 में रूस से 43,400 बैरल प्रतिदिन तेल का आयात किया। यह उसके कुल आयात का करीब एक प्रतिशत है। अन्य ईंधनों में 2021 में कोयले का आयात 18 लाख टन रहा जो कुल कोयला आयात का 1.3 प्रतिशत है। भारत, रूस की गाजप्रोम से सालाना 25 लाख टन एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) भी खरीदता है। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के एक अधिकारी ने कहा, उपलब्धता को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। हमें सामान्य आपूर्ति मिल रही है और किसी ने भी इसे टालने की बात नहीं कही है। सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत स्थिति पर नजर रखे हुए है और अमेरिका तथा अन्य देशों के संपर्क में है।

पेज एक का शेष

रूस ने...

राजधानी में साइरन की आवाजें गूंज उठी और लोग बड़ी संख्या में रेलवे स्टेशनों पर जमा हो गए और सड़क मार्ग से इलाका छोड़ने को प्रयासरत दिखे। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के हमले के बाद उनके देश ने मास्को के साथ राजनयिक संबंध तोड़ लिए हैं। वहीं, उनके सलाहकार मिखाइलो पोदोलियाक ने कहा कि रूसी हमले में अब तक लगभग 40 लोग मारे गए हैं और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, यूरोप में पूर्ण स्तर का युद्ध शुरू हो गया है। रूस ने न केवल यूक्रेन पर हमला किया है बल्कि आधुनिक विश्व के सामान्य जीवन के नियमों पर आघात किया है। दुनिया के कई देशों के नेताओं ने रूसी आक्रमण की निंदा की, जिससे बड़ी संख्या में जानमाल का नुकसान हो सकता है और यह (हमला) यूक्रेन की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सकता है। रूसी सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बीच एशियाई शेयर बाजार में गिरावट देखी गई और तेल की कीमतों में वृद्धि हुई। जापान, स्पेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, इटली और यूरोपीय संघ समेत अन्य देशों ने भी रूसी हमले की निंदा की है। जर्मनी और तुर्की ने यूक्रेन के नागरिकों को सतर्क करते हुए सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा है।

नाटो ने...

या सुरक्षा खतरे में होती है। दूतों ने कहा, हमने अपनी रक्षात्मक योजना के अनुरूप सभी सहयोगियों की रक्षा के लिए गठबंधन में प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमारे कदम एहतियाती, आनुपातिक और गैर-उकसावे वाले हैं। नाटो के 30 सदस्य देशों में से कुछ यूक्रेन को हथियार, गोला-बारूद और अन्य उपकरणों की आपूर्ति कर रहे हैं, लेकिन नाटो एक संगठन के तौर पर ऐसा नहीं कर रहा। नाटो यूक्रेन के समर्थन में कोई सैन्य कार्वाई शुरू नहीं करेगा, जो उसका एक करीबी भागीदार है। हालांकि, एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया ने एक संयुक्त बयान में कहा, हमें यूक्रेन के लोगों को तत्काल हथियार, गोला-बारूद और किसी भी अन्य प्रकार की सैन्य सहायता मुहैया करानी होगी ताकि वह अपनी रक्षा कर सके, साथ ही उसे आर्थिक, वित्तीय और राजनीतिक सहायता और समर्थन करने और मानवीय सहायता मुहैया करानी होगी। एस्टोनियाई प्रधानमंत्री काजा कल्लास ने ट्वीट किया, रूस की आक्रामकता का सबसे प्रभावी जवाब एकता है। रूस की व्यापक आक्रामकता पूरी दुनिया और सभी नाटो देशों के लिए खतरा है।

रूस-यूक्रेन...

एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की कीमतों में तेजी आने से दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,656 रुपए की तेजी आई। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बाद रूस पर गंभीर प्रतिबंधों तथा जिंसों की आपूर्ति बाधित होने की आशंका से सुरक्षित विकल्पों में निवेश बढ़ने के कारण सोने में तेजी आई।

फंसे नागरिकों...

आवागमन मुश्किल है और सायरन और बम की चेतावनी सुनने वाले लोग बम से बचाव वाले नजदीकी आश्रय में पहुंचें। इसमें कहा गया, हालांकि, दूतावास स्थिति के मद्देनजर संभावित समाधान तलाश रहा है, अपने आसपास की चीजों को लेकर सतर्क और सुरक्षित रहें तथा आवश्यक नहीं होने पर अपने घरों से नहीं निकलें। हर समय अपने दस्तावेज अपने पास रखें।

यूक्रेन में...

ने यूक्रेन से बताया कि मेरे घर से करीब पांच किलोमीटर दूर धमाका हुआ है। यहां (यूक्रेन) डर और अफरा-तफरी का माहौल है। इसी तरह ट्वीटर पर लोग सरकार से मदद मांग रहे थे। यूक्रेन में फंसी एक मेडिकल छात्रा ने ट्वीटर पर वीडियो जारी कर दर्द बयां करते हुए कहा कि भारत सरकार या कीव में भारतीय दूतावास को हमारी कोई चिंता नहीं है। हम मध्यवर्ग से आते हैं, मौजूदा किराया वहन नहीं कर सकते। सरकार को हमारी मदद करनी चाहिए। इसी तरह का दर्द बिहार के गोपालगंज के छात्र ने वीडियो साझा कर मदद की गुहार लगाई। उसने कहा कि वे गोपालगंज के 12 छात्र हैं। यूक्रेन के पश्चिमी इलाके के एक शहर में जहां वे रह रहे हैं, वहां रात से ही बमबारी हो रही है। हम यहां और भारत में परिजन दहशत में हैं। बिहार और केंद्र सरकार से गुजारिश है कि यहां से जल्द से जल्द निकाला जाए। छात्रों का कहना है कि यूक्रेन से भारत का किराया अमूमन 20,000 रुपये होता है, लेकिन अब संकट के समय एयर इंडिया 60,000 रुपये ले रही है। अन्य एयरलाइंस एक से डेढ़ लाख तक वसूल रही हैं। मध्यमवर्गीय परिवारों से आने वाले ये छात्र इतनी बड़ी रकम वहन नहीं कर सकते। इससे देशभर में कितनी बेचैनी बढ़ गई है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महाराष्ट्र, केरल, हरियाणा, गुजरात, पंजाब, कर्नाटक और उत्तराखंड सहित कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने केंद्र सरकार से यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सुरक्षित वापसी की मांग की है।

हरियाणा सरकार...

खोला है जहां हरियाणा के लोग व्हाट्सअप नंबर 92123-14595 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोग ईमेल आईडी कांटैक्ट्स एट एफसीडी एट द रेट ऑफ जीमेल डॉट काम पर भी हरियाणा के विदेश सहयोग विभाग से संपर्क साध सकते हैं।

छात्रों की...

कुमार सिन्हा ने इंदौर में एजेंसी से कहा कि वह अपने बेटे की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। उसे 26 फरवरी (शनिवार) की उड़ान से यूक्रेन से भारत आना था, लेकिन रूसी आक्रमण के चलते उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। हिमाचल प्रदेश विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा के बेटे समेत प्रदेश के 200 से अधिक छात्र युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंस गए हैं। शर्मा ने भी एजेंसी से कहा कि उनका बेटा अभिनव यूक्रेन के चेरनिव्त्सी शहर में बुकोविनियान स्टेट मेडिकल एकेडमी में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि अभिनव शनिवार को भारत आने वाली उड़ान में सवार होना था लेकिन संकट बढ़ने के बाद यह रद्द हो गई है।

समय रहते...

जाने संबंधी खबर का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता ने कटाक्ष किया, यही तो है फिर से आपदा में अवसर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने कहा कि भारत सरकार को यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए और इस बार वह गलती नहीं करनी चाहिए जो अतीत में सोवियत संघ द्वारा कई देशों पर हमले के समय उसकी निंदा नहीं करके की गई थी। पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत सरकार को चाहिए कि वह यूक्रेन में रूस से अपनी कार्रवाई पर विराम लगाने के लिए कहे। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने यूक्रेन में मौजूद कुछ भारतीय नागरिकों से संबंधित वीडियो पोस्ट करके ट्वीट किया कि मैं यह विदेश मंत्रालय और नागर विमानन मंत्रालय के समक्ष उठा रही हूं। अब हमारे भारतीय नागरिक फंसे हुए और असहाय महसूस कर रहे हैं। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिकों से कहा कि कृपया व्याकुल नहीं हों और आप जहां भी हैं सुरक्षित रहें। यूक्रेन के खिलाफ रूस द्वारा सैन्य अभियान शुरू करने के बाद भारतीय दूतावास ने ताजा परामर्श जारी किया।

पीएम मोदी...

साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षित वापसी भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुतिन से बातचीत से पहले प्रधानमंत्री ने सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की और इसमें भारतीयों की सुरक्षित वापसी पर जोर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस अहम बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हुए। आधिकारिक सूत्रों की ओर से जारी एक वीडियो के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और हरदीप सिंह पुरी भी इस बैठक में शामिल हुए। हालांकि गोयल और पुरी सीसीएस के सदस्य नहीं हैं। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पी के मिश्रा सहित कई शीर्ष स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

परिवारवादियों ने...

तय कर रखा है। ए लोग अलग-अलग जगह से अपने वोट बैंक के हिसाब से मंत्री तो बना लेते हैं, लेकिन इन मंत्रियों के पास कोई अधिकार नहीं होता। मोदी ने कहा, अफसरों को भी मालूम होता है कि जो मंत्री बनाए गए हैं, वे तो बस नाम के हैं। असली मंत्री तो परिवार के सुपर मिनिस्टर होते हैं। उन्होंने कहा, नीचे सरकारी तंत्र को भी पता होता है कि कोई काम करने की जरूरत नहीं है। बस इस सुपर मिनिस्टर को संभाल लो, अच्छी पोस्टिंग मिलती रहेगी। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि परिवारवादियों की सरकार में परिवार के सारे लोग सुपर मिनिस्टर के नाते सारी चीजों पर कब्जा करके बैठ जाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई काम तब तक नहीं होता, जब तक सुपर मिनिस्टर की हां न हो। मोदी ने आरोप लगाया कि परिवारवादी पार्टियां डगर-डगर पर संविधान का अपमान करती हैं। उन्होंने कहा, ए पार्टियां अगर सबसे ज्यादा नुकसान करती हैं तो वो है हमारी युवा प्रतिभा का, जबकि आप देखेंगे कि भाजपा में आज कोई अध्यक्ष है तो कल कोई और अध्यक्ष बन जाता है। भाजपा पिता एंड संस की प्राइवेट पार्टी नहीं है और न ही कभी हो सकती है। मोदी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अमेठी से लंबे वक्त तक सांसद रहे राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, अमेठी के लोगों ने जिन लोगों को सिर आंखों पर बैठाया और सम्मान दिया।

कोरोना पाबंदियों...

इनमें से अधिकांश गिरोह हरियाणा और उत्तर प्रदेश के पड़ोसी जिलों से संचालित हो रहे हैं। सीपी ने कहा कि लगभग सभी गिरोह के सरगना और सहयोगी या तो जेल में हैं या उनको बेअसर कर दिया गया है। वर्ष 2021 में सात खूंखार अपराधियों के प्रभाव को समाप्त कर दिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल अपराध में हथियारों के उपयोग में नौ फीसदी की उल्लेखनीय गिरावट आई है। इस साल हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती सहित कुल 545 मामले दर्ज किए गए, जिनमें हथियारों का इस्तेमाल किया गया था, जबकि 2020 में इस तरह के 602 मामले थे। पुलिस प्रमुख ने बताया कि पिछले साल पाकिस्तान प्रशिक्षित आईएसआई मॉड्यूल के दो सहित 13 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि वर्ष 2020 के दौरान संख्या 32 आतंकवादी पकड़े गए थे, जो 2016 के बाद से सबसे अधिक संख्या थी। 2019 में कुल पांच आतंकवादी, 2018 में आठ, 2017 में 11 और 2016 में 16 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था।

रूस के हमले के साथ यूक्रेन में सुबह की शुरुआत, डर-चिंता के साए में लोग

भाषा। कीव

यूक्रेन निवासियों को पिछले कई सप्ताह से चेतावनी दी जा रही थी कि रूस के साथ युद्ध आसन्न है, लेकिन बृहस्पतिवार को जब हमला हुआ तो कई लोगों को यह समझ नहीं आ रहा था कि वे इस पर कैसे प्रतिक्रिया जताएं। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकिव में मिसाइल के टुकड़े ने मिखाइल शचरबकोव के आवास की छत को भेद दिया। शचरबकोव ने कहा, मैंने शोर सुना और नींद खुल गई। मुझे एहसास हुआ कि यह तोप से दागे गए गोले की आवाज थी। शचरबकोव तुरंत अपनी मां को जगाने के लिए गए और तभी पास में कुछ धमाका हुआ।

राजधानी कीव में नागरिक सुरक्षा सायरन बज रहे थे, लेकिन शहर की मुख्य सड़क ख्रेशत्यक पर चिंता और डर के साथ सामान्य स्थिति की मिलीजुली प्रतिक्रिया दिखी। कीव में सुबह में पेट्रोल पंप पर कारों की लंबी लाइन लग गई जबकि अन्य कारें शहर से दूर जाती दिखीं। कहां जाएं, किधर जाएं की अनिश्चितता के बीच कई लोगों ने अपने सामान के साथ सबवे में पनाह ली। खारकिव की एक निवासी शासा ने कहा, आज मेरे जीवन की सबसे खराब सुबह थी। शोर सुनकर शासा अपने आवास की बालकनी में गईं तो पता चला कि यह पटाखे की आवाज नहीं थी। यूक्रेन की पूर्वी सीमा से दूर कई शहरों में धुएं का गुबार उठता दिखा। कुछ लोग यह सब देखकर घबरा गए। कीव के एक निवासी ने कहा, मैं नहीं डरता। मैं काम पर जा रहा हूं। केवल असामान्य बात यह है कि आपको कीव में टैक्सी नहीं मिल सकती है।

जिस होटल में एसोसिएटेड प्रेस के कई पत्रकार रुके हुए थे वहां उन्हें 30 मिनट के भीतर खाली करने का आदेश दिया गया। बाहर, मेहमानों ने अपना सामान जल्दबाजी में कारों में लादा, जबकि कुछ राहगीर ने उनकी ओर हाथ हिलाया।

शहर के बाहरी इलाके में कुछ लोग विस्फोट की आवाज से जाग गए थे, लेकिन कुछ अन्य को कोई आवाज नहीं सुनाई दी। अजोव सागर से लगे बंदरगाह शहर मारियुपोल में पत्रकारों ने संयम और भय के दृश्य देखे। लोग बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे थे, ऐसा लग रहा था कि वे काम पर जाने के रास्ते में हैं, जबकि अन्य लोग अपनी कारों में शहर छोड़ने के लिए जल्दबाजी में थे।

दिन चढ़ने के साथ यूक्रेन के अन्य शहरों में भी सायरन बजने लगे। लोग किराना दुकानों और एटीएम पर पहुंचने लगे और जरूरी सामान संग्रहित करने की हड़बड़ी में दिखे। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने शहर के 30 लाख लोगों से घर के अंदर रहने की अपील की। उन्होंने लोगों से दवा और पहचान दस्तावेजों जैसे जरूरी सामान के साथ अपने-अपने बैग भी तैयार रखने को कहा।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद कीव में बदहवासी की हालत में ट्रेन का इन्तजार करती महिला

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ने शांति बनाए रखने की अपील की

कीव। रूस के आक्रमण की बढ़ती आशंकाओं के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शांति बनाए रखने की अपील की है। देश के नाम संबोधन में जेलेंस्की ने यह भी बताया कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करने की कोशिश की थी, लेकिन क्रेमलिन की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। राष्ट्रपति ने बुधवार देर रात अपने संबोधन में रूस के उन दावों को खारिज कर दिया कि उनका देश रूस के लिए खतरा पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस के आक्रमण से लाखों जिंदगियां प्रभावित होंगी। यूक्रेन में राष्ट्रव्यापी आपातकाल की घोषणा के कुछ घंटे बाद जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन के लोग और यूक्रेन की सरकार शांति चाहती है, लेकिन अगर देश पर आक्रमण होता है तो हम भी लड़ेंगे।

संकट बढ़ने के साथ राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पिछले कई सप्ताह से लोगों से शांति बनाए रखने और नहीं घबराने की अपील कर रहे थे। जेलेंस्की ने कहा था कि अफरातफरी दिखाने से रूस को ही फायदा होगा जिसने यूक्रेन की सीमाओं पर 1,50,000 सैनिकों का जमावड़ा कर रखा था। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को जैसे ही देश में मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की, यूक्रेन के लोगों को लगा कि सब कुछ बदल सकता है।

कीव की निवासी एलिजावेटा मेलनिक ने कहा, मैं घबराहट हुई, डरी हुई हूं। मुझे नहीं पता कि किससे मदद मांगनी चाहिए। हमें विश्वास नहीं था कि यह स्थिति आएगी।

नेपाल की संसद ने एमसीसी कार्यक्रम पर चर्चा टाली

काठमांडू। नेपाल की संसद ने 50 करोड़ डॉलर की लागत वाले विवादित मिलेनियम कॉरपोरेशन प्रोगाम (एमसीसी) पर चर्चा शुक्रवार तक टाल दी क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन अमेरिकी अनुदान सहायता का अनुमोदन करने पर आम सहमति नहीं बना सका। नेपाल और अमेरिका ने 2017 में एमसीसी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य नेपाल में विद्युत पारेषण लाइन का निर्माण करना और राष्ट्रीय राजमार्गों को बेहतर बनाने जैसे बुनियादी ढांचे का काम करना शामिल हैं। इस समझौते का कुछ राजनीतिक दल विरोध कर रहे हैं। वहीं, अमेरिकी सरकार ने संसद से इस वृहद परियोजना का अनुमोदन कराने के लिए 28 फरवरी की समय सीमा तय की है। संघीय संसद सचिवालय के प्रवक्ता राजनाथ पांडे ने कहा कि बृहस्पतिवार को बुलाई गई बैठक सरकार के अनुरोध पर शुक्रवार तक टाल दी गई है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के तौर पर मेरे कार्यकाल का सबसे दुखद क्षणः एंतोनियो गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन में एक विशेष सैन्य अभियान की घोषणा किए जाने को अपने कार्यकाल का सबसे दुखद क्षण करार दिया है। पुतिन ने बृहस्पतिवार को पूर्वी यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान की घोषणा की। दावा किया इस कदम का मकसद नागरिकों की रक्षा करना है। टेलीविजन पर एक संबोधन में पुतिन ने कहा कि यूक्रेन से उत्पन्न खतरों के जवाब में रूस ने वहां एक विशेष सैन्य अभियान शुरू करने का कदम उठाया है। अन्य देशों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि रूसी कार्वाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखे होंगे।

गुतारेस ने कहा, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के मेरे कार्यकाल में यह दुखद क्षण है। मैंने सुरक्षा परिषद की इस बैठक की शुरूआत राष्ट्रपति पुतिन को संबोधित करते हुए और उन्हें यह कहते हुए की कि अपने सैनिकों को यूक्रेन पर हमला करने से रोकें, शांति का रास्ता चुने क्योंकि पहले ही काफी लोगों की जान जा चुकी है। यह बैठक चल रही थी कि पुतिन ने डोनबास में विशेष सैन्य अभियान की घोषणा की। महासचिव ने कहा, इस वर्तमान परिस्थिति में मुझे अपनी अपील बदलनी होगी। मुझे कहना पड़ेगा राष्ट्रपति पुतिनः मानवता के नाम पर रूस में अपने सैनिकों को वापस लाइए। मानवता के नाम पर यूरोप में इसे शुरू करने की अनुमति नहीं दीजिए, जो सदी की शुरुआत के बाद से सबसे भयावह युद्ध हो सकता है, जिसके परिणाम न केवल यूक्रेन के लिए विनाशकारी हैं, न केवल रूसी संघ के लिए दुखद हैं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए दुखदाई हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख पश्चिमी देशों के दबाव में आ गएः रूस के विदेश मंत्री

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस पर पश्चिमी देशों के दवाब में आ जाने और यूक्रेन पर ऐसे बयान देने का आरोप लगाया, जो उनके पद के अनुरूप नहीं हैं। सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गैर पैडर्सन के साथ बातचीत के दौरान यह कहा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने अपनी खबर में इस बारे में बताया। लावरोव ने कहा, बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आप जिस संयुक्त राष्ट्र महासचिव का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

यूक्रेन का असैन्यीकरण और नाजियों से मुक्त कराना है लक्ष्यः ब्लादिमिर पुतिन

भाषा। मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान शुरू करने का निर्णय उसका असैन्ईकरण करने और नाजियों से मुक्त कराने के मकसद से लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम का लक्ष्य रूसी नागरिकों सहित शांतिप्रिय लोगों के खिलाफ अनगिनत अपराध करने वालों को न्याय के दायरे में भी लाना है। रूसी राष्ट्रपति ने टेलीविजन पर अपने विशेष संबोधन में कहा, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ डोनबास ने मदद की गुहार लगाते हुए रूस से संपर्क किया, मैंने विशेष सैन्य अभियान चलाने का निर्णय किया है।

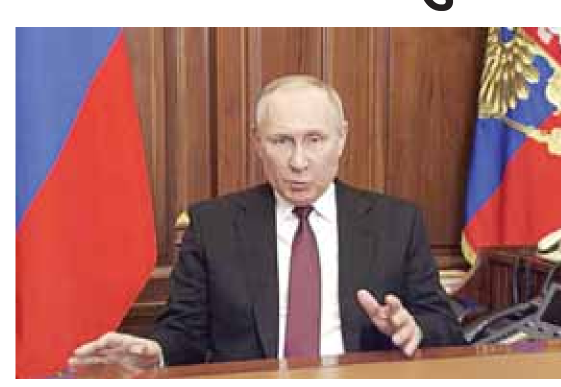

उन्होंने कहा कि सैन्य अभियान का लक्ष्य उन लोगों की रक्षा करना है जो प्रताड़ित हैं, आठ वर्ष से कीव के शासन में जनसंहार का सामना कर रहे हैं। हम यूक्रेन का असैन्ईकरण करने और उसे नाजियों से मुक्त करने का प्रयास करेंगे। साथ ही, रूसी नागरिकों सहित शांतिप्रिय लोगों के खिलाफ अनगिनत अपराध करने वालों को न्याय के दायरे में भी लाएंगे।

सरकारी समाचार एंजेसी टीएएसएस ने अपनी खबर में पुतिन के हवाले से कहा कि न्याय और सत्य रूस के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, बलों की हमेशा जरूरत होती है,लेकिन ए अलग अलग प्रकार के हो सकते हैं और हम जानते हैं कि सही ताकत न्याय और सत्य में हैं और ए हमारे साथ हैं। पुतिन ने कहा कि कीव के गैरकानूनी आदेशों की अवहेलना करने वाले यूक्रेनी सैनिकों को सैन्य क्षेत्र से जाने दिया जाएगा। इसबीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन की वायु सेना और हवाई रक्षा तथा सैन्य बुनियादी ढांचे को बेअसर करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल किया है।

विश्व के नेताओं ने रूस की निंदा की कड़े प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई

ब्रसेल्स। विश्व के नेताओं ने यूक्रेन पर रूस के हमले की बृहस्पतिवार को निंदा की और मास्को पर अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाने का संकल्प लिया। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने यूक्रेन और रूस के पास स्थित अपने पूर्वी किनारे पर अपनी थल सेना, नौसेना और वायुसेना की तैनाती को मजबूत किया तथा शुक्रवार को अपने नेताओं की एक डिजिटल बैठक की योजना बनाई है। दरअसल, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा अन्य देशों को यह चेतावनी देने के बाद यह कदम उठाया कि अन्य देशों की किसी भी दखलंदाजी के अंजाम ऐसे होंगे जो इतिहास में कभी देखा नहीं गया होगा। ईयू एवं नाटो सदस्य लिथुआनिया ने देश में आपातकाल घोषित कर दिया है। इस बाल्टिक देश की सीमाएं रूस के कालिनीनग्राद के अलावा बेलारूस और पोलैंड से लगी हुई हैं। नाटो देशों ने प्रतिरोध के तौर पर 100 लड़ाकू विमान और 120 जहाज अलर्ट पर रखे हैं।

नाटो प्रमुख जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा, कोई गलती नहीं करेंगे : हम नाटो की सरजमीं की एक भी इंच जमीन पर किसी हमले के खिलाफ अपने सहयोगदी देशों की रक्षा करेंगे। यूरोपीय संघ (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन ने कहा, हम यूरोपीय नेताओं के समक्ष अनुमति के लिए बड़े और लक्षित प्रतिबंधों का पैकेज लेकर आएंगे। हम प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को बाधित कर रूसी अर्थव्यवस्था के अहम रणनीतिक क्षेत्रों को निशाना बनाएंगे। उन्होंने कहा, यदि प्रतिबंधों को मंजूरी मिल गई तो ए रूसी अर्थव्यवस्था की बुनियाद कमजोर कर देंगे और आधुनिकीकरण की इसकी क्षमता घटा देंगे। यूरोपीय संघ अध्यक्ष ने कहा, इसके अलावा हम यूरोपीय संघ में रूसी संपत्ति जब्त कर लेंगे और यूरोपीय वित्तीय बाजारों तक रूसी बैंकों की पहुंच रोक देंगे।

उन्होंने कहा, हम रूस के उद्योगों को प्रौद्योगिकी की आपूर्ति रोकना चाहते हैं जिसकी उसे अपने भविष्य के निर्माण के लिए आज जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए सुबह वाशिंगटन में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक बैठक बुलाई थी। अब तक चीन को छोड़ कर विश्व के ज्यादातर देशों ने रूसी हमले की निंदा की है। चीन ने संकट बढ़ाने के लिए अमेरिका और इसके सहयोगी देशों को जिम्मेदार ठहराया है।

चीन ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंध बढ़ाने से रूस पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के कदम के तहत बृहस्पतिवार को रूस से गेहूं आयात करने को मंजूरी दी। रूस, गेहूं का एक सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन विदेशी बाजार ने परिवहन को बाधित कर दिया तो उसका निर्यात जोखिम में पड़ जाएगा। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कहा कि सभी पक्षों को शांति के लिए काम करना चाहिए, ना कि तनाव बढ़ाना चाहिए और ना ही युद्ध की संभावना को बढ़ा चढ़ा कर पेश करना चाहिए। यूक्रेन पर रूस के हमले से तेल की कीमतें पांच डॉलर प्रति बैरल से अधिक बढ़ गई। ब्रेंट कच्चा तेल लंदन में 100 डॉलर प्रति बैरल को 2014 के बाद पहली बार पार गया। अफ्रीका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के निदेशक ने यह चिंता जताई है कि यह संकट कोविड महामारी के खिलाफ महाद्वीप में अब तक हुए कम टीकाकरण से विश्व का और ध्यान भटकाएगा।

यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद लिथुआनिया ने आपातकाल की घोषणा की

ब्रसेल्स। लिथुआनिया के राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने बृहस्पतिवार को एक शासनादेश पर हस्ताक्षर कर बाल्टिक देश में आपातकाल लागू करने की घोषणा की। यूक्रेन पर रूस के हमले के मद्देनजर यह कदम उठाया है। लिथुआनिया की संसद द्वारा बृहस्पतिवार को संसद के एक विशेष सत्र में इस आदेश को मूंजर किए जाने की संभावना है। आपातकाल 10 मार्च तक प्रभावी रहेगा, जो सुरक्षित कोष के अत्यावश्यक मदों में उपयोग और सीमा सुरक्षा बढ़ाने की अनुमति देगा। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देश लिथुआनिया की सीमाएं दक्षिण पश्चिम से रूस के कालिनीनग्राद क्षेत्र से, पूर्व से बेलारूस से, उत्तर की ओर लटाविया से और दक्षिण से पोलैंड से लगी हुई हैं।

चीन ने यूक्रेन मुद्दे से जुड़े सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की

भाषा। बीजिंग/संयुक्त राष्ट्र

रूस के निकट सहयोगी चीन ने यूक्रेन मुद्दे से संबद्ध सभी पक्षों से संयम बरतने तथा और तनाव बढ़ाने वाला कोई भी कदम उठाने से परहेज करने की अपील की है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थाई प्रतिनिधि झांग जून ने यह बयान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा के बाद दिया है।

चीन की सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ ने बृहस्पतिवार को खबर दी कि झांग ने यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र की महासभा के 76 वें सत्र में पूर्ण बैठक में कहा, वर्तमान परिदृश्य में सभी संबंधित पक्षों को संयम बरतना चाहिए तथा ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे तनाव और बढ़े। टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में सैन्य अभियान चलाने का रूस का कदम उस देश से उत्पन्न खतरे के मद्देनजर उठाया गया है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि यदि वे रूस की कार्वाई में दखल देते हैं तो उन्हें ऐसे परिणाम भुगतने होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे।

शिन्हुआ के अनुसार झांग ने कहा, चीन यूक्रेन में उभरती स्थिति पर ध्यान दिए हुए है। सभी देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा पर चीन का रूख निरंतर एक-सा रहा है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों को संयुक्त रूप से अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि यूक्रेन के मुद्दे की जड़ें ऐतिहासिक एवं वर्तमान कारकों में समाई हुई हैं। उन कारकों की परस्पर क्रिया से स्थिति यहां तक पहुंची है। वर्तमान परिदृश्य में सभी संबंधित पक्षों को संयम बरतना चाहिए और कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे और तनाव बढ़े।

झांग ने कहा, हम राजनयिक समाधान ढूढने में जुटे सभी पक्षों का स्वागत एवं उत्साहवर्धन करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने बीजिंग में मीडिया ब्रीफिंग में कहा, वर्तमान परिस्थिति में यूक्रेन मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका को यूक्रेन मुद्दों एवं रूस के साथ संबंधों को निपटने के दौरान चीन एवं अन्य देशों के वैध अधिकारों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। उन्होंने रूस के विरूद्ध अमेरिका की पाबंदियों की निंदा की और कहा, प्रतिबंध समस्याओं के समाधान के कभी मौलिक रूप से कारगर तरीके नहीं हैं और चीन हमशा एकतरफा पाबंदियों का विरोध करता है।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से यूरोप की शांति भंग हो गईः नाटो प्रमुख

कीव। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टॉल्टेनबर्ग ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से यूरोपीय महाद्वीप की शांति भंग हो गई है। स्टॉल्टेनबर्ग ने शुक्रवार को नाटो गठबंधन के नेताओं का शिखर सम्मेलन बुलाने का आह्वान किया है। स्टॉल्टेनबर्ग ने यह बात नाटो की एक आपात बैठक के बाद कही, जिसमें यूक्रेन और रूस के निकट नाटो सेनाओं की तैनाती बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई है। नाटो महासचिव ने कहा, रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया है। यह बर्बर युद्ध कृत्य है। हमारी संवेदनाएं यूक्रेन की वीर जनता के साथ हैं। हमारे महाद्वीप की शांति भंग हो गई है। उन्होंने कहा कि यह पूर्व नियोजित आक्रमण है और रूस बल प्रयोग के दम पर दोबारा इतिहास लिखने की कोशिश कर रहा है। रूस ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन पर आक्रमण कर उसके शहरों और सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले या गोलीबारी की। यूक्रेन सरकार ने कहा कि रूसी टैंक और सैनिक सीमा पर घूम रहे हैं।

रूसी हमले में अब तक करीब 40 लोगों की मौतः यूक्रेन

भाषा। कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के एक सलाहकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश पर रूसी हमले में अब तक करीब 40 लोग मारे जा चुके हैं। राष्ट्रपति के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने कहा कि हमले में कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या हताहतों में आम नागरिक भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के अधिकारी देश की रक्षा के इच्छुक सभी लोगों को हथियार सौंपेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, यूक्रेन के लोगों का भविष्य हर यूक्रेनी पर निर्भर करता है। राष्ट्रपति ने उन सभी लोगों से आगे आने का आग्रह किया जो देश की रक्षा कर सकते हैं।

अंकाराः तुर्की में यूक्रेन के राजदूत ने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देश से अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने और रूसी जहाजों के लिए काला सागर के प्रवेश द्वार पर जलडमरूमध्य को बंद करने का आह्वान किया।

कीवः यूक्रेन के राष्ट्रपति के एक सलाहकार मायखाइलो पोडोलीक ने कहा है कि रूसी सेना ने उत्तर, पूर्व और दक्षिण से यूक्रेन पर हमला शुरू किया है। सलाहकार ने कहा, यूक्रेनी सेना जवाबी कार्वाई कर रही है। पोडोलीक ने बृहस्पतिवार को कहा हमारी सेना दुश्मन को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचाते हुए मजबूती से लड़ रही है। उन्होंने कहा कि नागरिक भी हताहत हुए हैं, लेकिन विवरण नहीं दिया। राष्ट्रपति जेलेंस्की के एक अन्य सलाहकार एरेस्टोविच ने कहा कि रूस ने हवाई अड्डों और विभिन्न अन्य सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है।

रूस की कार्रवाई को कब्जा करार नही दिया जा सकताः क्रेमलिन

मॉस्को। रूस ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेन में उसकी कार्वाई को कब्जा करार नहीं दिया जा सकता। साथ ही स्पष्ट किया कि मौजूदा विशेष सैन्य अभियान की समयसीमा नतीजों और प्रगति के आधार पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा निर्धारित की जाएगी। क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, कोई भी कब्जे की बात नहीं कहता और मौजूदा मामले में यह शब्द अनुपयुक्त है। रूसी समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के मुताबिक, पोस्कोव ने रूसी सैन्य अभियान के उन दो उद्देश्यों को दोहराया, जिसमें पूर्वी यूक्रेन के नागरिकों की सुरक्षा और यूक्रेन के कथित सैन्य हस्तक्षेप से बचाना है। उन्होंने कहा कि मौजूदा अभियान की समयसीमा को लेकर पुतिन निर्णय लेंगे। युक्रेन और इसके नेतृत्व के भविष्य के सवाल पर प्रवक्ता ने कहा कि यह उस देश के नागरिकों की पसंद का मामला है। वहीं, पेस्कोव ने रूसी सैन्य कार्वाई से जुड़े किसी भी सवाल का जवाब देने से इंकार कर दिया। इससे पहले, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने टेलीविजन पर अपने संबोधन में इस कार्वाई को जायज ठहराया था। पुतिन ने कहा कि यह हमला पूर्वी यूक्रेन में नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी था। पुतिन ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर यूक्रेन को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल करने से रोकने तथा मास्को को सुरक्षा गारंटी देने की रूस की मांग को नजरंदाज करने का आरोप लगाया। पुतिन ने कहा कि रूस का लक्ष्य यूक्रेन पर कब्जा करना नहीं है, बल्कि क्षेत्र को सैन्य प्रभाव से मुक्त बनाना एवं अपराध करने वालों को न्याय के कठघरे में खड़ा करना है।

बाइडन ने रूस के अकारण हमले के इरादे की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन पर रूस के बिना उकसावे वाले और अकारण हमले के इरादे की निंदा की है। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी इसके लिए रूस की जवाबदेही तय करेंगे। बाइडन ने कहा कि सात नेताओं के समूह की बैठक के बाद बृहस्पतिवार को अमेरिकी लोगों से बात करने की उनकी योजना है। बृहस्पतिवार को रूस के खिलाफ और प्रतिबंधों की घोषणा की जा सकती है। बाइडन ने एक लिखित बयान में कहा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक पूर्व नियोजित युद्ध को चुना है, जिसका लोगों के जीवन पर विनाशकारी प्रभाव होगा। इस हमले में लोगों की मौत और तबाही के लिए केवल रूस जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the general public on behalf of HDFC Bank Ltd. that Mr. A K Singhal is owner of Property bearing No.86, area measuring 183.34 sq. yds, in the layout plan of The Central Government Indl, Workers Co-operative House Building Society Ltd, presently known as Anand Vihar, Pitampura, Delhi-110034; hereinafter referred to as the "said property". by virtue of Conveyance Deed dated 23.12.1996, has lost/misplaced Original Share Certificate, allotment letter, Original possession Letter, Original Sub Lease deed 19.11.1997, & mostly GPA, Agreement to sell and will still conveyance deed, with respect of the property mentioned above, All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of missing document. If anyone has already carried out or being carried out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General public on behalf of Fullerton India Home Finance Company. That Mr. Vidosh Khanna is claiming /attorney Flat bearing No. C-4, on Third floor, without roof rights, LIG, area measuring 46.44 sq., Mtrs., "said floor" part of Property bearing No. 10, Situated at Shalimar Garden Extn I, in the area of village Pasonda, Parg Loni, Tehsil & District Ghaziabad, UP "the said property". by virtue of GPA, Agreement and will all dated 25.01.2006 executed by Mrs. Renu Kalra who was owner of the said property by virtue of Sale deed dated 01.12.2005, having registration No. 11021, All persons are hereby informed that above mentioned claiming owner want to sell the said property /flat to Mrs. Riya Srivastava who is taking Loan from Fullerton for purchase of the said floor/flat, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner its sale /Mortgage/litigation, and any kind of objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE
For Disposal of Medical Records, older than 19/02/2019; Lifeline Hospital, 42, Sector-12B, Dwarka, New Delhi-110075
Notice is hereby given that lifeline hospital plot no-42,Sector-12B, Dwarka, New Delhi 110075 propose to dispose of all medical records of all patients who have not visited the hospital on or after 19.02.2019.A copy of concerned patient's records will be furnished to any patient/next to kin/legal representative on written to request addressed to Medical Director, Lifeline Hospital Plot No 42, Sector-12B, Dwarka, New Delhi-110075 within 30 days of publication of this notice, hospital will not comply with any request and cannot be held responsible thereafter as all records up to 19th Feb 2019 would have been destroyed. If no such request to received, the records of the said period shall be liable to be destroyed & no claim be entertained thereafter no further notice shall be given in this regards.
MRD INCHARGE LIFELINE HOSPITAL

PUBLIC NOTICE
I, Suman Kumar Punn, S/o Late Sh. Madan Lal Punn, R/o D-403, Wembley Estate, Rosewood City, Sector-50, Gurugram, Haryana, have lost Original Possession Letter, Original Site Possession slip and Original NOC for Electricity & Water connection of House No. B-2B/204, Janak Puri, New Delhi somewhere in Connaught Place, New Delhi. If found, please return on above address or contact Mob. No. 9810006370.

PUBLIC NOTICE
My client, Sh. Vijay Khanna S/o Sh. Krishan Lal Khanna R/o J-4, 2nd Floor, VikasPuri, Tilak Nagar, West Delhi-18, who is owner of property bearing address Flat No. 204 on Second Floor, Area Measuring 660 Sq. Ft., Part of Khasra No. 1151/3 min., Ward No. 3, Portion of House No. 173-F, situated in the Lal Dora of 1908-09, Village Mehrauli, New Delhi-110030 vide Registered GPA dated 19.11.2007 Registration No. 4829, Sub Registrar-V, New Delhi executed by Sh. Rajesh Chaudhary S/o Late Sh. M.K. Chaudhary. The previous chain documents of said property i.e. 1. ATS and Will dated 19.11.2007 executed by Sh. Rajesh Chaudhary in favor of Vijay Khanna & 2. GPA and ATS dated 25.06.1998, executed by Mahendra Kumar Gupta in favor of Amar Singh Kohli have been lost. Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notified to the undersigned/Adv. Vishal Mehan, E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092 along with documentary evidence under address through registered A/D within 15 days from the date of publication of this notice failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.
Vishal Mehan (Advocate)
E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092
Mobile No. 9811215181

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना
ICICI Bank
शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005
जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्ज़दारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	रामनारायण शर्मा/ रजानी शर्मा- LBJAI00004910937	अपार्टमेंट नंबर 1102, 11वीं मंजिल, मिरस एम्प्लिन, प्लॉट नंबर एफ- 4, खसरा नंबर 205, 206 और 209, गांव सुखिया, तहसील सांगानेर, जयपुर, राजस्थान, जयपुर-302020/ 22 फरवरी, 2022	जून 07, 2021 ₹ 36,51,620.00/-	दिल्ली
2.	रामनारायण शर्मा/ रजानी शर्मा- LBJAI00004910940	अपार्टमेंट नंबर 402, चौथी मंजिल, मिरस एम्प्लिन, प्लॉट नंबर एफ- 4, खसरा नंबर 205, 206 और 209, गांव सुखिया, तहसील सांगानेर, जयपुर, राजस्थान, जयपुर-302020/ 22 फरवरी, 2022	जून 07, 2021 ₹ 36,51,620.00/-	दिल्ली

उपरोक्त दर्शाये गये कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक: फरवरी 25, 2022
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

नेटवर्क की समस्या

हेमा गोस्वामी का कहना है कि उत्तराखंड के बागेश्वर में खराब कनेक्टिविटी ने लड़कियों की शिक्षा को बुरी तरह प्रभावित किया है

पिछले दो वर्षों से, ममता गोस्वामी और उनकी सहेलियों ने स्कूल जाने के लिए नहीं बल्कि एक ऐसी जगह पर जाने के लिए अपनी नोटबुक और टिफिन बॉक्स के साथ अपना बैग पैक किया है, जहां उन्हें अपनी ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिए नेटवर्क मिल सकता है। वे कक्षाएं शुरू होने से पहले सुबह निकल जाती हैं और शाम को लौटती हैं। जबकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि पूरे दिन नेटवर्क स्थिर रहेगा। हालांकि कुछ लड़कियां कम से कम ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिए पर्याप्त भाग्यशाली हैं, मगर कई को उनके माता-पिता द्वारा अनुमति नहीं है क्योंकि उन्हें काफी दूर चलकर जाना पड़ता है। ममता ने कहा, ''कई बार, हम अपने घरों से एक किलोमीटर दूर चल कर जाते हैं जहां हम केवल कुछ समय के लिए नेटवर्क तक पहुंच सकते हैं। नेटवर्क की कमी के कारण हमें अपने असाइनमेंट को समय पर जमा करना भी बहुत मुश्किल हो जाता है। अगर हमारी पढ़ाई को लेकर कोई सवाल है तो हम न तो इसे गूगल कर सकते हैं और न ही किसी शिक्षक से बात कर सकते हैं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि काश उनके पास केवल एक नेटवर्क हो जिससे कि शैक्षिक ऐप्स तक पहुंच हो या खुद को करंट अफेयर्स से अपडेट रखना आसान हो।

ममता उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के गरूर प्रखंड के बैजनाथ से 20 किलोमीटर दूर रोल्याना गांव की रहने वाली हैं। हालांकि यहां के ग्रामीणों के लिए नेटवर्क का न होना कोई नई बात नहीं है, लेकिन शिक्षा को ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित करने से इस गांव के छात्रों को, विशेष रूप से लड़कियों को, प्रभावित किया है। अधिकांश परिवारों के पास एक मोबाइल फोन होता है जो परिवार में बेटे को उपलब्ध कराया जाता है। लड़कियां फोन का इस्तेमाल ऑनलाइन क्लास के लिए तभी कर पाती हैं, जब भाइयों की क्लास खत्म हो जाती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, एक अध्ययन से पता चलता है कि कैसे लड़कों की मोबाइल फोन, इंटरनेट सेवाओं, रेडियो और मीडिया जैसे बुनियादी डिजिटल ढांचे तक पहुंच ज्यादा थी। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल स्कूली शिक्षा की कमी ने लड़कियों को शिक्षा से वंचित रखा है। इसके अलावा, लड़कियां घर के कामों में अधिक शामिल होती हैं और उनके पास खुद के लिए बहुत कम समय और यहां तक कि वहां तक चलने के लिए उनका समय या ऊर्जा भी लगती है, जहां वे अपने फोन का उपयोग करने के लिए नेटवर्क तक पहुंच सकें।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी करते हुए गांव की एक अन्य निवासी सरोजिनी ने कहा, ''बोर्ड परीक्षाओं का महत्व सभी जानते हैं। इसके महत्व को समझते हुए हमारे शिक्षक ऑनलाइन उपलब्ध हैं। लेकिन नेटवर्क खराब होने के कारण मैं उनसे संपर्क नहीं कर पा रही हूं और अपने सवालों के जवाब नहीं पा रही हूं। यह मेरी शिक्षा को प्रभावित कर रहा है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर दूरसंचार विभाग (डीओटी) और नेटवर्क कंपनियों ने इन दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क में सुधार पर कुछ ध्यान दिया होता, तो उनके जैसे कई छात्र नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं होते। इसी तरह शिक्षक भी इसके प्रभाव से चिंतित हैं। गांव के एक शिक्षक नीरज पंत इस बात से चिंतित हैं कि छात्र, विशेष रूप से बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले, बिना किसी नेटवर्क के ऑनलाइन कक्षाओं का सामना कैसे करेंगे। उन्होंने बताया, '' नेटवर्क की अनुपस्थिति हमारे लिए छात्रों का मार्गदर्शन और उनके संपर्क में रहना बेहद मुश्किल बना देती है। छात्रों के लिए कक्षाओं में उपस्थित हुए बिना बोर्ड के लिए उपस्थित होना कैसे संभव है? यह स्कूल और शिक्षा विभाग दोनों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। ''

दूसरी ओर, ग्रामीण इस समस्या का सामना वर्षों से करते आए हैं। मंजू देवी के मुताबिक, रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन कर चुके पारिवारिक सदस्यों से संपर्क करने का एकमात्र साधन फोन ही है। लेकिन नेटवर्क नहीं होने के कारण उनसे संपर्क करना एक चुनौती है। उन्होंने अफसोस जताया, ''आजकल, सब कुछ डिजिटल है। इंटरनेट के जरिए कई काम आसानी से पूरे किए जा सकते हैं। लेकिन हम एक निर्बाध नेटवर्क के बिना कॉल भी नहीं कर सकते, इंटरनेट तक पहुंच की तो बात ही छोड़ दीजिए। ''

इस गांव के लोग बार-बार खराब नेटवर्क की इस समस्या को उठाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि कई महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। जहां नेटवर्क का खराब ढांचा ग्रामीणों को विभिन्न सेवाओं तक पहुंचने में प्रभावित करता है, वहीं यह निश्चित रूप से लड़कियों की शिक्षा और सूचना तक उनकी पहुंच को भी प्रभावित करता है।

-(लेखक रोल्याना गांव बागेश्वर की रहने वाली हैं और लड़कियों व महिलाओं के लिए समान अधिकारों की पैरोकार हैं।)

एक कुशल हाइब्रिड कार्यस्थल बनाएं

वर्क फ्रॉम होम ने कर्मचारियों व कंपनियों की गतिशीलता को बदल दिया है। सुधीर नायडू ऐसे तरीके बताते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो कि संक्रमण निर्बाध है...

दुनिया दो कदम आगे बढ़ गयी है, एक कदम पीछे है और दूसरा कुछ कदम आगे, पीछे-पीछे चक्कर लगा रहा है और उन तरीकों से पार पा रहा है जो बड़े और छोटे लगते हैं। और इसमें एक बदलाव आया है जो अप्रत्याशित था लेकिन दुनिया भर के कर्मचारियों के लिए जंगल की आग की तरह फैल गया - वो है हाइब्रिड कामकाज।

कार्यालय खोलने में अनेक धक्का-मुक्की और विलंब से, कई कार्यालयों ने हाइब्रिड मॉडल के साथ सहमति बना ली है। लगभग 66 प्रतिशत संगठनों ने महामारी के कारण उद्घाटन की तारीखों को पीछे धकेल दिया है और 9 प्रतिशत कर्मचारी तालाबंदी के दौरान चले गए हैं, जिससे उनके लिए हर दिन कार्यालय की यात्रा करना लगभग असंभव हो गया है। लेकिन हाइब्रिड को अधिक सहज कैसे बनाया जाए? व्यक्ति कर्मचारियों को अधिक व्यस्त और काम करने के लिए तैयार कैसे रखता है? हाइब्रिड कार्य करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं।

अपनी साप्ताहिक तालिका की योजना बनाएं

निकटता में नहीं होने से कभी-कभी नयी किस्म की चुनौतियां दरपेश हो सकती हैं। काम और गतिविधियों का एक सुनियोजित सप्ताह होने से प्रत्यक्ष संवाद की कमी की भरपाई करना जरूरी है। इसका मतलब है कि उचित लेकिन अच्छी तरह से समय सीमा निर्धारित करना, यानि एक निश्चित परियोजना पर लोगों की एक निश्चित संख्या होना, ब्रेन डंप सत्र होना आदि।

एक टीम के रूप में मिलकर काम करें

जब जुड़े रहना एक कार्य होता है, तो न केवल कनेक्शन बल्कि एक टीम के रूप में एक साथ काम करने के महत्व पर आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। टीम को न केवल समय पर, बल्कि यथासंभव प्रभावी तरीके से संवाद करने की आवश्यकता है। बैठक के समय को मानकीकृत करना और यथासंभव समय सीमा का पालन करना भी आवश्यक है। साथ ही, माइक्रो-मैनेजिंग ज्यादातर परिहार्य है क्योंकि कर्मचारियों को परस्पर सहमति के साथ समय निर्धारित करने की अनुमति मिलनी चाहिए जहां एक साथ काम करना उनके लिए फायदेमंद हो।

प्रबंधकों को सही प्रशिक्षित करें

लगभग 71 प्रतिशत कर्मचारी और प्रबंधक इस बात से हैरान थे कि हाइब्रिड मॉडल में काम करते समय कर्मचारी कितने कुशल थे, लेकिन उत्पादकता बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि काम को परस्पर संवादात्मक होने दिया जाए। यही कारण है कि अच्छे प्रबंधकों में निवेश करना और उन्हें सही ढंग से प्रशिक्षित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सही प्रकार का प्रबंधक वह होता है जो न केवल काम सौंपने और टीमों के प्रबंधन में प्रभावी होता है बल्कि परस्पर संवादात्मक होता है और टीम के बीच विकास और मित्रता की भावना को बढ़ावा देने में सक्षम होता है।

अपने कर्मचारियों को जानें

सही लोगों को सही भूमिका सौंपना एक बात है, और उन्हें एक संवादात्मक वातावरण में शामिल करना दूसरी बात है। वर्तमान वातावरण को लेकर बहुत थकान, जलन और आशंका है और यह कैसे काम को प्रभावित कर रहा है, इसलिए उन्हें यह बताना महत्वपूर्ण है कि वे अपने आसपास के लोगों व वरिष्ठजनों व उच्चाधिकारियों से बात कर सकते हैं। गैर-कार्य-संबंधी घटनाओं के बारे में बात करने के लिए टीम के साथ केवल 10 मिनट बिताने से उन्हें आराम मिलता है और समुदाय का एक छोटा सा भाव मिलता है जो बदले में उत्पादकता बढ़ाने में मदद करता है। 2019 में, जुड़ाव के बारे में एक अध्ययन किया गया था कि यह कैसे काम को प्रभावित करता है। जब कर्मचारियों ने अपने काम और कार्यस्थल से जुड़ाव महसूस किया तो काम के कारोबार में लगभग 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अपने कर्मचारियों को जानना टीम

उत्पादकता पर नजर रखने और स्वतंत्र रूप से प्रतिक्रिया देने का एक अच्छा तरीका है।

डिजिटल अवसंरचना में निवेश करें

पिछले दो वर्षों में व्यावसायिक संचार मंचों के उपयोग में भारी मगर अनुमानित वृद्धि हुई है। लेकिन डिजिटल अवसंरचना में निवेश केवल संचार सॉफ्टवेयर के बारे में नहीं है, बल्कि ईमेल पर कम भरोसा करना, फाइलों को प्रभावी ढंग से साझा करना, नेटवर्क और कनेक्टिविटी समस्याओं से निपटना, विभाग में संचार को बढ़ावा देने के तरीके खोजना तथा और भी बहुत कुछ है। लगभग 74 प्रतिशत लोगों ने बताया है कि उनके बीच साझा की गई फाइलें खो गई हैं, जिससे हमें एहसास होता है कि न केवल बड़ी मात्रा में, बल्कि प्रभावी तरीके से साझा करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय पर काम सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है, इसलिए काम सौंपते समय सीमाओं को बनाए रखना और समय सीमा बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

कौशल विकास

विकास और कौशल अधिग्रहण पर जोर देने से व्यक्ति को अपनी नौकरी में अधिक मूल्य दिखाई देता है। प्रशिक्षण प्रदान करके, वे अपने कौशल के लिए प्रासंगिक प्रशिक्षण को कैसे देखते हैं, इस पर निर्भर करते हुए, दुर्घटना दर को 53 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। कौशल विकास अब इस बारे में भी बहुत कुछ है कि कौशल का उपयोग कैसे इस ढंग से किया जाए जो प्रभावी ढंग से कारगर हो, लेकिन यह भी कि उन्हें किसी भी ढंग के काम के लिए कैसे अनुकूलित किया जाए। संचार अपने आप में एक कौशल है जिसे समय के साथ विकसित किया जाता है। समूहों के बीच कौशल निर्माण को बढ़ाने के तरीके भी हैं। यह टीम गतिविधियों व काल्पनिक समस्याओं को हल करने और समस्याओं का एक साथ विश्लेषण करने या उन्हें एक उत्पाद देने और एक साथ संबोधित करने के रूप में हो सकता है। जब कार्यस्थल अभिनव, संचारी, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ हो तो उत्पादकता में वृद्धि होती है। अब जबकि हाइब्रिड कार्य रूपों के अलावा नए वातावरण के अनुकूल होने का कोई अन्य तरीका नहीं है, यह एक बड़ा अंतर देखने के लिए छोटे कदम उठाने का समय है।

दुनिया बहुत ज्यादा बदल गई है और वे दिन चले गए जब सभी काम केवल साइट पर ही हो सकते थे, लेकिन अत्यधिक डिजिटलीकरण के साथ नए तरह के मसले सामने आता है। यही कारण है कि परेशान होने से बचने के लिए अपनी टीम को प्रेरित करने के तरीके खोजना और इसलिए उत्पादकता सुनिश्चित करना बहुत आवश्यक है।

(लेखक टूप मैसेंजर के संस्थापक और सीईओ हैं, जो एक टीम सहयोग व व्यवसाय संचार मंच है।)

एक सहयोगी नेता

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि खामियां तलाशने के बजाय, विपक्ष के साथ मिलकर काम करने से वास्तविक प्रगति हो सकती है

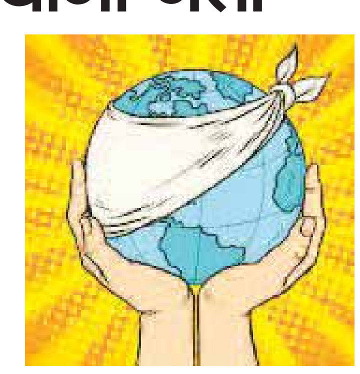

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में हमेशा एक विपक्षी दल और विपक्ष का एक नेता होना चाहिए जो सरकार की नीतियों और दिन-प्रतिदिन के कामकाज पर सतर्क नजर रखता हो और नीतियों में कमियों, विसंगतियों या खामियों और मंत्रियों या उनके अधीन विभागों के प्रदर्शन का पता लगाने का प्रयास करता हो। एक तरह से विपक्ष का यह कर्तव्य है कि वह कमियां ढूंढ़े और हर संभव तरीके से सत्ताधारी शासन की आलोचना करे। इन दलों का जोश और उत्साह ऐसा हो कि अगर उन्हें कोई ऐसा मौका मिले तो वे मंत्री पद पर कब्जा करने के लिए पार्टी को सत्ता से बेदखल करने के लिए हमेशा तत्पर और तैयार हों। यही कारण है कि आम तौर पर विपक्ष के इन कार्यों के लिए लोकतंत्र की सराहना की जाती है क्योंकि उन्हें इसके सकारात्मक बिन्दु के रूप में माना जाता है। लेकिन, हम में से बहुत से लोग इस तथ्य को महसूस नहीं करते हैं कि शाश्वत सतर्कता, आलोचना और तत्परता के ये लोकतांत्रिक मूल्य कितने ही अच्छे हों, इनकी जड़ें प्रतिद्वंद्विता, समूह स्वार्थ, सत्ता लोभ और खामियों की तलाश में हैं। इसलिए, भले ही सतर्कता, आलोचना और प्रतिद्वंद्वी का लगातार पीछा करने का फल पहले आकर्षक लग रहा हो, दूसरों की कमियों को खोजने व अपने सार्वजनिक भाषणों और लेखों में हमेशा नकारात्मक बोलने की आदत, व्यक्ति विशेष को अवमूल्यन की ओर ले जाती है जो इन नकारात्मक मूल्यों का अत्याधुनिक के रूप में अभ्यास करता है।

इसके अलावा, मीडिया जो व्यक्त करता है और, इस प्रक्रिया में इन पर जोर देता है, जाने-अंजाने प्रतिद्वंद्विता, असहयोग, संकीर्ण मानसिकता, समूह के हितों, शत्रुतापूर्ण आलोचना आदि का वातावरण बनाता है। नतीजतन, नागरिक समाज के सदस्यों के बीच संपूर्ण सामाजिक व आर्थिक माहौल नकारात्मक हो जाता है। यह समझना चाहिए कि ये मूल्य 'संतुलित और स्थिर-मन वाले व्यक्ति' के गुणों के बिल्कुल विपरीत हैं, जैसा कि श्रीमद भगवत गीता और उस समस्त आध्यात्मिक साहित्य में वर्णित है, जो अपने विशाल और बारहमासी मूल्य के कारण काल के समस्त विनाशों के बीच से भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित है। प्राचीन आध्यात्मिक संस्कृति बार-बार, मानवीय गुणों या प्रेम, सहयोग, मित्रता, क्षमा, दया, दूसरों के गुणों को देखने, नम्रता व त्याग की भावना रखने जैसे नैतिक मूल्यों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है।

हाल ही में एक आध्यात्मिक संगठन ने बेहतर विश्व के लिए वैश्विक सहयोग नामक एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना के दौरान इस विषय पर स्वस्थ बहस के लिए दुनिया भर के विभिन्न नेताओं को आमंत्रित किया। बहस के दौरान, अधिकांश नेताओं ने अपने-अपने देशों में परियोजना के प्रति अपना पूर्ण समर्थन और सहयोग दिया। अंत में जब मॉडरेटर ने निम्नलिखित प्रस्ताव रखा: ''सहयोग की इस विश्वव्यापी परियोजना की भावना को ध्यान में रखते हुए, जिसमें कि सौ से अधिक देश भाग ले रहे हैं, हम सभी संबंधित देशों को यह प्रस्ताव देना चाहते हैं कि, एक ''विपक्षी नेता'' हो , जो आगे चलकर, ''सहकारिता नेता'' कहलाए। इस प्रस्ताव को सुनने के बाद विपक्ष के उन नेताओं समेत सत्ताधारी सरकार के नेताओं में भी हर तरफ हंसी सुनाई दी थी। अधिकांश विपक्षी नेताओं ने कहा कि यदि यह प्रस्ताव हमारे देश द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है, तो, ''हम सभी अपनी नौकरी खो देंगे और हमारी पार्टी को संदेह होगा कि हमारा इरादा सत्ता में पार्टी को मुसीबत से पार कराने का है और हम एक सूक्ष्म प्रयास कर रहे हैं। अन्य सभी सदस्यों को भी उस पार्टी में ले जाएं जो सरकार चला रही है।'' यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सरकार की संसदीय प्रणाली में ये नकारात्मक मूल्य बने रहेंगे और इसलिए इसके नकारात्मक परिणाम होंगे, जिन्हें ये मूल्य जन्म देते हैं। लेकिन हम आशा करते हैं कि एक दिन वास्तव में एक बहादुर और बुद्धिमान नेता सामने आएगा और इन मूल्यों और इन पर आधारित व्यवस्था में बदलाव को उत्प्रेरित करेगा।

टीम इंडिया की टी-20 में लगातार 10वीं जीत

●भारत ने पहले टी 20 में श्रीलंका को 62 रनों से पराजित किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (56 गेंद में 89 रन) और श्रेयस अय्यर (नाबाद 56 रन) की अर्धशतकीय पारियों से भारत ने अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में खेले गए पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका को 62 रन से शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। यह भारत की टी-20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार 10वीं जीत है। टीम ने ईशान और श्रेयस की पारियों से दो विकेट पर 199 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

श्रीलंका की टीम चरिथ असालंका (नाबाद 53 रन) के अर्धशतक के बावजूद 20 ओवर में छह विकेट पर 137 रन रन ही बना सकी। भारत ने सात गेंदबाजों से गेंदबाजी कराई, जिसमें अनुभवी भुवनेश्वर कुमार (दो ओवर में नौ रन देकर दो विकेट) ने श्रीलंका को दो शुरूआती झटके दिए जिससे टीम उबर नहीं सकी। जसप्रीत बुमराह हालांकि विकेट नहीं चटका सके, उन्होंने तीन ओवर में 19 रन दिए। वेंकटेश अय्यर ने तीन ओवर में 36 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि युजवेंद्र चहल और रविंद्र जडेजा को एक एक विकेट मिला।

इससे पहले बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान ने 10 चौकों और तीन छक्कों जड़ित अपनी पारी से साबित कर दिया कि आईपीएल नीलामी में उन्हें इतनी उंची कीमत पर क्यों खरीदा गया था। वह हालांकि वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सफेद गेंद की श्रृंखला में अपनी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके थे।

झारखंड के 23 साल के खिलाड़ी ने अपने कप्तान रोहित शर्मा (32 गेंद में 44 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 111 रन की भागीदारी निभाकर भारत को बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने भी मौके का पूरा फायदा उठाते हुए 28 गेंद में पांच चौके और दो छक्के की पारी से भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। दोनों सलामी बल्लेबाजों में ईशान का खेल आक्रामकता भरा था जिन्होंने तीसरे ओवर में ही तेजी से रन जोड़ना शुरू कर दिया जिसमें चामिका करूणारत्ने को अपनी खराब लाइन एवं लेंथ का खामियाजा तीन चौके से करना पड़ा जिससे भारत ने इस ओवर से 15 रन बनाए। श्रीलंका को भी ईशान का कैच छोड़ने का खामियाजा भुगतना पड़ा, जब सातवें ओवर में स्पिनर जेफरे वांडरसे अपनी ही गेंद पर ऐसा कर बैठे।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जल्द ही अपना दूसरा टी-20 अर्धशतक पूरा कर लिया जिससे भारत ने 10 ओवर में 98 रन जोड़ लिए। कप्तान रोहित जोड़ीदार की भूमिका निभाते हुए एक और दो रन ले रहे थे। साथ ही उन्होंने दो चौके और मिड विकेट पर एक छक्का जमाया। रोहित अर्धशतक से चार रन दूर थे, तभी 12वें ओवर में लाहिरू कुमारा की धीमी गेंद से श्रीलंका ने भारत को पहला झटका दिया। ईशान को फिर जीवनदान मिला जब उन्होंने वांडरसे की गेंद पर बल्ला छुआया, पर गेंद बाउंड्री पर निकल गई। दो कसे ओवरों के बाद ईशान ने लांग-आन पर एक छक्का जमाया और फिर लाहिरू कुमारा की गेंद को थर्ड मैन और डीप मिडविकेट पर बाउंड्री के लिए भेजा जिससे भारत के खाते में 17 रन जुड़े। श्रीलंका ने डेथ ओवरों में काफी खराब गेंदबाजी की जिसमें श्रेयस अय्यर ने अंतिम तीन ओवरों में 44 रन जोड़ने में मदद की।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत काफी खराब रही, उसने पहली ही गेंद पर अपने सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका का विकेट गंवा दिया जिन्हें भुवनेश्वर ने बोल्ड किया।

भुवनेश्वर ने तीसरे ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज कामिल मिशारा को भी पवेलियन भेज दिया। जानिथ लियानागे (11), दिनेश चांदीमल (10), कप्तान दासुन शनाका (03) भी जल्दी जल्दी आउट हो गए।चामिका करूणारत्ने जरूर थोड़ी देर तक क्रीज पर टिके जिसमें उन्होंने 14 गेंद खेलकर दो छक्के से 21 रन बनाए, पर वह वेंकटेश अय्यर का दूसरा शिकार बने। असालंका और दुशमंता चामिरा ने कुछ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। असालंका ने 47 गेंद में पांच चौके से नाबाद 53 रन जबकि दुशमंता चामिरा ने 14 गेंद में दो चौके और एक छक्के से नाबाद 24 रन बनाए।

ईशान किशन ने 89 रनों की बेहतरीन पारी खेली

अर्धशतकीय पारी के दौरान एक गेंद को बाउंड्री के लिए भेजते श्रेयस अय्यर

स्कोर बोर्ड

भारत : रोहित शर्मा बो लाहिरू कुमारा 44, ईशान किशन का लियानेज बो शनाका 89, श्रेयस अय्यर नाबाद 57, रविंद्र जडेजा नाबाद 03
अतिरिक्त : 06
कुल : 20 ओवर में दो विकेट पर : 199 रन
विकेट पतन : 1-111, 2-155
गेंदबाजी : दुशमंता चामीरा 4-0-42-0, लाहिरू कुमारा 4-0-43-1, चामिका करूणारत्ने 4-0-46-0, प्रवीण जयविक्रमा 2-0-15-0, जेफरी वांडरसे 4-0-34-0, दासुन शनाका 2-0-19-1
श्रीलंका : पाथुम निसांका बो भुवनेश्वर कुमार 00, कामिल मिशारा का शर्मा बो भुवनेश्वर कुमार 13, जानिथ लियानागे का सैमसन बो वेंकटेश अय्यर 11, चरिथ असालंका नाबाद 53, दिनेश चांदीमल स्टं ईशान बो जडेजा 10, दासुन शनाका का भुवनेश्वर कुमार बो चहल 03, चामिका करूणारत्ने का ईशान बो वेंकटेश अय्यर 21, दुश्मंता चामिरा नाबाद 24
अतिरिक्त : 02
कुल : 20 ओवर में छह विकेट पर 137 रन
विकेट पतन : 1-0, 2-15, 3-36, 4-51, 5-60, 6-97
गेंदबाजी : भुवनेश्वर कुमार 2-0-9-2, जसप्रीत बुमराह 3-0-19-0, हर्षल पटेल 2-0-10-0, युजवेंद्र चहल 3-0-11-1, वेंकटेश अय्यर 3-0-36-2, रविंद्र जडेजा 4-0-28-1, दीपक हुड्डा 3-0-24-0

आरसीबी की कप्तानी छोड़ने पर कोहली ने कहा

अपने लिए भी कुछ समय चाहता था

भाषा। मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2021 के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की कप्तानी छोड़ने वाले विराट कोहली ने कहा कि उन्होंने स्वयं के लिए कुछ समय निकालने और कार्यभार प्रबंधन के कारण यह फैसला किया। कोहली ने पहले कहा था कि टी-20 विश्व कप सबसे छोटे प्रारूप में भारत के कप्तान के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा।

इसके बाद उन्होंने आईपीएल की कप्तानी छोड़ने की भी घोषणा कर दी थी। इसके बाद उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया और फिर उन्होंने टेस्ट टीम की कप्तानी भी छोड़ दी थी। कोहली ने आरसीबी की कप्तानी छोड़ने के बारे में कहा कि मैं उन लोगों में शामिल नहीं हूं जो चीजों को पकड़े रखना चाहते हैं। यहां तक कि यदि मुझे पता है कि मैं बहुत कुछ कर सकता हूं, लेकिन अगर मैं प्रक्रिया का आनंद नहीं ले रहा हूं तो फिर मैं वह काम नहीं करूंगा।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि लोगों के लिए यह समझना बहुत मुश्किल होता है कि जब कोई क्रिकेटर इस तरह का फैसला करता है तो वह क्या सोच रहा होता है। अपना 100वां टेस्ट खेलने की तैयारी में लगे कोहली ने कहा कि लोग जब तक आपकी स्थिति में न हों उनके लिए आपके फैसले को समझना बहुत मुश्किल होता है। लोगों की अपनी अपेक्षाएं होती है। वे कहते हैं ओह यह कैसे हुआ, हम हैरान हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें हैरान होने जैसी कोई बात नहीं है। मैं लोगों को समझाता हूं कि मुझे अपने लिए भी कुछ समय चाहिए और मैं कार्यभार प्रबंधन चाहता था और बात वहीं पर खत्म हो जाती है।

आरसीबी शुरू से लेकर अभी तक कभी आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाया। कोहली ने कप्तानी छोड़ने के अपने फैसले को लेकर चल रही चर्चाओं को विराम देते हुए कहा, वास्तव में ऐसा कुछ नहीं था। मैं अपनी जिंदगी को बहुत सरल तरीके से जीता हूं। जब मुझे निर्णय लेने होते हैं तो निर्णय लेता हूं और उनकी घोषणा कर देता हूं।

इंडियन प्रीमियर लीग 26 मार्च से शुरू होगा

●महाराष्ट्र के स्टेडियमों में करीब 40 फीसदी दर्शकों को मिली अनुमति

भाषा। नई दिल्ली

10 टीमों की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुंबई में 26 मार्च से शुरू होगी और 29 मई को समाप्त होगी जिसमें टूर्नामेंट की शुरूआत में करीब 40 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति दी जाएगी।

आईपीएल चेयरमैन बृजेश पटेल ने गुरूवार को संचालन परिषद की बैठक के बाद पीटीआई से कहा, आईपीएल शनिवार 26 मार्च से शुरू होगा।

इस बार दो नई टीमों लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटन्स को शामिल किया गया है तो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम और ब्रैबोर्न स्टेडियम के साथ नवी मुंबई के डीवाई पाटिल मैदान और पुणे के गाहुंजे स्टेडियम में 74 मैच खेले जाएंगे। एक सूत्र ने कहा कि दर्शकों को महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुमति दी जाएगी और शुरूआत में यह 40 प्रतिशत होगी। अगर कोविड-19 हालात काबू में रहते हैं और मामलों में कमी आती है तो टूर्नामेंट के अंत में दर्शकों की संख्या शत प्रतिशत की जा सकती है।

प्ले-ऑफ के संबंध में कोई फैसला नहीं किया गया है लेकिन पूरी संभावना है कि फाइनल की मेजबानी अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम करेगा। पता चला है कि 55 मैच मुंबई में जबकि 15 मैच पुणे में खेले जाएंगे। आईपीएल सूत्र ने कहा कि प्रत्येक टीम प्रत्एक स्टेडियमों में एक समान संख्या में मैच खेलेगी।

मुंबई इंडियंस वानखेड़े स्टेडियम में चार मैच खेलेगी। हमें 12 डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) मैच देखने को मिलेंगे और फैसला किया गया कि शनिवार को (26 मार्च को) शुरूआत के बाद रविवार से हम डबल हेडर मैच कराएंगे।

मयंक का पंजाब किंग्स का कप्तान बनना तय

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल का आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स का कप्तान बनना तय है। भारतीय टेस्ट टीम के सदस्य अग्रवाल उन दो खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें पंजाब किंग्स ने इस महीने के शुरू में हुई नीलामी से पहले अपनी टीम में बनाए रखा था। दूसरे खिलाड़ी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह थे।

कप्तान को लेकर औपचारिक घोषणा जल्द किए जाने की संभावना है। आईपीएल के सूत्रों ने बताया कि पूरी संभावना है कि मयंक टीम की अगुवाई करेंगे।

इस बारे में इस सप्ताह के आखिर में घोषणा की जाएगी। पंजाब से सबसे अधिक धनराशि के साथ नीलामी में उतरा था। उसने नीलामी में शिखर धवन, जॉनी बेयरस्टो, लियाम लिविंगस्टोन, कैगिसो रबाडा, बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ और तमिलनाडु के विस्फोटक बल्लेबाज शाहरुख खान को खरीदकर पैसे का अच्छा इस्तेमाल किया।

धवन का नाम भी कप्तान के लिए चल रहा है लेकिन प्रबंधन नीलामी से पहले ही अग्रवाल को कप्तान बनाने का इच्छुक था।

तेंदुलकर कसीनो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे

भाषा। मुंबई

दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने गुरूवार को कहा कि वह सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए उनकी बदली तस्वीरों का इस्तेमाल करने वाले एक कसीनो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

पता चला है कि गोवा के एक कसीनो बिग डैडी ने प्रचार के लिए तेंदुलकर की तस्वीरों का उपयोग किया। तेंदुलकर ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा कि मेरी कानूनी टीम जरूरी कार्वाई कर रही होगी, लेकिन मुझे लगा कि यह जानकारी सभी के साथ साझा करना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने आगे कहा कि यह मेरे संज्ञान में आया है कि सोशल मीडिया पर कई विज्ञापन दिखाए जा रहे हैं, जिसमें बदली हुई तस्वीर के साथ मुझे एक कसीनो का समर्थन करते हुए दिखाया गया है।

मिताली, मंधाना और हरमनप्रीत के अर्धशतकों से क्लीन स्वीप से बचा भारत

भाषा। क्वीन्सटाउन

भारत ने अपनी तीनों अनुभवी बल्लेबाजों कप्तान मिताली राज, सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और फॉर्म में वापसी करने वाली हरमनप्रीत कौर के अर्धशतकों की मदद से पांचवें और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर इस दौरे में अपनी पहली जीत दर्ज की।

पिछले मैचों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले भारतीय गेंदबाजों ने भी आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया तथा न्यूजीलैंड को निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रन ही बनाने दिए। न्यूजीलैंड की तरफ से फॉर्म में चल रही एमेलिया केर ने 75 गेंदों पर 66 रन बनाए लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने कप्तान सोफी डिवाइन (34), लॉरेन डाउन (30) और हेली जेन्सेन (30) को अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने दिया। भारत ने हरमनप्रीत के 66 गेंदों पर 63 रन, मंधाना के 84 गेंदों पर 71 रन और मिताली के 66 गेंदों पर नाबाद 54 रन की मदद से 46 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर दिया।

इस दौरे में एकमात्र टी-20 और पहले चार वनडे गंवाने के बाद भारत को अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले जीत की सख्त दरकार थी। अब तक लय हासिल करने में नाकाम रहे स्पिनरों ने गुरुवार को सात विकेट लेकर जीत की नींव रखी।

दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़ और स्नेह राणा ने दो-दो विकेट लिए जबकि तेज गेंदबाज मेघना सिंह ने भी जो पांच ओवर किए उनमें प्रभाव छोड़ा।

अर्धशतकीय पारी के दौरान एक गेंद को स्वीप करतीं हरमनप्रीत सिंह

दानिल मेदवेदेव और राफेल नडाल मैक्सिको ओपन के क्वार्टर फाइनल में

एपी। अकापुल्को (**मेक्सिको**)

दानिल मेदवेदेव और राफेल नडाल ने बुधवार को यहां आसान जीत के साथ मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने पाब्लो एंडुजर पर 6-1, 6-2 से हराकर एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने की तरफ भी मजबूत कदम बढ़ाए। नडाल ने स्टीफन कोजलोव को 6-0, 6-3 से पराजित किया। नडाल ने आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पांच सेट तक चले मुकाबले में मेदवेदेव को हराया था। मेदवेदेव ने पिछले साल सितंबर में यूएस ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। अकापुल्को में खिताब जीतने पर 26 वर्षीय मेदवेदेव विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच जाएंगे जिस पर अभी नोवाक जोकोविच काबिज हैं। पॉल ने दुसान लाजोविच को 7-6 (6), 2-6, 7-5 से जबकि निशिओका ने टेलर फ्रिट्ज को 3-6, 6-4, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस बीच मौजूदा चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव को युगल मैच गंवाने के बाद गुस्से में अपना रैकेंट अंपायर की कुर्सी पर मारने के कारण टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। अन्य मैचों में स्टेफनोस सिटसिपास ने जेजे वुल्फ को 6-1, 6-0 से हराया। उनका सामना अब मार्कोस गिरोन से होगा जिन्होंने पाब्लो कारेनो बुस्टा को 6-7 (7) 6-4 7-6 (4) से पराजित किया। कैमरून नोरी ने जॉन इस्नर को 6-7 (2), 6-3, 6-4 से शिकस्त मात दी।

महान विकेटकीपर रॉडनी मार्श को दिल का दौरा पड़ा

भाषा। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज विकेटकीपर रॉडनी मार्श को गुरूवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद क्वींसलैंड अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी हालत गंभीर है। मार्श क्वींसलैंड में बुंडाबर्ग में एक चैरिटी कार्यक्रम के लिए जा रहे थे, रास्ते में उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। 74 वर्षीय मार्श को बुल्स मास्टर्स चैरिटी कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा अस्पताल ले जाया गया। बुल्स मास्टर्स के अध्यक्ष जिम्मी महर ने न्यूजकॉर्प से कहा कि यह निराशाजनक है।

उन्होंने कहा कि रॉड सुबह दस बजकर पांच मिनट पर आए थे और करीब साढ़े दस बजे उन्होंने कार से मुझे फोन किया और कहा कि वह मेरे साथ बीयर पीना चाहते हैं, फिर डेव (चैरिटी कार्यक्रम के आयोजकों में से एक) ने कार से मुझे फोन किया और जो कुछ हुआ, उसके बारे में बताया।

बिना खाता खोले आउट हुए अजिंक्य रहाणे

रणजी ट्रॉफी राउंडअप

●एक अन्य दिग्गज बल्लेबाज पुजारा केवल आठ रन बना सके

भाषा। अहमदाबाद

भारतीय टीम से बाहर चल रहे सौराष्ट्र के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा गुरूवार को रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप डी मैच में केवल छह गेंद का सामना करने के बाद आउट हो गए लेकिन चिराग जानी के नाबाद शतक और दो बल्लेबाजों के अर्धशतकों से ओडिशा के खिलाफ टीम पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 325 रन बनाने में सफल रही।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करने वाली सौराष्ट्र के लिए सलामी बल्लेबाज हार्विक देसाई (38) और स्नेल पटेल (24) ने अच्छी शुरूआत कराई लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। पर चिराग एक छोर पर डटे रहे, उन्होंने अभी तक नाबाद 125 रन की पारी में 16 चौके और चार छक्के जड़ दिए हैं।

पुजारा की खराब फॉर्म जारी रही, वह केवल छह गेंद ही खेल सके जिसमें उन्होंने दो बार गेंद सीमारेखा के पार कराकर आठ रन जोड़े। लेकिन वह देबब्रत प्रधान की गेंद पर आउट हो गए। शेल्डन जैक्सन ने फिर चिराग का अच्छा साथ निभाया। उन्होंने 112 गेंद में 12 चौके और तीन छक्के की मदद से 75 रन की पारी खेली। उनके आउट होने के बाद अर्पित वसावडा ने इसी जिम्मेदारी से खेलते हुए स्टंप तक नाबाद 51 रन बना लिए थे जिसमें छह चौके और दो छक्के शामिल थे।

ग्रुप के एक अन्य मैच में कई बार की चैम्पियन मुंबई की टीम गोवा के लक्ष्य गर्ग और अमित यादव की गेंदबाजी के आगे पहली पारी में 163 रन पर सिमट गई। लक्ष्य गर्ग ने 46 रन देकर छह और अमित ने 47 रन देकर चार विकेट झटके। मुंबई के लिए केवल पांच बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके जिसमें सरफराज खान ने 63 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। तनुष कोटियान ने 30 रन का योगदान दिया।

वहीं भारतीय टीम से बाहर चल रहे एक अन्य अनुभवी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे खाता भी नहीं खोल सके और तीन गेंद खेलने के बाद आउट हो गए। गोवा ने दिन का खेल खत्म होने तक सलामी बल्लेबाज अमोघ सुनील देसाई के नाबाद 51 और सुयश प्रभुदेसाई के 40 रन की मदद से दो विकेट पर 114 रन बना लिए थे। इससे टीम पहली पारी में मुंबई से केवल 49 रन से पिछड़ रही है। सुनील देसाई के साथ कप्तान स्नेहल कौथांकर 16 रन बनाकर खेल रहे हैं।

सकीबुल गनी शतक से दो रन दूर बिहार के चार विकेट पर 315 रन

कोलकाता। पदार्पण मैच में तिहरा शतक जड़कर विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले सकीबुल गनी (नाबाद 98), बाबुल कुमार (73) और बिपिन सौरभ (नाबाद 50) के अर्धशतकों की मदद से बिहार ने प्लेट ग्रुप मैच में गुरुवार को यहां सिक्किम के खिलाफ पहले दिन स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 315 रन बना लिए। बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद बिहार के सलामी बल्लेबाज अभिनव कुमार (14) और यशस्वी रिशव (20) बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। उनके आउट होने के बाद मध्यक्रम बल्लेबाज लखन राजा ने 48 रन का योगदान दिया। पिछले मैच में पदार्पण करने वाले गनी की शानदार फॉर्म जारी है और वह अपने शतक से महज दो रन दूर हैं। वह अभी तक 133 गेंद में 18 चौके जड़ चुके हैं। सिक्किम के पालजोर तमांग ने दो विकेट झटके जबकि अजीत कार्तिक और ली योंग लेपचा ने एक एक विकेट प्राप्त किया।

करुण के नाबाद शतक से कर्नाटक संभला

चेन्नई। अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर ने फॉर्म में वापसी करते हुए नाबाद 152 रन की लाजवाब पारी खेली जिससे तमिलनाडु ने मध्यक्रम लड़खड़ाने के बावजूद जम्मू कश्मीर के खिलाफ ग्रुप सी मैच में गुरुवार को यहां आठ विकेट पर 268 रन बनाए। नायर पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे थे लेकिन वह सही समय पर फॉर्म में लौटे। उन्होंने कर्नाटक के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरने के बाद रवि कुमार समर्थ (45) के साथ दूसरे विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी की। नायर ने अब तक 267 गेंदों का सामना करके 21 चौके और एक छक्का लगाया है। ग्रुप सी के एक अन्य मैच में पुदुच्चेरी ने पारस डोगरा के नाबाद 107 रन की मदद से रेलवे के खिलाफ पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 284 रन बनाए। डोगरा के अलावा नयन श्याम ने 49 और कप्तान डी रोहित ने 41 रन का योगदान दिया। डोगरा ने अब तक 168 गेंदें खेलकर 10 चौके और एक छक्का लगाया है। रेलवे की तरफ से राहुल शर्मा ने तीन विकेट लिए हैं।

सतीश के नाबाद 146 रन से विदर्भ के तीन विकेट पर 270 रन

सुल्तानपुर (**हरियाणा**)। गणेश सतीश के नाबाद 146 रन की बदौलत विदर्भ ने गुरूवार को यहां महाराष्ट्र के खिलाफ ग्रुप जी मैच के पहले दिन तीन विकेट गंवाकर 270 रन बना लिए। बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद विदर्भ ने हालांकि अपने सलामी बल्लेबाजों – फॉर्म में चल रहे कप्तान फैज फजल (14) और संजय रघुनाथ (03) – के विकेट सस्ते में 18 रन पर गंवा दिए। दोनों विकेट मुकेश चौधरी ने झटके, लेकिन अर्थव तायडे (68) और सतीश के साथ मिलकर पारी को संभाला। सतीश दोनों में ज्यादा आक्रामक थे जिन्होंने 19 चौके और एक छक्का जबकि तायडे ने 145 गेंद की पारी में 10 चौके लगाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी निभाई।

ग्रुप के एक अन्य मैच में असम की पहली पारी 265 रन पर सिमट गई जिसमें रिया पराग (91) और सुभम मंडल (56) ने अर्धशतक जमाए। उत्तर प्रदेश के लिए कर्ण शर्मा और आकिब खान ने तीन तीन विकेट झटके। इसके जवाब में उत्तर प्रदेश ने बिना विकेट गंवाए 10 रन बना लिए थे।

विराट के शतक के बावजूद झारखंड 251 रन बनाकर आउट

गुवाहाटी। नवदीप सैनी की वापसी पर की गई शानदार गेंदबाजी तथा स्पिनरों के कमाल से दिल्ली ने ग्रुप एच के मैच में गुरुवार को यहां कप्तान विराट सिंह के शतक के बावजूद झारखंड को 251 रन पर आउट कर दिया। दिल्ली की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने तमिलनाडु के खिलाफ मैच की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाल युवा बल्लेबाज यश धुल (पांच) का विकेट जल्दी गंवा दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय दिल्ली ने एक विकेट पर 28 रन बनाए थे। तब ध्रुव शोरे 15 और हिम्मत सिंह छह रन पर खेल रहे थे।